राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 विशाखापट्टनम टेस्ट में इंग्लैंड को 399 रन का लक्ष्य ...

जेवर की फिल्म सिटी में समाएगा पूरा भारत, योगी के ... 12

वर्ष : 14 | अंक : 263 | नई दिल्ली, सोमवार , 05 फरवरी, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%

नहीं 50%

कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

हिमाचल में बारिश और बर्फबारी, कई स्थानों पर तापमान जमाव बिंदु से नीचे

पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी से चार नेशनल हाईवे और 518 सड़कें बंद

प्रातः किरण

शिमला/ एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मौसम के कड़े तेवर बने हुए हैं। राज्य के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में बीती रात से बर्फबारी और मैदानी व मध्यवर्ती इलाकों में बारिश का दौर चल रहा है। इससे समूचा प्रदेश भीषण शीत लहर की चपेट में है और कई स्थानों पर तापमान जमाव बिंदु से नीचे दर्ज किया जा रहा है। बर्फबारी का नजारा देखने के लिए सैलानियों ने पर्यटक स्थलों का रुख करना शुरू कर दिया है। मौसम विज्ञान शिमला केंद्र के निदेशक सुरेंद्र पाल का कहना है कि पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से राज्य में बारिश और बर्फबारी हो रही है। उन्होंने बताया कि अगले 24 घंटे में भी मौसम खराब रहेगा, लेकिन बर्फबारी में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि छह फरवरी से विक्षोभ के कमजोर पड़ने से मौसम में सुधार आएगा। पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी से चार नेशनल हाईवे और 518 सड़कें बंद हैं। शिमला और लाहौल-स्पीति में बर्फबारी से यातायात व्यवस्था चरमराई हुई है। मौसम विभाग ने आज दिन भर भारी बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार रविवार की सुबह तक शिमला जिला में 161 लाहौल स्पीति में 157, कुल्लू जिला में 71, मंडी जिला में 46 और किन्नौर जिला में 13 सड़कें बंद हैं। बर्फबारी से अप्पर शिमला की अधिकतर सड़के अवरुद्ध पड़ी हैं। ठियोग डिवीजन में 31, रोहडू व रामपुर डिवीजन में 30-30

और कोटखाई में 23 सड़कें बर्फबारी से बंद हैं। कुल्लू और लाहौल स्पीति जिलों में दो-दो नेशनल हाईवे पर बर्फबारी से आवाजाही पूरी तरह ठप है। पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी से सड़कों के बहाली कार्य में दिक्कतें आ रही हैं। चंबा जिले में 145, कुल्लू में 117 और मंडी में 114 ट्रांसफार्मर के बंद होने से बिजली गुल है।

मौसम विभाग के अनुसार शिमला जिला के शिलारू किन्नर के कल्पा और चंबा के भरमौर में पांच-पांच सेंटीमीटर ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है। इसके अलावा गोंदला में चार, केलांग में तीन, कुफरी, नारकंडा व खदराला में दो-दो सेंटीमीटर बर्फबारी हुई है। राज्य के पहाड़ी इलाकों पर हो रही बर्फबारी का नजारा देखने के लिए पर्यटकों ने बर्फ से ढके पर्यटक स्थलों का रुख करना शुरू कर दिया है। इस वीकेंड पर शिमला और इसके साथ लगते पर्यटन स्थलों में सैलानियों की आमद बढ़ी है।

शिमला होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष प्रिंस कुकरेजा ने बताया कि ताजा बर्फबारी से शिमला में होटल की बुकिंग 40 फीसदी से बढ़कर 70 फीसदी पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि बर्फबारी से पर्यटन कारोबार ने रफ्तार पकड़ी है और आने वाले दिनों में भी दूसरे राज्यों से पर्यटकों के पहुंचने की संभावना है।

संक्षिप्त खबरें

बिहार के विकास के लिए नीतीश जरूरी : पारस

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने मीडिया को कहा कि नीतीश कुमार कुछ दिनों के लिए महागठबंधन में चले गये थे एनडीए में आपसी को लेकर मैं नीतीश कुमार को बधाई देता हूं। जदयू के एनडीए में आने से निश्चित रूप से एनडीए मजबूत होगी और 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए 40 में 40 सीट जीतेगी। आगे पारस ने कहा कि देश के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 10 साल के शासनकाल में जो देश को दिया इसके पहले किसी प्रधानमंत्री ने देश को नही दिया। चाहे महिला बिल किसान सम्मान योजना गरीबो के लिए इंदिरा आवास योजना, जरूरतमंद लोगों को कामगार भाईयों के लिए औजार खरीदने के लिए आर्थिक मदद ईलाज के लिए 5 लाख रूप्ये की आर्थिक मदद की जरूरत हो उसमें प्रधानमंत्री आगे रहते हैं। आगे पारस ने कहा कि पहले अनाज के अभाव में लोग भूख मर जाते थे लेकिन नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में कोई भूखा नही रह सकता है। आगे पारस ने कहा कि बिहार में एनडीए गठबंधन का पुराने सहयोगी हम हैं इसके पहले 2019 में जदयू बीजेपी और लोक जनशक्ति पार्टी मिलकर लोकसभा का चुनाव लड़ा था जिसमें एनडीए एक सीट छोड़कर 39 सीट पर विजय प्राप्त की थी।

दो सगे भाइयों समेत तीन लोगों की संदिग्ध हालत में मौत

नई दिल्ली। दिल्ली से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मामला डाबड़ी इलाके का है। जहां शनिवार शाम दो भाइयों सहित तीन लोगों की संदिग्ध हालत में मौत हो गई है। जिनके बंद कमरे में शव मिले। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। जिसके बाद सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार मृत दोनों भाइयों की शिनाख्त उत्तर प्रदेश के बरेली के अमित और सोनू के रूप में हुई है। जबकि तीसरे मृत व्यक्ति की पहचान इनके घरेलू सहायक यादराम के रूप में हुई है। शुरूआती जांच के बाद पुलिस ने विषाक्त खाना खाने से मौत की आशंका जताई है। पुलिस का कहना है कि दोनों सगे भाई बरेली के रहने वाले थे। यहां किराए पर रहकर छोले भटूरे बेचते थे।घटना की जानकारी मिलने के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची और बंद दरवाजे को खोला, तो तीन लोगों के शव मिले। कमरे में गैस सिलेंडर पर छोले-भटूरे बनाने का सामान रखा था।

मेघालय में 3.5 तीव्रता का भूकंप, लोग अपने घरों से बाहर निकले

शिलांग। मेघालय के ईस्ट गारो हिल्स जिले में रविवार को दोपहर बाद मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गये। सिस्मोलॉजी विभाग के अनुसार ईस्ट गारो हिल्स जिले में दोपहर 02 बजकर 37 मिनट 15 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.5 मापी गई। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप का झटका महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और दहशत फैल गई। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र मेघालय के ईस्ट गारो हिल्स जिले में जमीन में 12 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 25.80 उत्तरी अक्षांश तथा 90.69 पूर्वी देशांतर पर स्थित था।

कोई देश अपनी विरासत को भुलाकर विकसित नहीं हो सकता : मोदी

कहा- पिछली सरकारों ने विरासत पर शर्मिंदा होने का ट्रेंड बना लिया था

प्रातः किरण

गुवाहाटी/नई दिल्ली/एजेंसी। विकास और विरासत को अपनी सरकार की नीति बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कोई देश अपनी विरासत को भुलाकर विकसित नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने विरासत पर शर्मिंदा होने का ट्रेंड बना लिया था और कभी आस्था के केंद्रों के विकास का महत्व नहीं समझा। प्रधानमंत्री ने रविवार को असम में मां कामाख्या दिव्य परियोजना सहित 11 हजार करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि दिव्य परियोजना के पूरा होने पर यहां भी राम मंदिर जैसा महौल बन जाएगा। इस तरह की परियोजना से गरीब से गरीब को भी कमाने के अवसर प्राप्त होते हैं। आज असम विकास और विरासत की नीति से हो रहे बदलाव का साक्षी बन रहा है। प्रधानमंत्री ने मां कामाख्या दिव्य परियोजना (मां कामाख्या एक्सेस कॉरिडोर) की आधारशीला भी रखी। इसे पूर्वोत्तर क्षेत्र योजना के लिए प्रधानमंत्री के विकास पहल के तहत मंजूरी दी गई है। यह परियोजना कामाख्या मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे तीर्थ, हमारे मंदिर, हमारी आस्था के स्थान, ये सिर्फ दर्शन करने की स्थली ही नहीं हैं। ये हजारों वर्षों की हमारी सभ्यता की यात्रा की अमिट निशानियां हैं। भारत ने हर संकट का सामना करते हुए कैसे खुद को अटल रखा, ये उसकी साक्षी हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बजट में घोषित रूफटॉप सोलर परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार बिजली बिल शून्य करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। पिछले 10 वर्षों में हमने हर घर में बिजली पहुंचाने का अभियान चलाया। अब रूफटॉप सोलर योजना के तहत सरकार एक करोड़ परिवारों को छत पर सोलर पैनल लगाने में मदद करेगी। देश के विकास में पूर्वोत्तर की बड़ी भूमिका को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में केन्द्र सरकार के प्रयासों से यहां शांति का महौल बना है। सीमा से जुड़े मसले सुलझाये गए हैं, स्थायी शांति स्थापित हुई है, 10 बड़े शांति समझौते हुए हैं और बड़ी संख्या में युवाओं ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है। 2014 तक यहां सिर्फ 10,000 किमी नेशनल हाई-वे हुआ करते थे। पिछले 10 वर्षों में ही हमने 6,000 किमी के नए नेशनल हाई-वे बनाए हैं। पिछले 10 वर्षों में हमारी सरकार ने यहां विकास पर होने वाले खर्च को 4 गुना बढ़ाया है।

भारतीय पनडुब्बी 'करंज' से 250 समुद्री मील दूर चीनी जहाज ने शुरू किया मिशन

आईएनएस 'करंज' ने कोलंबो के बंदरगाह पर लंगर डाला, जियांग यांग होंग 03 पहुंचा करीब

- भारत, श्रीलंका और मालदीव के विशेष आर्थिक क्षेत्रों के बाहर से गुजरा चीनी अनुसंधान जहाज

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। मालदीव की ओर जाने वाले चीनी महासागर अनुसंधान जहाज जियांग यांग होंग 03 ने रविवार से भारत, श्रीलंका और मालदीव के विशेष आर्थिक क्षेत्रों के बाहर अपना मिशन शुरू कर दिया है। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय पनडुब्बी आईएनएस करंज ने एक दिन पहले ही इस चीनी जहाज से सिर्फ 250 समुद्री मील की दूरी पर कोलंबो के एक बंदरगाह पर लंगर डाला है।

भारतीय नौसेना की पनडुब्बी आईएनएस 'करंज' तीन फरवरी को अपनी पहली विदेशी औपचारिक यात्रा पर कोलंबो बंदरगाह पहुंची है। श्रीलंकाई नौसेना ने नौसैनिक परंपराओं के अनुरूप मेहमान पनडुब्बी का स्वागत किया। यह भारतीय पनडुब्बी 67.5 मीटर लंबी है, जिसमें 53 लोगों का दल है। इसकी कमान कमांडर अरुणाभ के पास है। आधिकारिक यात्रा का समापन करते हुए आईएनएस 'करंज' पांच फरवरी को द्वीप से प्रस्थान करेगी। इस बीच इस पनडुब्बी पर श्रीलंका के नौसेना कर्मी एक जागरुकता कार्यक्रम में भाग लेंगे। श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त ने कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी का दौरा किया और चालक दल के साथ बातचीत की। श्रीलंका के 100 नौसेना कर्मियों ने भी परिचय ब्रीफिंग के लिए जहाज पर दौरा किया। इस बीच मालदीव और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भेजे जाने वाले चीनी जासूसी जहाजों पर भारतीय नौसेना की पैनी नजर है। नौसेना ने अरब सागर में विदेशी व्यापारिक जहाजों पर हूती उग्रवादियों के लगातार हमलों के बाद भारत की समुद्री सीमा पर चौकसी बढ़ाई है। मालदीव के राष्ट्रपति मुहम्मद मुइज्जु के चीन दौरे के बाद चीन ने हिंद महासागर क्षेत्र में अपना अनुसंधान जहाज जियांग यांग होंग 03 भेजा है, जो मालदीव की तरफ बढ़ रहा है। इसके 8 फरवरी तक मालदीव की राजधानी माले पहुंचने की उम्मीद है। चीनी जहाज ने भारत, श्रीलंका और मालदीव के विशेष आर्थिक क्षेत्रों के बाहर अपना मिशन शुरू कर दिया है। भारत समुद्री सीमा के आधार पर अंडमान को बहुत ही रणनीतिक द्वीप मानता है, क्योंकि यहीं से पूरे भारतीय समुद्री क्षेत्र और दक्षिण पूर्व एशिया पर नजर रखी जा सकती है। चीनी जासूसी जहाज पिछले पांच साल से श्रीलंका के रास्ते हिंद महासागर क्षेत्र में आते रहे हैं, लेकिन अब इन जहाजों ने आईओआर में आने के लिए मालदीव का रास्ता पकड़ लिया है। चीन के जासूसी जहाज समय-समय पर श्रीलंका, मालदीव, बंगाल की खाड़ी, अरब सागर में दिखाई दिए हैं। चीन यात्रा के बाद मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जु की बयानबाजी से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा है। मालदीव के प्रति भारत का कड़ा रुख अपनाने के बाद अब वहां की सरकार चीन की तरफ झुक रही है।

मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने आज हासिल करेंगे विश्वास मत

प्रातः किरण

रांची/एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन सोमवार को विधानसभा में विश्वास मत हासिल करेंगे। सोरेन ने विश्वास मत से एक दिन पहले रविवार को राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। सोरेन ने मुख्य सचिव एल खियांगते, पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा, अपराध मुक्त झारखंड, सरकार की प्राथमिकता है। सोरेन ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को अपराध नियंत्रण के लिए सभी आवश्यक संसाधन जुटाने का निर्देश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को रांची, दुमका, धनबाद, गिरिडीह, जमशेदपुर और हजारीबाग में अपराध नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने को कहा है। सोरेन ने कहा कि जब इन जिलों में अपराध की घटनाएं घटती हैं तो पूरे राज्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि जेलों से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने वाले गिरोहों की पहचान की जाए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने महिलाओं के खिलाफ अत्याचार से जुड़े मामलों का जायजा लिया और रांची में जेएसएससी भवन में हुई तोड़फोड़ की जांच के लिए विशेष जांच दल के गठन के निर्देश दिए।

अमित शाह से मिले डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी व विजय सिन्हा

प्रातः किरण

नई दिल्ली। दिल्ली में रविवार को देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से बिहार के उपमुख्यमंत्री सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने मुलाकात की। इस दौरान तीनों नेताओं के बीच बिहार की राजनीति को लेकर चर्चा हुई।

वहीं, नई दिल्ली में डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस में लोग डरे हुए हैं। उन्हें अपने विधायकों पर भरोसा नहीं है। वे विधायकों का अपमान करते हैं। कांग्रेस को इस सोच से मुक्त होना चाहिए कि विधायक एक बंधुआ मजदूर है। विधायक जनता का फैसला लाते हैं और उन्हें अपना निर्णय स्वयं लेने में सक्षम होना चाहिए। वहीं, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि सारी फाइल खोलेंगे। ये लोग जो सरकार में थे सब ठेकेदार थे। सबका इलाज होगा, ये बालू माफिया, शराब माफिया से जुड़े लोग हैं।

एक-एक व्यक्ति की जांच होगी। हालांकि, मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा के बीच सीएम नीतीश कुमार ने शनिवार को मंत्रालय का बंटवारा किया। इसमें बंटवारे के अनुसार सीएम नीतीश ने अपने पास कुल 5 मंत्रालय रखे, जबकि डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी व डिप्टी सीएम विजय सिन्हा को 9-9 विभाग दिया गया है। इस सीट बंटवारे में बीजेपी के पास 23 विभाग रहेगा।19 विभाग जेडीयू के पास, दो विभाग हम के पास और एक विभाग निर्दलीय विधायक के पास रहेगा।

भाजपा ने देश के युवाओं का भविष्य बर्बाद किया : राहुल गांधी

प्रातः किरण

धनबाद/एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर युवाओं का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्र सरकार की युवा विरोधी नीतियों के कारण आज करोड़ों युवाओं के समक्ष रोजगार पाने का बड़ा संकट खड़ा हो गया। श्री गांधी ने भारत जोड़ों न्याय यात्रा के दौरान रविवार को यहां अपने सम्बोधन में कहा कि भारत जोड़ों न्याय यात्रा में हमने ह्यन्यायह्ल शब्द को जोड़ा है। इसके दो-तीन बड़े कारण हैं। देश में आज आर्थिक अन्याय हो रहा है और देश के कुछ चुने हुए दो-तीन अरबपतियों को देश की पूंजी पकड़ाई जा रही है। देश में वस्तु एवं सेवा कर और नोटबंदी के कारण बेरोजगारी देश में फैली है। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी भाजपा ने देश के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। यह यात्रा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ है। उन्होंने झारखण्ड के आदिवासियों की चर्चा करते हुए कहा कि आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन की रक्षा कांग्रेस पार्टी करते रही है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने कहा कि नफरत के बाजार में कांग्रेस ने मोहब्बत की बाजार खोली है।

पीएम चुनावों में देते हैं गारंटी : प्रियंका

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बेरोजगारी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए रविवार को कहा कि वह चुनाव आते ही गारंटी की बात करने लगते हैं लेकिन सच यह है कि मोदी रोजगार नहीं, बेरोजगारी की गारंटी हैं। श्रीमती वाड्रा ने कहा, आंकड़ों के अनुसार देश में करीब 30 लाख सरकारी पद खाली हैं। हमारे करोड़ों युवा नौकरियों का इंतजार कर रहे हैं लेकिन पिछले 10 साल में भाजपा सरकार ने इन पदों को भरने के लिए दिखावे के सिवा कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा, जुलाई, 2022 में सरकार ने संसद को जानकारी दी थी कि आठ साल में 22 करोड़ युवाओं ने नौकरी के लिए आवेदन किया लेकिन नौकरी मिली मात्र सात लाख युवाओं को। यानी लगभग 21.93 करोड़ योग्य युवा बेरोजगार रह गए। सालाना दो करोड़ नौकरियों का वादा करने वाली भाजपा सरकार न पहले से मौजूद नौकरियां दे पाई, न ही नये रोजगार बना सकी। प्रधानमंत्री जी चुनावों में गारंटी देते हैं।

भाजपा का अंत आ गया है : अखिलेश

प्रातः किरण

लखनऊ/एजेंसी। अखिलेश यादव ने रविवार को पीडीए (पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक) में विश्वास करने वालों का हवाला देते हुए कहा कि एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आयी है कि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यकों की 91 प्रतिशत आबादी इस बार पीडीए के लिए एकजुट होकर वोट करेगी और भाजपा के समीकरण तथा फॉमूर्ले इस बार फेल हो गए हैं। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपनों से ही हारेगी।यादव ने कहा कि भाजपा उम्मीदवारों के चयन में काफी पीछे रह गई है और उसे उम्मीदवार ही नहीं मिल रहे हैं क्योंकि कोई भी हारने के लिए लड़ना नहीं चाहता है। सपा प्रमुख यादव ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा- पीडीए में विश्वास करने वालों का सर्वे, कुल मिलाकर 90 प्रतिशत की बात। यादव ने कहा, 49 प्रतिशत पिछड़ों का विश्वास पीडीए में है, 16 प्रतिशत दलितों का विश्वास पीडीए में, 21 प्रतिशत अल्पसंख्यकों और चार प्रतिशत अगड़ों में पिछड़ों का विश्वास पीडीए में (उपरोक्त सभी में आधी-आबादी मतलब महिलाएं सम्मिलित हैं)।

सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार की मौत

प्रातः किरण

जम्मू/एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में रविवार को एक सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने कहा कि जिले के सलोरा इलाके में उनकी कार दो ट्रकों से टकरा गई, जिससे कार सवार लोग हताहत हो गये। पुलिस ने बताया कि कार जम्मू से उधमपुर की ओर जा रही थी जब यह दुःखद घटना घटी। कार दो ट्रकों से टकरा गई जिससे उसमें सवार सभी पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने चार घायलों को मृत घोषित कर दिया। पांचवें घायल को उधमपुर शहर के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया है।मारे गए लोगों की पहचान नितिन डोगरा, उनकी पत्नी, रितु डोगरा और उनकी बेटियों खुशी और वाणी के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा, घायल की पहचान तीसरी बेटी बृंदा के रूप में हुई है।

मरम्मत कार्य के लिए गैर-भूकंप रोधी सरकारी भवनों को किया जाएगा चिह्नित

प्रातः किरण

पटना। बिहार भवन निर्माण विभाग ने अधिकारियों से प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत के लिए राज्य में पुराने गैर-भूकंप रोधी सरकारी भवनों की पहचान करने को कहा है। विभाग ने राज्य भर के कार्यपालक अभियंताओं को इस संबंध में जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने को कहा है। बिहार भवन निर्माण विभाग द्वारा कार्यपालक अभियंताओं को जारी एक परिपत्र में कहा गया है, राज्य में सभी पुराने सरकारी बुनियादी ढांचे को मरम्मत कर भूकंप रोधी बनाने की तत्काल आवश्यकता है। ऐसी इमारतों को प्राथमिकता के आधार पर चिह्नित करने की आवश्यकता है। इसमें कहा गया, सभी कार्यपालक अभियंताओं को अपने अधिकार क्षेत्र में ऐसी इमारतों की पहचान करने के लिए एक सर्वेक्षण करना चाहिए ताकि मरम्मत का काम जल्द से जल्द शुरू किया जा सकता है। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, विभाग भूकंप की स्थिति में क्षति को रोकने के लिए राज्य में पुराने कार्यालयों और कमजोर इमारतों की मरम्मत पर काम शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अन्य उपाय जैसे बचाव कार्यों के लिए खुली जगहों की पहचान करना, आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए जिलों और अनुमंडलों में अस्पतालों को चिह्नित करना, सड़कों को चौड़ा करना, आपातकालीन स्थिति में संचार के लिए रेलवे और टेलीफोन नेटवर्क के साथ कनेक्टिविटी स्थापित करना भी सर्वेक्षण का हिस्सा होगा। अधिकारी ने कहा कि बिहार को किसी भी आपदा से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने की जरूरत है और इस आशय की तैयारी की जानी चाहिए।

मजबूती भारत में निर्मित हथियार प्रणाली खरीदने से जीडीपी पर होगा कई गुना असर

सुखोई लड़ाकू विमानों को आधुनिक बनाने के लिए 60 हजार करोड़ रुपये आवंटित

चीन-पाकिस्तान के अग्रिम इलाकों में तैनाती मजबूत करने में मिलेगी मदद

प्रातः किरण

नई दिल्ली। भारत सरकार ने वित्त वर्ष 24-25 के बजट में 84 सुखोई लड़ाकू विमानों को आधुनिक बनाने और 12 नए सुखोई खरीदने के लिए अलग से 60 हजार करोड़ रुपये आवंटित करने का फैसला लिया है। बजट का बड़ा हिस्सा देश को घरेलू स्तर पर निर्मित अगली पीढ़ी की हथियार प्रणाली प्रदान करने के लिए घरेलू स्रोतों के माध्यम से खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा, जिसका जीडीपी पर कई गुना प्रभाव पड़ेगा। बढ़े हुए बजटीय आवंटन से सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक, विशिष्ट प्रौद्योगिकी वाले घातक हथियारों, लड़ाकू विमानों, जहाजों, मानव रहित हवाई वाहनों, ड्रोन आदि से लैस किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2024-25 में रक्षा बजट 6,21,540.85 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह कुल केंद्रीय बजट का 13.04 प्रतिशत है। वित्त वर्ष 24-25 के लिए रक्षा का बजटीय आवंटन वित्त वर्ष 2022-23 के आवंटन से लगभग एक लाख करोड़ (18.35 प्रतिशत) और वित्त वर्ष 23-24 के आवंटन से 4.72 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 24-25 के लिए रक्षा में पूंजीगत व्यय के लिए बजटीय आवंटन 1.72 लाख करोड़ रुपये है जो वित्त वर्ष 22-23 के वास्तविक व्यय से 20.33 प्रतिशत अधिक है और वित्त वर्ष 23-24 के संशोधित आवंटन से 9.40 प्रतिशत अधिक है। बढ़े हुए बजटीय आवंटन से सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक, विशिष्ट प्रौद्योगिकी वाले घातक हथियारों, लड़ाकू विमानों, जहाजों, प्लेटफार्मों, मानव रहित हवाई वाहनों, ड्रोन, विशेषज्ञ वाहनों आदि से लैस करने में सुविधा होगी।

सरकार ने वित्त वर्ष 24-25 के बजट में वायु सेना के 84 सुखोई लड़ाकू विमानों को आधुनिक बनाने और 12 नए सुखोई खरीदने के लिए अलग से 60 हजार करोड़ रुपये आवंटित करने का फैसला लिया है। आवंटित बजट के बड़े हिस्से का इस्तेमाल अगली पीढ़ी की स्वदेशी हथियार प्रणाली खरीदने के लिए किया जाएगा, जिसका जीडीपी पर कई गुना प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा मौजूदा मिग-29 के लिए उन्नत इंजनों के अधिग्रहण, परिवहन विमान सी-295 और मिसाइल प्रणालियों के अधिग्रहण की भी योजना है। ह्यमेक इन इंडियाह्ल पहल को आगे बढ़ाने के लिए लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) एमके-1 के आईओसी/एफओसी कॉन्फिगरेशन को अतिरिक्त रूप से वित्त पोषित किया जाएगा। बजट में भारतीय नौसेना की परियोजनाएं जैसे डेक-आधारित लड़ाकू विमान, पनडुब्बियां, अगली पीढ़ी के सर्वेक्षण जहाजों आदि का अधिग्रहण करने के लिए भी अलग से आवंटन किया गया है। बजट का बड़ा हिस्सा रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इस बजट का इस्तेमाल घरेलू स्तर पर निर्मित अगली पीढ़ी की स्वदेशी हथियार प्रणाली खरीदने के लिए किया जाएगा, जिससे घरेलू अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

एसएसपी ने छह दारोगाओं के कार्यक्षेत्र में किया फेरबदल

हरिद्वार, एजेंसी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने छह उप निरीक्षकों और चार अपर उप निरीक्षकों के तबादले किए हैं। एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि उपनिरीक्षक हाकम सिंह को कोतवाली मंगलौर से नगर कोतवाली, पुलिस लाइन से एसआई विनोद गोला को थाना कलियर, उपनिरीक्षक संजीव कुमार को पुलिस लाइन से थाना खानपुर, प्रदीप कुमार को पुलिस लाइन से एसआईएस शाखा, भानु प्रताप को थाना कलियर से पुलिस लाइन और सीआईयू से एसआई रणजीत सिंह तोमर को एएनटीएफ भेजा गया है। अपर उप निरीक्षक अजीत को ज्वालापुर कोतवाली से थाना भगवानपुर, बालाराम को थाना भगवानपुर से कोतवाली लक्सर, एएसआई प्रदीप मलिक को सीओ कार्यालय लक्सर से थाना भगवानपुर, एएसआई चंद्रमोहन को थाना भगवानपुर से सीओ लक्सर कार्यालय भेजा गया है।

करंट लगने से गाय की मौत, व्यापारियों ने जताया आक्रोश

हरिद्वार, एजेंसी। सुभाष घाट पर बाक्स में करंट उतरने और इसकी चपेट में आने से गाय की मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर व्यापारियों ने कड़ी आपत्ति जताई। नगर निगम की टीम ने मृत गाय को दफनाया। सुभाष घाट, हरकी पैड़ी क्षेत्र के व्यापारियों ने इस दुर्घटना पर आक्रोश व्यक्त किया। व्यवसायी रमेश चंद्र शर्मा व कई अन्य का आरोप था कि इस तरह की घटनाएं आम हो चुकी हैं। खुले बाक्स और भूमिगत बिजली के तारों से उतर रहे करंट की चपेट में आने से पशु हादसे का शिकार हो रहे हैं। घटना के बाद कई व्यापारियों ने विद्युत पावर हाउस पर संपर्क किया, लेकिन उचित जवाब नहीं मिलने पर व्यापारियों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। शहर में बिजली की लाइन भूमिगत कर दी गई है, लेकिन जगह-जगह लगे कनेक्शन के बाक्स खुले ही छोड़ दिए गए हैं। इस लापरवाही के चलते कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इन पर स्पष्ट तौर पर चेतावनी लिखी गई है कि 500 किलोवॉट क्षमता की विद्युत आपूर्ति हो रही है, इससे सावधान रहें। गली कूचे में खेलते बच्चे कनेक्शन बॉक्स खुला देखकर कई बार छेड़छाड़ करते हैं। वहीं, जानवर बाक्स के ईर्द-गिर्द उगी घास खाने के चक्कर में इसकी चपेट में आ जाते हैं। बीते एक साल में एक दर्जन हादसे इस तरह के हो चुके हैं, जिनका रिकॉर्ड भी विभाग दर्ज नहीं करता है।

रामभक्तों की सेवा में जुटे देवभूमि के राम सेवक

हरिद्वार, एजेंसी। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भक्तों की सेवा के लिए देवभूमि के राम सेवक जुटे हुए हैं। हरिद्वार समेत रुड़की, ऋषिकेश आदि क्षेत्रों से गए दस राम सेवक मंदिर दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को सुलभता से राम लला के दर्शन करा रहे हैं। देशभर से अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन करने के लिए भक्तों की अपार भीड़ जुट रही है। जिससे भाजपा और राष्ट्रीय स्व्यंसेवकों को व्यवस्थाएं संभालनी पड़ रही हैं। इसके लिए विभिन्न प्रदेशों के कार्यकर्ताओं को बुलाया गया है। इनमें देवभूमि के दस लोग एक सप्ताह के लिए अपने जरूरी कार्य छोड़कर निस्वार्थ भाव से 26 जनवरी से गए हैं। ये राम सेवक 3 फरवरी तक अयोध्या में रहकर रामभक्तों की सेवा करेंगे।

होटल से नकदी चोरी में दो युवक दबोचे

रूड़की, एजेंसी। पुलिस ने होटल के गल्ले से नकदी चोरी करने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों पर केस दर्ज कर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। भगवानपुर पुलिस को गांव मेहवड़ कलां निवासी नीरज कुमार ने तहरीर देकर बताया कि उन्होंने भगवानपुर कस्बे में लक्ष्मी भोजनालय के नाम से होटल खोल रखा है। एक फरवरी को दो युवकों ने गल्ला तोड़कर चार हजार की नकदी चोरी कर ली थी। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। तभी से पुलिस दोनों की तलाश कर रही थी। प्रभारी निरीक्षक सूर्यभूषण नेगी ने बताया कि बृहस्पतिवार देर शाम पुलिस ने क्षेत्र से दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही उनके पास से चार हजार की नकदी भी बरामद कर ली है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि चोरी में फरीद निवासी ग्राम खेलपुर और शाहिद निवासी ग्राम मक्खनपुर, भगवानपुर को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

एम्स ऋषिकेश को मिली दो नई स्वास्थ्य योजानाओं की सौगात

ऋषिकेश, एजेंसी।
एम्स ऋषिकेश के स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ और ट्रामा आइसीयू स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी दो योजनाओं का शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को विकसित करने के लिए सतत रूप से प्रयासरत है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. मनसुख मांडविया शनिवार को राजस्थान के जोधपुर एम्स के दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम स्थल से ही वर्चुअल माध्यम से रिमोट का बटन दबाकर देश के विभिन्न सात एम्स संस्थानों में स्वास्थ्य योजनाओं और स्वास्थ्य सुविधाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण भी किया।

इनमें एम्स ऋषिकेश के अलावा, एम्स जोधपुर, एम्स भुवनेश्वर, एम्स बिलासपुर, एम्स देवघर, एम्स नागपुर और एम्स गोरखपुर की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाएं शामिल हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है।

एम्स ऋषिकेश में यह कार्यक्रम संस्थान के मुख्य सभागार में आयोजित किया गया। समारोह के दौरान संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने एम्स ऋषिकेश में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं को विकसित

करने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. मनसुख मांडविया का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर एम्स ऋषिकेश के अध्यक्ष प्रो. समीरन नंदी, डीन एकेडेमिक प्रो. जया चतुर्वेदी, मेडिकल सुपरिटेंडेंट प्रो. आरबी कालिया, सीफएम की विभागाध्यक्ष डा. वर्तिका सक्सेना, उप निदेशक (प्रशासन) ले. कर्नल अमित पराशर, वित्तीय सलाहकार ले. कर्नल एस. सिद्धार्थ, सुपरिटेंडेंट इंजीनियर ले. कर्नल राजेश जुयाल, डा. मीनाक्षी धर, डा. वंदना धींगरा, डा. रूचि दुआ, विधि अधिकारी प्रदीप चंद्र पांडेय, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी संदीप कुमार सिंह, प्रशसनिक अधिकारी गौरव बडोला, पीपीएस विनीत कुमार सहित कई विभागों के फेकल्टी सदस्य, अधिकारीगण व अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

संस्थान के समुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग (सीएफएम) की ओर से संचालित स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ में मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ पाठ्यक्रम की सुविधा है। यह दो वर्षीय पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य बीमारियों की वृहद स्तर पर रोकथाम, प्रबंधन, स्वास्थ्य योजनाओं का मूल्यांकन, स्वास्थ्य के सामाजिक कारकों का व्यापक अध्ययन व उसकी रोकथाम के लिए योजना तैयार करना शामिल है। संस्थान के ट्रामा सेंटर में इस योजना को विकसित किया गया है। गंभीर रूप से बीमार व दुर्घटना के रोगियों सहित पालीट्रामा के रोगी, बंदूक की गोली से घायल, चाकू व छुरे से लगने वाली चोटें, रीढ़ की हड्डी की चोट और सिर की चोट जैसी गंभीर रोगियों का इसमें इलाज किया जा सकेगा। छह आइसोलेशन बेड सहित इसमें कुल 18 बेड का आइसीयू उपलब्ध है।

भाजपा सरकार ने ओबीसी को दिया सम्मान - महतो

हरिद्वार, एजेंसी। ओबीसी मोर्चा की प्रदेश प्रभारी कृष्णा महतो का हरिद्वार डामकोठी पहुंचने पर स्वागत किया गया। वहीं, जिला कार्यालय में ओबीसी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों की उन्होंने बैठक ली। कृष्णा महतो ने कहा कि देश में कितनी सरकारें आई और गईं, लेकिन भाजपा सरकार में प्रधानमंत्री ने ओबीसी समाज के लोगों को सम्मान दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष कर पिछड़े समाज को विश्वकर्मा योजना की सौगात दी है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है की सभी कार्यकर्ता इस योजना को जन-जन तक पहुंचाएं, ताकि प्रत्येक व्यक्ति को इस योजना का लाभ मिल सके। प्रदेश अध्यक्ष राकेश गिरी एवं संत मंडल आश्रम के अध्यक्ष स्वामी राम मुनि ने कहा कि भाजपा और नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रचंड बहुमत से प्रधानमंत्री बनाना है। इसके लिए सभी लोग अपने बूथ स्तर तक कार्य करें और आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा का परचम लहराएं। ओबीसी जिलाध्यक्ष शोभाराम प्रजापति, अनुज सैनी, आशुतोष शर्मा, आशु चौधरी, मोहित वर्मा, प्रताप कुमार, रवि कश्यप, आदित्य गिरी, प्रमोद पाल, संदीप अरोड़ा, नरेंद्र सिंह चंदेल मौजूद रहे।

टहलने गए युवक की ट्रेन की चपेट में आकर मौत

रूड़की, एजेंसी। खाना खाकर रेलवे लाइन किनारे टहलने गए युवक की ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शव का पोस्टमार्टम कराया। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र स्थित गोलभट्ठा, ढंढेरा निवासी गुरप्रीत सिंह (23) बृहस्पतिवार रात का खाना खाकर पास में ही रेलवे लाइन के पास टहलने गया था। बताया जा रहा है कि इस बीच वह किसी ट्रेन की चपेट में आ गया। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा होता देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और सूचना उसके परिजनों को दी।

पत्नी की हत्या के दोषी को उम्रकैद

काशीपुर, एजेंसी।
चार साल पहले महिला की हत्या के मामले में द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रितेश कुमार की अदालत ने पति को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। उस पर बीस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। शव को गन्ने के खेत में छिपाकर साक्ष्य मिटाने के प्रयास में भी पति और उसके भतीजे को दोषी माना गया है। दोनों को तीन-तीन साल की सजा सुनाई गई है।

राजेंद्र सिंह की ओर से थाना जसपुर में 13 फरवरी 2020 को तहरीर दी गई थी। उनका कहना था कि 12 फरवरी 2020 को उसकी बहन जसवीर कौर का शव महुआडाबरा एलबीएस कॉलेज रोड पर गन्ने के खेत में पड़ा मिला था। उन्होंने बहन की ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि बहन जसवीर कौर उर्फ सिमरन कौर की शादी हरविंदर सिंह उर्फ हैप्पी निवासी ग्राम शेरगढ़, बिजनौर के साथ 2005 में हुई थी। उनके दो बच्चे हैं। शादी के बाद से ही ससुराल वाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। कई बार पंचायत के जरिये मामले का निस्तारण कराया गया। इसके बाद भी उत्पीड़न नहीं थमा।

जसवीर कौर के पति हरविंदर सिंह, उसके ससुर चरनजीत सिंह, सास राणो कौर, देवर हरजीत उर्फ वाऊ निवासी शेरगढ़ बिजनौर (यूपी) के खिलाफ हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया। विवेचना के दौरान सास की भूमिका नहीं दिखी लेकिन हरविंदर के कथित भतीजे तरनवीर सिंह की संलिप्तता भी पाई गई इसलिए हरविंदर सिंह, चरनजीत सिंह, हरजीत और तरनवीर सिंह के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया गया। सुनवाई के दौरान अदालत ने इसे हत्या करने के बाद साक्ष्य मिटाने का अपराध माना और सजा सुनाई। चरनजीत सिंह और हरजीत सिंह को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया।

पति हरविंदर सिंह- हत्या का दोषी पाते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। बीस हजार रुपये के अर्थदंड की भी सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर छह माह का अतिरिक्त कारावास वहन करना होगा।

पति हरविंदर और भतीजे तरनवीर- साक्ष्य मिटाने का भी दोषी पाते हुए तीन-तीन साल के कारावास की सजा। पांच-पांच हजार रुपये अथदंड। अर्थदंड न देने पर एक-एक माह का अतिरिक्त कारावास की सजा।

पार्किंग में खड़ी 12 गाड़ियों के शीशे तोड़े

नैनीताल, एजेंसी। असमाजिक तत्वों ने शुक्रवार देर रात हल्द्वानी रोड स्थित एक स्कूल परिसर में बनाए पार्किंग स्थल में खड़ी 12 गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। पुलिस ने शनिवार को अज्ञात पर एनसीआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिला प्रशासन की ओर से हल्द्वानी रोड स्थित शहीद कैप्टन रमेश सिंह जूनियर हाईस्कूल के सामने की ओर स्थित मैदान में तल्लीताल क्षेत्र के लोगों को अपने निजी वाहन खड़े करने की अनुमति दी है। शुक्रवार रात भी क्षेत्र में कई वाहन खड़े थे। शनिवार सुबह जब स्थानीय लोग अपने वाहन निकालने मैदान में पहुंचे तो वहां 12 गाड़ियों के शीशे क्षतिग्रस्त मिले। लोगों ने इसकी शिकायत तल्लीताल पुलिस से की। स्थानीय लोगों का कहना था कि कुछ माह पहले भी यहां एक दो वाहनों के शीशे तोड़े

गए थे लेकिन तब आरोपियों की धरपकड़ नहीं हुई।

पुलिस ने वाहनों का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। तल्लीताल के थानाध्यक्ष रमेश सिंह बोरा ने बताया कि एनसीआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में एक युवक की पहचान की गई है। सबूत मिलने के बाद आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल में गिरी बहुमंजिला इमारत की दीवार, बाल-बाल बचे छात्र

ऋषिकेश, एजेंसी। थाना मुनि की रेती क्षेत्र के तपोवन में निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत का ऊपरी हिस्सा अचानक टूटकर एक स्कूल में गिरने से हड़कंप मच गया। कैंटीन और टिनसेट नुमा कमरे क्षतिग्रस्त हुए हैं। गनीमत रही कि मलबा गिरने के दौरान बच्चे बाहर नहीं थे। जिससे बड़ा हादसा टल गया।स्कूल प्रबंधन ने एसडीएम सहित अन्य विभागों में शिकायत दर्ज कर निर्माण कार्य पर रोक लगाने की मांग की है।

रामानास सेवा समिति की ओर से संचालित विद्यालय निदेशक डॉ. प्रभावती द्वाभा ने मुनि की रेती थाना पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके स्कूल से सटाकर अवैध रूप से एक होटल का निर्माण किया गया है। यह गंगा से 200 मीटर के दायरे में आता है। बताया कि शनिवार सुबह करीब 6-56 बजे बिल्डिंग की सातवीं मंजिल की दीवार अचानक टूटकर विद्यालय के प्रांगण में गिर गई। जिसके कारण शनिवार को विद्यालय बंद करना पड़ा। ऊपर से ईंट और कंक्रीट गिरने से बच्चे बाल-बाल बचे। इस समय बच्चों के नाश्ते का समय था। कुछ बच्चे और स्टाफ रसोई के अन्दर थे। दीवार गिरने से विद्यालय की रसोई और डाइनिंग एरिया बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। बताया कि निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत से खतरे की आशंका के चलते पहले भी कई बार शिकायत की गई है। लेकिन होटल का अवैध निर्माण लगातार चल रहा है।

कबाड़ी की दुकानों में चला ऑपरेशन ब्लैक मार्केट, 76 दुकानदारों के चालान

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी में चोरी का माल खरीदने के शिकायत पर पुलिस ने ऑपरेशन ब्लैक मार्केट चलाया। इस दौरान नैनीताल में संचालित कबाड़, गैराज और मोटर मैकेनिकों की दुकानों पर चेकिंग की गई। कमियां पाए जाने पर पुलिस ने 76 दुकानदारों पर कार्रवाई करते हुए चालान काटे।

हल्द्वानी में चोरी का माल खरीदने के शिकायत पर पुलिस ने ऑपरेशन ब्लैक मार्केट चलाया। इस दौरान नैनीताल जिले में संचालित कबाड़, गैराज और मोटर मैकेनिकों की दुकानों पर चेकिंग की गई। कमियां पाए जाने पर पुलिस ने 76 दुकानदारों पर कार्रवाई करते हुए चालान काटे। साथ ही किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि न करने की हिदायत भी दी।

एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा के निर्देश पर नैनीताल जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस ने ऑपरेशन ब्लैक मार्केट चलाकर सख्ती के साथ पुराने सामान की खरीद-फरोख्त करने वाले कबाड़ी, मोटर गैराज आदि पर चेकिंग की। इस दौरान कई जगहों पर पुलिस को वहां के कर्मचारियों के न तो सत्यापन मिले और न ही माल की खरीद-फरोख्त से जुड़े पुख्ता दस्तावेज।

इसके चलते नैनीताल, हल्द्वानी, मुखानी, काठगोदाम, बनभूलपुरा, कालाढूंगी, भीमताल, रामनगर, मुक्तेश्वर और खन्स्यू सहित अन्य क्षेत्रों में पुलिस ने 76 दुकानदारों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की। एसपी सिटी हरबंस सिंह ने बताया कि अभियान आगे भी जारी रहेगा।

दो ऑटो लिफ्टर गिरफ्तार, चोरी की चार बाइकें बरामद

रुद्रपुर, एजेंसी।
ट्रांजिट कैंप थाना पुलिस ने दो शातिर ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की चार बाइकें बरामद की हैं। दोनों अभियुक्त पहले भी बाइक चोरी के मामले में जेल जा चुके हैं। शनिवार को सीओ सिटी निहारिका तोमर ने पत्रकार वार्ता में बताया कि ठाकुरनगर ट्रांजिट कैंप निवासी सुरजीत कुमार ने 31 जनवरी को ट्रांजिट कैंप थाने में बाइक चोरी होने का केस दर्ज कराया था। दो फरवरी को कृष्णा कालोनी निवासी नरेंद्र कुमार ने 31 जनवरी को कृष्णा कालोनी से बाइक चोरी होने का केस दर्ज कराया था। बाइकें चोरी के खुलासे के लिए टीमों का गठन किया गया था। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की शाम पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान गंगापुर रोड श्मशान घाट के पास बाइक सवार दो संदिग्धों के रोका। जब पुलिस ने उनसे बाइक के कागजात मांगे तो वे नहीं दिखा सके। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने बाइक चोरी की बताई। उन्होंने अपना नाम दीपक शर्मा उर्फ लूटिया निवासी ग्राम गोगई थाना मीरगंज, जिला बरेली, यूपी और हाल निवासी राजा कालोनी ट्रांजिट कैंप और विजय शर्मा निवासी ग्राम निजाम डाण्डी थाना जहानाबाद पीलीभीत और हाल निवासी निवासी कृष्णा कॉलोनी ट्रांजिट कैंप बताया। सीओ ने बताया कि अभियुक्तों की निशानदेही पर श्मशान घाट के सामने गन्ने के खेत में छिपाई गई चोरी की तीन बाइकें बरामद की गईं। इनमें से दो बाइकें ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र से चोरी हुई थीं। दो अन्य बाइकों के चेचिस नंबर के आधार पर उनके मालिकों का पता लगाया जा रहा है। अभियुक्त बाइकें कहां बेचते थे, इसकी जांच की जा रही है। अभियुक्तों के खिलाफ पूर्व में ट्रांजिट कैंप थाने में दो ओर पंतनगर थाने में चार केस दर्ज हैं।

बैठक में 87 करोड़ के बजट पर लगी मुहर

हरिद्वार, एजेंसी।
जिला पंचायत की बोर्ड बैठक में 18 मिनट में अनुमानित 87 करोड़ रुपये के बजट पर मुहर लग गई। वहीं, बैठक शुरू होते ही सदस्यों ने अनावश्यक रूप से बोर्ड, होर्डिंग के नाम पर वसूले जा रहे टैक्स, दुकानदारों की आरसी और नोटिस काटने का कड़ा विरोध किया। जिला पंचायत अध्यक्ष के जांच कमेटी गठित करने के आश्वासन पर मामला शांत हुआ।

शनिवार को देवपुरा स्थित जिला पंचायत कार्यालय के सभागार में बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी राजेंद्र सिंह उर्फ किरण चौधरी की अध्यक्षता में सुबह 11-10 पर बैठक शुरू हुई, जो 11 बजकर 28 मिनट पर समाप्त हो गई। संचालन कर रहे अपर मुख्य अधिकारी बीसी छिम्मवाल ने सदन को बताया कि जिला पंचायत को नए वित्तीय वर्ष 2024-25 में सरकार के राज्य वित्त आयोग, 15वां वित्त आयोग, राज्य योजना और जिला योजना समेत जिला पंचायत से होने वाली आय से 87 करोड़ 89 लाख रुपये प्राप्त होंगे। इस बजट से जिला पंचायत की ओर से 71 करोड़ 63 लाख रुपये का बजट खर्च किया जाएगा। इसमें से लगभग 63 करोड़ रुपये से पंचायत सदस्यों के प्रस्तावों पर विकास कार्य किए जाएंगे। शेष पैसा वेतन, भत्तों आदि पर खर्च किए जाएंगे। 16 करोड़ रुपये की बचत जिला पंचायत की होगी।

वह इसकी जानकारी ही दे रहे थे कि इसी बीच नारसन कलां के जिला पंचायत सदस्य अरविंद राठी बैठक में पहुंच गए और उन्होंने कहा कि यह सब तो बाद में सुना जाएगा। पहले सही टैक्स का निर्धारण किया जाए। कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में होर्डिंग, बोर्ड के नाम पर अनावश्यक रूप से टैक्स वसूला जा रहा है। जिन लोगों ने अपनी दुकानों के बाहर भी अपने ही बोर्ड लगाए हैं। उनसे भी पैसा लिया जा रहा है। यह किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनकी इस बात का समर्थन करते हुए अन्य सदस्यों ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में वसूले जा रहे होर्डिंग बोर्ड आदि के नाम पर अनावश्यक मनमानी टैक्स को लेकर विरोध शुरू कर दिया। जिला पंचायत सदस्य पहले मनमाने टैक्स को रोकने और ग्रामीण दुकानदारों की आरसी और कोर्ट नोटिस रोकने की मांग पर पड़ गए। कहा कि इसके हल निकलने पर बैठक आगे शुरू होगी।

इस पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने टैक्स की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन करने का आश्वासन दिया। इसमें प्रशासनिक अधिकारी धर्मवीर सिंह, कर अधिकारी भानू प्रताप और टैक्स इंस्पेक्टर सतीश कुमार को रखा गया। उधर, बैठक में जिला पंचायत सदस्यों की ओर से ग्राम पंचायत में होने वाले मनरेगा कार्यों के प्रस्ताव भी ले जाने की मांग की गई। कहा कि उनके प्रस्ताव पर भी मनरेगा के कार्य कराया जाए। जिस पर विचार-विमर्श करने का आश्वासन अध्यक्ष ने दिया।

इस मौके पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान, जिला पंचायत सदस्य अंशुल चौधरी, बृजमोहन पोखरियाल दर्शन सिंह, अंकित कश्यप, अभियंता महेश कुमार, ईश्वरचंद आदि मौजूद रहे।

बरसात में टूटे पुश्ते अब तक नहीं लगे, ग्रामीणों में आक्रोश

ऋषिकेश, एजेंसी। राष्ट्रीय राजमार्ग खंड धुमाकोट की लापरवाही लोगों पर भारी पड़ रही है। आठ माह बाद भी एनएच डिवीजन घट्टूगाड सिलोगी मोटरमार्ग पर बरसात में टूटे पुश्ते नहीं लग पाया है। ऐसे में जान जोखिम में डालकर लोग सफर करने को मजबूर हैं। इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

घट्टूगाड सिलोगी मोटरमार्ग रखरखाव के लिए तीन साल से एनएच धुमाकोट के अधीन है। एनएच धुमाकोट ने करोड़ों रुपये खर्च कर मोटरमार्ग का डामरीकरण करने के साथ ही सीसी स्कपर डाले थे। लेकिन उसके बाद भी हाईवे की स्थिति नहीं सुधरी। जून-जुलाई के बरसात में करीब 10 से अधिक पुश्ते टूट गए थे, लेकिन एनएच धुमाकोट पुश्ते नहीं लगा पाया।

कई स्थानों पर टूटे पुश्ते के कारण मोटरमार्ग खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। मोटरमार्ग के किनारे की झाड़ी भी नहीं काटी गई है। बरसात में जिन स्थानों पर गदेरे में उफान आने से सड़क खराब हुई थी उन स्थानों पर भी सड़क की स्थिति सुधारने की कोई कोशिश नहीं की गई। ऐसे में इस मोटरमार्ग पर सफर करना जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है।

3102 व्यापारी करेंगे पांच प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

रुद्रपुर, एजेंसी। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल की पश्चिमी इकाई के हो रहे चुनाव में जीत के लिए प्रत्याशियों ने पूरी ताकत झोंक दी है। प्रचार के अंतिम दिन महामंत्री और कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ देर रात तक व्यापारियों से वोट मांगते रहे। रविवार को मतदान के बाद मतगणना में निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा होगी।

व्यापार मंडल में महामंत्री और कोषाध्यक्ष पद के लिए चुनाव हो रहे हैं। अध्यक्ष पद पर निवर्तमान अध्यक्ष संजय जुनेजा का एकमात्र नामांकन होने से उनका निर्विरोध निर्वाचन तय है। महामंत्री पद पर हरीश अरोरा, मनोज छाबड़ा, कोषाध्यक्ष पद पर पवन गाबा, संदीप कुमार राव, बलविंदर सिंह चुनाव मैदान में हैं। नामांकन होने के बाद से सभी प्रत्याशी प्रचार में जोरशोर से जुटे हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी सुरमुख सिंह विर्क ने बताया कि कुल 3159 वोट बने थे लेकिन कागजों में कमी के चलते 57 वोट निरस्त कर दिए गए थे। 3102 वोटर अपने मताधिकार का चुनाव में इस्तेमाल करेंगे।

उन्होंने बताया कि रविवार को जनता इंटर कॉलेज में सुरक्षा के बीच सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा और उसके बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे। मतदान के लिए पांच कक्ष बनाए गए हैं जबकि मतगणना लाइब्रेरी हॉल में होगी। वीडियोग्राफी के बीच होने वाली मतगणना में प्रत्याशी और उनके प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, सोमवार,05 जनवरी, 2024

चार नए विश्वस्तरीय सरकारी स्कूल की सीएम केजरीवाल ने रखी नींव

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

उत्तर-पश्चिम दिल्ली स्थित किराड़ी विधानसभा क्षेत्र को अगले साल जनवरी तक चार नए सरकारी स्कूल मिल जाएंगे। रविवार को किराड़ी के प्रताप विहार में सीएम अरविंद केजरीवाल नारियल फोड़कर दो नए स्कूल भवनों की नींव रखी। इसमें दो शिफ्टों में चार स्कूल चलेंगे, जहां करीब 10 हजार बच्चे शिक्षा पा सकेंगे। दोनों नए स्कूल भवनों में 100 से अधिक शानदार क्लासरूम होंगे। इसके अलावा लेबोरेट्री, लाइब्रेरी, एक्टिविटी रूम और लिफ्ट समेत अन्य आधुनिक सुविधाएं होंगी। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के कुछ इलाकों में स्कूलों की कमी है। इसी मद्देनजर हम उन इलाकों में नए स्कूल बना रहे हैं, ताकि हर बच्चों को अपने घर के पास ही अच्छी शिक्षा मिल सके। मैंने कसम खाई है कि जो शिक्षा मेरे देश ने मुझे और मेरे बच्चों को दी है, वैसी ही अच्छी शिक्षा देश के हर बच्चे को मिलनी चाहिए। इसके लिए लिए मैं काम करता रहूंगा। इसलिए हमारी सरकार पिछले नौ वर्षों से शिक्षा और स्वास्थ्य पर 40 फीसद बजट खर्च करती है। जबकि केंद्र सरकार पूरे देश की शिक्षा और स्वास्थ्य पर मात्र 4 फीसद बजट ही खर्च करती है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री आतिशी और स्थानीय विधायक रितुराज झा समेत अन्य गणमन्य लोग मौजूद रहे। दिल्ली सरकार द्वारा किराड़ी विधानसभा क्षेत्र स्थित रोहिणी सेक्टर 41 में यह दोनों नए विश्वस्तरीय बनाए जा रहे हैं। स्कूल के आसपास कई घनी आबादी वाले इलाके हैं, वहां रह रहे बच्चों को इन दोनों स्कूलों से बेहद लाभ होगा। नारियल फोड़कर स्कूल का शिलान्यास करने के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल ने उनके मॉडल को भी देखा, जिसमें बच्चों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इसके बाद स्कूली बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर सीएम का स्वागत और नवांकुर भेंट कर उनका अभिनंद किया। यह दोनों स्कूल अलग-अलग प्लाट में बनाए जाएंगे। दोनों स्कूलों में 100 से अधिक शानदार क्लासरूम बनाए जाएंगे। दोनों स्कूल में हाइटेक लेबोरेट्री और समृद्ध लाइब्रेरी होगी। ऑफिस स्टाफ रूम सहित शानदार एक्टिविटी रूम, टॉयलेट ब्लॉक और लिफ्ट की सुविधा होगी। साथ ही एक स्कूल भवन में 300 लोगों की क्षमता वाला एयर कंडीशंड मल्टी परपज हॉल भी बनाया जाएगा।

पहले दिल्ली के सरकारी स्कूल पढ़ाई के नाम पर जीरो थे - अरविंद केजरीवाल

इस अवसर पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में एक समय ऐसा था, जब सरकारी स्कूलों की इतनी बुरी हालत थी कि गरीबों को अपने बच्चों को मजबूरी में सरकारी स्कूलों में भेजना पड़ता था। प्राइवेट स्कूलों की महंगी फीस देने के लिए उनके पास पैसे नहीं थे। प्राइवेट स्कूलों में मनमाना फीस लिया जाता था। इसलिए गरीब लोग अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में नहीं भेज सकते थे। उस समय सरकारी स्कूलों में अपने बच्चों को भेजने वाले गरीब परिवारों को यह उम्मीद नहीं होती थी कि उनके बच्चे पढ़-लिखकर आगे कुछ बन पाएंगे। क्योंकि सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के नाम पर बिल्कुल जीरो था।

हमारी सरकारी बनने के बाद गरीबों में यह उम्मीद जगी है कि उनके बच्चों को भी अच्छी शिक्षा मिल सकती है- अरविंद केजरीवाल

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज चार सरकारी स्कूलों के उद्घाटन के उपलक्ष्य में इतनी भारी भीड़ जमा हो गई है। इसका मतलब है कि लोगों के अंदर यह उम्मीद जगी है कि अब हमारे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी, यह मेरे लिए सबसे सूकून की बात है। एक गरीब आदमी अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलने की उम्मीद खो चुका था। रिक्शेवाला, दिहाड़ी मजदूर, किसान, प्लंबर और इलेक्ट्रिशियन जैसा गरीब लोग यह उम्मीद खो चुके थे कि उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सकती है और उनके बच्चे भी बड़े होकर डॉक्टर, इंजीनियर बन सकते हैं, आज वो उम्मीद गरीब लोगों के अंदर दोबारा जगी है कि अब मेरे बच्चों को भी अच्छा भविष्य मिल सकता है। ये मेरे लिए सबसे बड़ी बात है।

पहले सरकारी स्कूल में पढ़ने वाला बच्चा खुद को प्राइवेट स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे से कमजोर मानता था- अरविंद केजरीवाल

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पहले, अगर पड़ोसी का बच्चा प्राइवेट स्कूल में जाता था और वहीं पास में रहने वाले एक गरीब का बच्चा सरकारी स्कूल में जाता था। जब सरकारी स्कूल वाला बच्चा प्राइवेट स्कूल वाले बच्चे के साथ मिलता था, तो सरकारी स्कूल वाले बच्चे को थोड़ी सी हीन भावना होती थी कि मैं इससे कमजोर और छोटा हूं। लेकिन आज जब एक प्राइवेट स्कूल वाला और सरकारी स्कूल वाले बच्चे मिलते हैं, तो सरकारी स्कूल वाला बच्चा भी अपनी कॉलर ऊपर करके बात करता है। अब सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे में भी आत्मविश्वास आ गया है कि अब मैं भी अच्छे स्कूल में पढ़ता हूं।

अब सरकारी स्कूलों जैसे शानदार नतीजे किसी प्राइवेट स्कूल के भी नहीं आ रहे- अरविंद केजरीवाल

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारे जितने भी सरकारी स्कूल बन रहे हैं, उनकी बहुत ही शानदार बिल्डिंग बन रही है। हमारे सरकारी स्कूलों जैसी शानदार बिल्डिंग किसी प्राइवेट स्कूल की भी नहीं होगी। हमारे टीचर भी बहुत शानदार हैं। इतने शानदार टीचर किसी प्राइवेट स्कूल में भी नहीं हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि आज हमारे सरकारी स्कूलों के नतीजे भी बहुत शानदार आ रहे हैं। इतने शानदार नतीजे किसी प्राइवेट स्कूल के भी नहीं आ रहे हैं। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आज किराड़ी विधानसभा क्षेत्र में चार नए स्कूलों को उद्घाटन किया जा रहा है। इसमें 10 हजार बच्चों की शिक्षा का इंतजाम किया जा रहा है। यह स्कूल भवन एक साल में बनकर तैयार हो जाएंगे। मुझे पूरा यकीन है कि एक साल बाद में एक बार फिर आप सबके बीच इसका उद्घाटन करने आऊंगा। इन चार नए स्कूलों की नींव रखे जाने का श्रेय स्थानीय विधायक रितुराज झा को जाता है। ये डीडीए की जमीन है। डीडीए इतनी आसानी से जमीन नहीं देता है। विधायक ने डीडीए से यह जमीन ली और शिक्षा विभाग से फाइल क्लीयर करवाई।

आने वाले दिनों में किराड़ी में 20 सरकारी स्कूल हो जाएंगे, जिससे यहां शिक्षा की समस्या खत्म हो जाएगी- अरविंद केजरीवाल

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अभी तक किराड़ी इलाके में 10 स्कूल थे। इन सभी 10 स्कूलों की पहले हालत बहुत खराब थी। सबसे पहले हमने टिन के अंदर चल रहे उन 10 स्कूलों शानदार बनाए। इसके अलावा, अब हम 10 नए स्कूल बना रहे हैं। इसमें से 4 नए स्कूल यहां बनेंगे, जहां 10 हजार बच्चे पढ़ेंगे। इसके बाद किरारी विधानसभा में कुल 20 सरकारी स्कूल हो जाएंगे। इसके बाद यहां रहने वाले बच्चों को शिक्षा की कोई समस्या नहीं होगी। बच्चों को शानदार शिक्षा मिलेगी और उनको दूर चलकर नहीं जाना पड़ेगा। हमनें पूरी दिल्ली में सरकारी स्कूल के लिए नक्शा बनाया है। हमने सरकारी स्कूल तो अच्छे कर दिए, लेकिन अभी भी दिल्ली में ऐसे कई इलाके हैं, जहां स्कूलों की कमी है। कुछ जगह ऐसे भी हैं, जहां ज्यादा स्कूल हो गए हैं। लेकिन कुछ जगहों पर स्कूलों की कमी है। उसकी एक पूरी लिस्ट बनाई गई है। पूरी दिल्ली में जहां-जहां स्कूलों की कमी है, हम वहां नए स्कूल बनाते जा रहे हैं, ताकि गरीबों के बच्चों के लिए अपने घर के पास ही शिक्षा का इंतजाम हो सके।

देश के किसी भी राज्य में सरकारी स्कूलों में दिल्ली जैसी सुविधाएं नहीं हैं- अरविंद केजरीवाल

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इन स्कूल बिल्डिंग्स में बच्चों के लिए शानदार लैबोरेटरी होंगी। यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार समेत पूरे देश में आप कहीं भी चले जाओ, आपको सरकारी स्कूलों में लैबोरेटरी, ऑडिटोरियम, लाइब्रेरी, स्टाफ रूम और एक्टीविटी रूम जैसी सुविधाएं नहीं मिलेंगी, जबकि आज दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बच्चों को ये सारी सुविधाएं दी जा रही हैं। हमारी सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा बजट खर्च करती है- अरविंद केजरीवाल सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने सरकारी स्कूलों में इतनी शानदार सुविधाएं मुहैया कराने का सपना इसलिए संभव हो पाया क्योंकि हम दिल्ली सरकार का बहुत बड़ा बजट शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च करते हैं। कुछ दिन पहले ही केंद्र सरकार पूरे देश का बजट लेकर आई है। केंद्र सरकार पूरे देश की शिक्षा और स्वास्थ्य पर केवल 4 फीसद बजट खर्च कर रही है। वहीं दिल्ली सरकार पिछले 8 साल से हर साल अपने बजट का 40 फीसदी स्कूल और अस्पतालों पर खर्च करते हैं। पैसा खर्च नहीं करेंगे तो स्कूल ठीक कैसे होंगे, अपने आप तो होंगे नहीं। इसके लिए पैसा खर्च करना पड़ता है। हम 40 फीसदी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च करते हैं, केंद्र सरकार केवल 4 फीसदी खर्च करती है।

दिल्ली के दो करोड़ लोग मेरा परिवार हैं और उनके बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए- अरविंद केजरीवाल सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं दिल्ली के दो करोड़ लोगों को अपना परिवार मानता हूं। आपके बच्चों को अपना बच्चा मानता हूं। मुझे किस्मत से भगवान ने जिंदगी में सबकुछ दिया है। मेरे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिली है। मैंने कसम खाई है कि जो शिक्षा मेरे देश ने मेरे बच्चों और मुझे दी, वैसी ही अच्छी शिक्षा इस देश के हर बच्चे को मिलनी चाहिए। इसके लिए मैं काम करता रहूंगा। हम अपना परिवार पालते हैं। परिवार में कोई आदमी कितना भी गरीब क्यों ना हो, गरीब से गरीब आदमी भी सबसे पहले अपने बच्चों की अच्छी परवरिश करना चाहता है। अपने को पूरी रोटी मिले या न मिले लेकिन बच्चे को भरपेट रोटी मिलनी चाहिए, बच्चों को दूध, फल, सब्जी मिलनी चाहिए।

कच्ची कॉलोनियों में जो काम 75 साल में नहीं हुआ, हमने पांच साल में कर दिया:केजरीवाल

● सचदेवा ने कहा कि सतयुग में श्री कृष्ण ने 99 की गिनती करने के बाद कदम उठाया था।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने किराड़ी विधानसभा क्षेत्र में नए सरकारी स्कूल भवनों का शिलान्यास करने के दौरान कच्ची कॉलोनियों पर राजनीति करने वाले विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। सीएम ने कहा कि कच्ची कॉलोनी में रहने वाले लोगों के साथ सबसे ज्यादा राजनीति हुई है, लेकिन दूसरी पार्टी वालों ने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि कच्ची कॉलोनियों में जो काम पिछले 75 साल में नहीं हुआ, वो काम हमने केवल पांच साल में ही करके दिखा दिया। पांच साल में हमने किराड़ी विधानसभा में ही तीन हजार सड़कें बनवा दी हैं, जबकि दो हजार सड़कें अगले एक साल में बनवा देंगे। अगले विधानसभा चुनाव से पहले हम सभी कच्ची कॉलोनियों की सारी सड़कें पक्की बनवा देंगे।

रोहिणी सेक्टर 41 स्थित प्रताप विहार में सरकारी स्कूल की दो नई बिल्डिंग के निर्माण का शिलान्यास करने पहुंचे सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में सबसे ज्यादा राजनीति कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले लोगों के साथ हुई है। हर चुनाव के पहले दूसरी पार्टी वाले आकर कहते थे कि हमको वोट दे दो, हम जीत गए तो कच्ची कॉलोनियों के लिए बहुत कुछ कर देंगे, लेकिन किसी पार्टी ने कुछ नहीं किया। न तो इस पार्टी ने किया और ना ही उस पार्टी ने कुछ किया। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज पूरी दिल्ली में सारी कच्ची कॉलोनियों के अंदर हम लोग सड़कें बनवा रहे हैं, सीवर की पाइप लाइन डलवा रहे हैं और पानी की पाइप लाइन डलवा रहे हैं। किराड़ी विधानसभा में सारी कच्ची कॉलोनियों को मिलाकर 5 हजार सड़कें बननी हैं। इन 5 हजार सड़कों में से 3 हजार सड़कें बन चुकी हैं। 75 सालों में जो काम नहीं हुआ वो हमने 5 साल में करके दिखा दिया। 75 सालों में दूसरी पार्टी वालों ने किरारी विधानसभा में एक भी सड़क नहीं बनवाई है। जबकि हमने 5 साल में 3 हजार सड़कें बनवा दीं, बाकी जो दो हजार सड़कें बची हैं, उसपर काम चल रहा है और एक साल में वो भी बन जाएंगी। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव से पहले किराड़ी में एक भी कच्ची सड़क नहीं रहेगी, सभी को पक्का कर दिए जाएगा। इन सारी सड़कों में सीवर और पानी की पाइप लाइन पड़ रही है। किराड़ी में दिल्ली का सबसे बड़ा सीवेज पंपिंग स्टेशन बन रहा है। ये तीन महीने में बनकर तैयार हो जाएगा। इसके बाद जो सड़कों के दोनों तरफ पानी भरा रहता है, वो साफ हो जाएगा और कहीं गंदा पानी इकट्ठा नहीं होगा।

नर्सरी दाखिला : चिंतित न हो अभिभावक, माध्यमिक और प्राथमिक स्तर के स्कूलों में सीटें खाली

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए निजी स्कूलों में नर्सरी से लेकर पहली कक्षा की सामान्य सीटों पर दाखिला प्रक्रिया जारी है। बड़े नामचीन स्कूलों को छोड़कर छोटे स्कूलों में दाखिला के लिए सीट खाली पड़ी है। ऐसे में अभिभावकों को दाखिला के लिए ज्यादा निराश होने की जरूरत नहीं है। माध्यमिक और प्राथमिक स्तर तक के स्कूलों में दाखिला के विकल्प अभी भी खुले हैं। दिल्ली स्टेट पब्लिक स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष आरसी जैन ने कहा कि उच्च माध्यमिक स्तर के 200 बड़े स्कूलों में दाखिला की ज्यादा मारामारी रहती है। दाखिला सूची में नाम न आने वाले बच्चों के अभिभावक ज्यादा चिंतित न हो। घर के आसपास के प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के स्कूलों में दाखिला कराया जा सकता है। छोटे स्तर के स्कूलों में सीट खाली पड़ी है।

एक्शन कमेटी ऑफ अनएडेड रिकॉग्नाइज्ड प्राइवेट स्कूल के अध्यक्ष भरत अरोड़ा ने कहा कि अभिभावक नजदीक के स्कूल में बच्चे का दाखिला जरूर सुनिश्चित करें। दिल्ली के सभी निजी स्कूल बेहतर है। अच्छी शिक्षा दी जाती है। ऐसे में जहां पर भी दाखिला की संभावना हो वहां बच्चे का दाखिला जरूर करवाएं। वहीं, अफोर्डेबल प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के वरिष्ठ सलाहकार और दिलशाद गार्डन स्थित दिलशाद पब्लिक सेकेंडरी स्कूल के निदेशक मृदुल अवस्थी ने कहा कि दाखिला प्रक्रिया के बावजूद कई छोटे स्कूलों में नर्सरी कक्षा में सीट खाली है। अभिभावक नजदीक के स्कूल में बच्चे का दाखिला करवाएं। इससे बच्चा यातायात जाम और प्रदूषण की समस्या से भी बचेगा। बता दें कि स्कूल नर्सरी दाखिला को लेकर पहले और दूसरी सूची जारी कर चुके हैं। अभिभावक सूची संबंधी समस्या को छह फरवरी तक दूर कर सकते हैं। अगर स्कूल तीसरी सूची जारी करेंगे तो वह 21 फरवरी को होगी। जबकि आठ मार्च को दाखिला प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी।

तिमारपुर रेड लाइट से लेकर चंदगीराम अखाड़े तक बनेगी वर्ल्ड क्लास सड़क, दिल्ली सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की सड़कों के सौंदर्यीकरण की कड़ी में अब दिल्ली सरकार तिमारपुर रेडलाइट से चंदगीराम अखाड़े तक करीब तीन किलो मीटर लंबी सड़क का भी सौंदर्यकार्ण करने जा रही है। पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने जानकारी देते हुए कहा की इस सड़क पर दिल्ली सरकार के बड़े कार्यालय है और ये सड़क दिल्ली की मुख्य सड़कों में से एक है। अब दिल्ली सरकार इस सड़क को वर्ल्ड क्लास सड़क बनाएगी। दिल्ली की सड़कों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए वर्ल्ड क्लास स्तर पर दिल्ली सरकार काम कर रही है। इसी कड़ी में तिमारपुर रेड लाइट से लेकर चंदगीराम अखाड़े तक की सड़क का भी सौंदर्यकरण दिल्ली सरकार द्वारा किया जाएगा। यह जानकारी दिल्ली सरकार की पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने दी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को मंजूरी दी गई है। दिल्ली विधानसभा सहित दिल्ली सरकार के कई महत्वपूर्ण दफ्तरों के कारण यह सड़क दिल्ली के सबसे मुख्य सड़कों में शामिल है। यहां से रोजाना लाखों लोग इस पर आवागमन करते हैं। इस लिए दिल्ली सरकार अब इस सड़क को वर्ल्ड क्लास सड़क बनाएगी। सड़क को संवारने के लिए शानदार हॉर्टिकल्चर के साथ-साथ सड़क की खूबसूरती बढ़ाई जाएगी। इस पर एलईडी लाइटों कि जगमगाहट से सड़क का सुंदर नजारा दिखेगा। सड़क की खूबसूरती बढ़ाने के साथ-साथ उसे यूजर फ्रेंडली बनाने पर भी जोर दिया जाएगा। पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए टूटे हुए फुटपाथों को जरूरी बदलाव के साथ दुरुस्त किया जाएगा। साथ ही रोड स्ट्रीट की खूबसूरती बढ़ाने के लिए स्ट्रीट फर्नीचर के साथ-साथ स्कल्पचर भी लगाए जाएंगे। सड़कों की खूबसूरती बढ़ाने इसे यूजर फ्रेंडली बनाने और पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथों की भी मरम्मत कर उन्हें भी बदल कर सही स्वरूप दिया जाएगा। दिल्ली सरकार की पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का दिल्ली के लोगों से वादा है। उस वादे पर काम करते हुए राजधानी की सड़कों को वर्ल्ड क्लास की सड़क में जल्द परिवर्तित किया जा रहा है। सड़कों को बेहतर बनाने के लिए दिल्ली सरकार मिशन मोड पर काम कर रही है। सड़क परियोजना को मंजूरी देते हुए आतिशी ने अधिकारी को निर्देश दिया कि सौंदर्य करण के दौरान सेफ्टी, सिक्योरिटी और क्वालिटी के सभी मानकों का प्रतिबद्धता के साथ पालन किया जाए। जिससे सड़क पर आवाजाही करने वाले लोगों को समस्या का सामना न करना पड़े। दिल्ली सरकार ने दिल्ली में सुंदर सड़कों का जाल बिछाया है और उन्हें सुंदर बनाने के लिए कड़ी प्रतिबद्धता के साथ काम किया है।इसी कड़ी में आगे बढ़ते हुए तिमारपुर रेड लाइट से लेकर चन्दगीराम अखाड़े के बीच सड़क के इस करीब 3 किलोमीटर लंबे हिस्से को सुंदर बनाने की परियोजना को भी मंजूरी दी गई है।

दिल्ली में प्रदूषण पर लगेगी रोक, एमसीडी 100 मलबा संग्रहण केंद्र केरगी स्थापित

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) प्रदूषण को कम करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में 100 मलबा संग्रहण केंद्र स्थापित करेगा। एमसीडी ने एक बयान में कहा कि इनमें से 35 पहले से ही विभिन्न क्षेत्रों में चालू हैं, अन्य 49 के लिए स्थानों की पहचान की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में वायु प्रदूषण में निर्माण गतिविधि का बड़ा योगदान है। बयान में कहा गया है, इस मुद्दे को हल करने के लिए, एमसीडी ने ए-पीएजी और सी एंड डी (निर्माण और विध्वंस) संयंत्र रियायतकताओं के सहयोग से पूरे दिल्ली क्षेत्र में मलबा संग्रहण बिंदु स्थापित किए हैं। प्रारंभिक चरण में एमसीडी ने पश्चिम क्षेत्र के 10 वार्डों में एक पायलट प्रोजेक्ट चलाया, जिसमें तीन समर्पित संग्रह स्थल स्थापित किए गए। बयान में कहा गया है कि इस पहल से मलबे की अवैध डंपिंग में 46 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी आई। अधिकारियों ने कहा कि इसे विस्तार करते हुए एमसीडी वर्तमान में लगभग 100 संग्रह बिंदु स्थापित करने की प्रक्रिया में है। एमसीडी ने कहा कि निर्माण और विध्वंस कचरे के प्रभावी प्रबंधन के लिए शहर भर में अधिक संग्रह स्थल स्थापित करने की पहल तेजी से आगे बढ़ रही है। सुरक्षा उपायों से सुसज्जित हैं कचरा साइट इसमें कहा गया है कि जिम्मेदार निपटान सुनिश्चित करने के लिए साइटें 12-फुट प्रोफाइल शीट, स्प्रिंकलर, एंटी-स्मॉग गन और एलईडी साइनेज बोर्ड जैसे सुरक्षा उपायों से सुसज्जित हैं। प्रत्येक वार्ड में नागरिक इन स्थलों पर प्रतिदिन 20 टन तक कचरा डंप कर सकते हैं। वे कचरा संग्रहण के लिए हेल्पलाइन पर सी एंड डी प्लांट रियायतग्राही से भी संपर्क कर सकते हैं। एमसीडी ने कहा कि मलबे का उचित संग्रह सुनिश्चित करने और सड़कों के किनारे इसकी अवैध डंपिंग को रोकने के लिए, नागरिक विभाग नियमित आधार पर नागरिक जागरूकता गतिविधियों और अपशिष्ट परिवहनकताओं के संवेदीकरण प्रशिक्षण को सक्रिय रूप से आयोजित कर रहे हैं।

60 हजार में अफ्रीका का फर्जी वीजा दिया, एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने कबूतरबाजी के मामले में फरार एजेंट को उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से गिरफ्तार किया है। आरोपी संतोष गुप्ता लगभग तीन साल से फरार चल रहा था। वह दुबई में मजदूरी कर चुका है। ऐसे में वह मजदूर वर्ग को विदेश भेजने के नाम पर ठगी करता था। 60 हजार रुपये में दक्षिण अफ्रीका का फर्जी वीजा देने के चलते पुलिस को उसकी तलाश थी। डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार अक्तूबर 2021 में राजकिशोर नामक यात्री आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचा था। इमिग्रेशन अधिकारियों ने जब उसका पासपोर्ट देखा तो उसमें दक्षिण अफ्रीका गणराज्य का फर्जी वीजा लगा हुआ था। इस पर कोई सुरक्षा मानक नहीं थे। मामला दर्ज कर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि 60 हजार रुपये लेकर संतोष ने यह वीजा उसके पासपोर्ट पर लगवाया है। वह मजदूरी के लिए दक्षिण अफ्रीका जाना चाहता था। संतोष ने उसका पासपोर्ट लिया और कुछ दिन बाद वीजा लगाकर दे दिया। पुलिस टीम ने उसकी तलाश में कई जगह छापेमारी की, लेकिन वह लगातार फरार चल रहा था। हाल ही में पुलिस को पता चला कि वह कुशीनगर स्थित अपने घर पर है। इस पर एसएचओ विजेन्द्र राणा की देखरेख में एसआई मदनलाल की टीम ने छापा मारकर उसे कुशीनगर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने बताया कि वह कुछ वर्ष पूर्व दुबई में मजदूरी के लिए गया था। लौटने के बाद कई लोग उससे विदेश जाने के लिए संपर्क करते थे। ऐसे लोगों से वह रुपये लेकर उनके पासपोर्ट पर फर्जी वीजा लगवा देता था।

अगर हमने कुछ गलत किया होता तो हम भी भाजपा में चले जाते और सारे केस बंद करवा लेते- अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

किराड़ी विधानसभा में नए स्कूल बिल्डिंग की नींव रखने के दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही भाजपा पर बड़ा हमला बोला। सीएम ने कहा कि अगर हमने कुछ गलत किया होता तो हम भी दूसरे लोगों की तरह भाजपा में चले जाते और अपने सारे केस बंद करवा लेते। लेकिन जब हमने कुछ गलत किया ही नहीं है तो फिर क्यों भाजपा में जाएं? हमारे ऊपर लगाए गए सारे केस झूठे हैं। आज नहीं तो कल सभी केस खत्म हो ही जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन्हें गलतफहमी है कि हम स्कूल-अस्पताल बनाना बंद कर देंगे, लेकिन स्कूल-अस्पताल तो बनेंगे। चाहे ये लोग मुझे भी जेल में डाल दें। दिल्ली की जनता का आशीर्वाद हमारे साथ हैं। ये लोग जो मर्जी हमारे खिलाफ षड़यंत्र कर लें, लेकिन कुछ नहीं होने वाला है। हम दिल्लीवालों का कोई काम नहीं रुकने देंगे। जब तक हमारी सांस है, हम देश और समाज की सेवा करते रहेंगे। रोहिणी में स्कूल बिल्डिंग के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ये लोग हमारे पीछे पड़े हुए हैं। मनीष सिसोदिया को इन्होंने जेल में डाल दिया। कह रहे हैं कि मनीष सिसोदिया ने भ्रष्टाचार किया है। मनीष सिसोदिया सुबह छह बजे उठकर स्कूलों का दौरा करने लगते थे। वो 10 से 15 स्कूलों का मुआयना करते थे कि बच्चों की अच्छी शिक्षा मिल रही है या नहीं मिल रही है। सीएम ने दिल्ली की जनता से पूछा कि कौन भ्रष्टाचारी स्कूलों के अंदर चक्कर लगाता है। भ्रष्टाचार करने वाला तो रात को दारू पीता है और सारे गलत काम करता है। कौन भ्रष्टाचारी सबेरे छह बजे उठ कर स्कूलों के चक्कर लगाएगा।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज ये सारे लोग हमारे पीछे पड़े हैं। इन्होंने अपनी सारी एजेंसी केजरीवाल, संजय सिंह, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के पीछे छोड़ ही हैं। हम सबका क्या कसूर है? मनीष सिसोदिया का कसूर यही है कि वो अच्छे स्कूल बना रहे थे। सत्येंद्र जैन का यह कसूर है कि वो शानदार मोहल्ला क्लीनिक बना रहे थे। आज अगर मनीष सिसोदिया स्कूलों पर काम नहीं कर रहे होते तो ये लोग उनको गिरफ्तार नहीं करते। आज अगर सत्येंद्र जैन ने मोहल्ला क्लीनिक और दवाइयों का इंतजाम नहीं किया होता तो वो उनको गिरफ्तार नहीं करते। इन्होंने सारे षड़यंत्र रच लिए लेकिन हमको झुका नहीं पाए। हमनें कहा कि काम तो नहीं रुकेगा, हम लोग काम तो करते रहेंगे। ये लोग सो रहे हैं कि हम स्कूल बनाना बंद कर देंगे, तो यह इनकी गलतफहमी है, स्कूल तो बनेंगे, चाहे केजरीवाल को भी जेल में डाल दो। इन्हें गलतफहमी है कि हम अस्पताल बनाना बंद कर देंगे, लेकिन अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक तो बनेंगे। जनता का मुफ्त और अच्छा इलाज भी होगा, भले ही ये लोग केजरीवाल को भी जेल में डाल दें।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज ये हमारा कुछ इसलिए नहीं बिगाड़ पा रहे हैं, क्योंकि जिन करोड़ों बच्चे को हमने सरकारी स्कूलों में अच्छी शिक्षा दी, उन गरीब मां-बाप का आशीर्वाद हमारे साथ है। जिन करोड़ों लोगों का मोहल्ला क्लीनिक और अस्पतालों में मुफ्त इलाज हुआ, उनका आशीर्वाद हमारे साथ है। जिसके साथ गरीब का आशीर्वाद होता है, उसके साथ भगवान होता है। ये जो मर्जी हमारे खिलाफ षड़यंत्र कर लें, लेकिन कुछ नहीं होने वाला है। मैं भी इनके खिलाफ डटा हुआ हूं, मैं भी नहीं झुकने वाला हूं। ये कहते हैं कि भाजपा में आ जाओ, हम छोड़ देंगे। मैंने भी कह दिया कि भाजपा में तो बिल्कुल नहीं आउंगा। हम क्यों भाजपा में चले जाएं? हम तो भाजपा में नहीं जाएंगे। बीजेपी में चले जाओं तो सारे अपराध माफ हो जाते हैं।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने कौन सा गलत काम कर दिया है। हम स्कूल, अस्पताल, सड़कें ही तो बनवा रहे हैं। हम बिजली, पानी ही तो दे रहे हैं, सीवर ही तो ठीक करा रहे हैं। सीएम ने कहा कि मुझे जनता से बहुत प्यार और आशीर्वाद मिला है। आप अपना यह आशीर्वाद मुझ पर बनाए रखना, इसके अलावा मुझे और कुछ नहीं चाहिए। कल तक मैं बहुत ही छोटा आदमी था और दिल्ली की गलियों में यूं ही घूमा करता था। कल तक मैं एक एनजीओ के साथ नंद नगरी इलाके की सुंदर नगरी की झुग्गी-बस्तियों के अंदर काम किया करता था। मुझे कोई नहीं जानता था। वहां से उठाकर दिल्ली के लोगों ने मुझे पूरी दिल्ली की जिम्मेदारी दे दी। मुझे इतना बड़ा मान दे दिया कि मैं सात जन्म में भी आप लोगों का अहसान नहीं चुका सकता। आप लोग मुझ पर अपना आशीर्वाद बनाए रखिए। आपके आशीर्वाद में इतनी ताकत है कि इसके आगे उनकी ईडी, सीबीआई, दिल्ली पुलिस और इनकम टैक्स सारे छोटे पड़ जाते हैं।

ये भाजपा और सड़क पर चल रहे किसी बच्चे को भी पता है कौन विपक्ष के विधायकों को तोड़ने की कोशिश कर रहा है : आतिशी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा कि कल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आज मुझे दिल्ली क्राइम ब्रांच की ओर से नोटिस दिया गया है। यह नोटिस क्राइम ब्रांच के राजनीतिक आका यानी भारतीय जनता पार्टी द्वारा भेजा गया है। इसमें पूछा गया है कि आम आदमी पार्टी के विधायकों से किन लोगों ने संपर्क किया है। इस पर आतिशी ने कहा कि जिन्होंने गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र में विपक्ष के विधायकों से संपर्क कर उन्हें डरा कर पैसों का लालच देकर तोड़ा और भाजपा में शामिल किया। उन्हीं लोगों ने आम आदमी पार्टी के विधायकों से संपर्क किया। कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी और सड़क पर चल रहे बच्चे को भी पता है कि कौन लोग हैं जो विपक्ष के विधायकों से संपर्क कर उन्हें तोड़ रहे हैं। आतिशी ने किसी का नाम नहीं बताया। उन्होंने उन विधायकों का नाम भी नहीं बताया जिन्हें भाजपा के लोग संपर्क कर 25-25 करोड़ रुपए का ऑफर देकर तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली सरकार में शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि जो क्राइम ब्रांच के अफसर नोटिस देने आए थे। हमें उन पर दया आती है कि जब वह पुलिस में आए तो सोचा होगा कि महिलाओं की सुरक्षा करेंगे। देश के लिए कुछ करेंगे। उनके राजनीतिक आकाओं ने उन्हें टीवी के प्राइम शो का सामग्री बनाकर छोड़ दिया है। कल चार घंटे की नौटंकी के बाद अरविंद केजरीवाल को नोटिस दिया गया। आज सुबह मेरे घर आकर भी नोटिस दिया गया।

नोटिस में कोई आईपीसी, सीआरपीसी या कोई अन्य धारा नहीं

यह नोटिस है या समन है। इसमें कोई आईपीसी, सीआरपीसी या कोई अन्य धारा नहीं है। यह पुलिस वालों की गलती नहीं है। उनके राजनीतिक आका हमसे कुछ सवाल पूछना चाहते हैं। वे लोग हमसे पूछना चाहते हैं कि किसने आम आदमी पार्टी के विधायकों को ऑफर दिया। मैं दिल्ली पुलिस के राजनीतिक आकों को बताना चाहती हूं कि किसने आम आदमी पार्टी के नेताओं को करोड़ों रुपए के ऑफर दिए। ये वही लोग हैं जिन्होंने 2016 में उत्तराखंड में कांग्रेस के विधायकों को तोड़कर बीजेपी में शामिल किया था। उन्होंने ही आम आदमी पार्टी के विधायकों को संपर्क किया।

जुलाई 2019 में गोवा में 17 में से 14 कांग्रेस को छोड़कर बीजेपी में चले गए थे। बीजेपी के जिन लोगों ने गोवा के इन विधायकों से संपर्क किया था। वही लोग आम आदमी पार्टी के विधायकों के पास आए। मैं 2018 में कर्नाटक में कांग्रेस और जेडीएस की सरकार बनी। एचडी कुमारस्वामी मुख्यमंत्री बने जुलाई 2019 में कांग्रेस और जेडीएस के 17 विधायक टूटकर भारतीय जनता पार्टी में चले गए। जो लोग उन 17 विधायकों को धमकी और पैसा देने आए थे वही लोग आम आदमी पार्टी के विधायकों के पास आए। मैं क्राइम ब्रांच के राजनीतिक आकाओं को बताना चाहती हूं कि आपको भी पता है कौन लोग हैं जो पिछले 8 साल से एक-एक करके अपोजिशन की सरकारों को तोड़ रहे हैं। वही लोग हैं आम आदमी पार्टी के विधायकों से संपर्क कर रहे हैं।

बेहतर होगा कि पुलिस को अपराध रोकने का काम करने दिया जाए आम आदमी पार्टी के नेता जैस्मिन शाह ने

भाजपा में नहीं जाऊंगा, चाहे कुछ भी हो जाये:केजरीवाल

केजरीवाल बोले- जब तक जनता साथ, कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता

- केंद्र सरकार पूरे देश के लिए शिक्षा का बजट चार प्रतिशत खर्च कर रही है, जबकि दिल्ली सरकार 40 प्रतिशत बजट खर्च करती है।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सारी एजेंसी को हमारे पीछे छोड़ दिया गया है। सभी लोगों ने हमारे खिलाफ षड़यंत्र किये लेकिन हमने काम करना नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को चाहे जेल में डाल दो, हम स्कूल व अस्पताल बनाते रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा, ह्यभाजपा में नहीं जाऊंगा, चाहे कुछ भी हो जाए। भावुक होकर लोगों से आशीर्वाद मांगा और कहा कि जबतक आप सभी का साथ है, कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। किराड़ी में दो स्कूल के शिलान्यास के मौके पर केजरीवाल ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जब भी कोई शुभ काम करने जाते हैं, विपक्षी विरोध करने पहुंच जाते हैं। एक समय था, जब सरकारी स्कूलों से लोगों को उम्मीद नहीं थी, लेकिन आज लोगों के अंदर उम्मीद जगी है।

उन्होंने कहा कि चार नए स्कूल में दस हजार बच्चों की शिक्षा का लाभ मिलेगा। डीडीए की जमीन पर यह निर्माण कार्य होगा। 10 स्कूल को पहले बेहतर बनाया और अब नए 10 स्कूल बनेंगे तो कुल 20 स्कूल हो जाएंगे। डीडीए और शिक्षा विभाग का धन्यवाद किया। इन स्कूलों में शानदार लैबोरेटरी, पुस्कालय और अन्य सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पूरे देश के लिए शिक्षा का बजट चार प्रतिशत खर्च कर रही है, जबकि दिल्ली सरकार 40 प्रतिशत बजट खर्च करती है। मनीष सिसोदिया के योगदान को किया याद उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों को अपना परिवार मानता हूं। जो शिक्षा मेरे देश ने मुझे और बच्चों को दी वैसी ही शिक्षा देश के सभी बच्चों के लिए चाहता हूं। क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा बेहतर हुई है। किराड़ी में अभी 20 मोहल्ला क्लिनिक हैं और जल्द ही अस्पताल भी बनेगा। इस मौके पर केजरीवाल ने कहा कि आज लोग हमारे पीछे पड़े हैं। उन्होंने मनीष सिसोदिया को याद किया और बताया आज उनके योगदान से ही शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव आए हैं।

केजरीवाल के समर्थन में भी हुई नारेबाजी उन्होंने कहा कि कच्ची कॉलोनी के लोगों के साथ सबसे अधिक राजनीति हुई है। वादों को पूरा नहीं किया गया, लेकिन हमने किराड़ी में सड़कें बनवाई। 75 सालों में किसी भी दल ने यहां सड़क नहीं बनवाई। इस दौरान लोगों ने समर्थन में नारे लगाए, केजरीवाल संघर्ष करो हम तुम्हारे साथ हैं।

एम्स में मरीजों को आसानी से मिलेगा इलाज

एम्स में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के लाभार्थियों की मदद के लिए आयुष्मान सुविधा केंद्र बढ़ाए जाएंगे। इसके तहत एम्स के सभी ब्लाक और केंद्रों में आयुष्मान सुविधा केंद्र शुरू किए जाएंगे। संस्थान के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास ने 31 मार्च तक सभी ब्लाक और केंद्रों में यह सुविधा शुरू करने का निर्देश अस्पताल प्रबंधन को दिया है। इससे एम्स में इलाज के लिए पहुंचने वाले आयुष्मान भारत- पीएमजेएवाई के लाभार्थी मरीजों को इलाज में आसानी होगी। दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं है। एम्स में बड़ी संख्या में दूसरे राज्यों के मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इसलिए दूसरे राज्यों के आयुष्मान भारत के लाभार्थी के इस योजना के तहत एम्स में इलाज का प्रविधान है। गेट नंबर-1 के पास बनाए गए आयुष्मान सुविधा केंद्र इसके लिए एम्स के मुख्य प्रवेश गेट (गेट नंबर एक) के पास आयुष्मान सुविधा केंद्र बनाए गए हैं। जहां आयुष्मान भारत के लाभार्थी मरीजों को इलाज में मदद की जाती है। लेकिन मौजूदा समय में एम्स में सिर्फ यह एक केंद्र होने के कारण मरीजों को परेशानी होती है। मस्जिद मोठ के पास हैं चार नए ब्लाक एम्स में मुख्य अस्पताल के अलावा आंख, हृदय, न्यूरो व कैंसर की बीमारियों के लिए अलग-अलग केंद्र हैं। इसके अलावा हादसा पीड़ितों के लिए अलग ट्रामा सेंटर है। साथ ही मस्जिद मोठ के पास चार नए ब्लाक हैं। जिसमें नया ओपीडी ब्लाक, सर्जरी ब्लाक, मातृ एवं शिशु ब्लाक व राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र शामिल हैं। इन चार ब्लाकों से वर्तमान आयुष्मान सुविधा केंद्र की दूरी करीब एक किलोमीटर है। इससे आयुष्मान भारत के लाभार्थी मरीजों को इलाज में परेशानी होती है। इसके मद्देनजर एम्स के निदेशक ने सभी केंद्रों व ब्लाक में यह सुविधा शुरू करने का आदेश दिया है। एम्स के मीडिया डिविजन की प्रभारी डॉ. रीमा दादा ने कहा कि आयुष्मान सुविधा केंद्र 24 घंटे संचालित किए जाएंगे। ताकि लाभार्थी मरीजों को कोई परेशानी न होने पाए।

केशवपुरम इलाके में एक मकान में सिलेंडर में लगी आग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केशवपुरम इलाके में एक मकान में सिलेंडर में लगी आग... अंदर फंसी रह गई बुजुर्ग महिला की पुलिस ने बचाई जान केशवपुरम इलाके में एक मकान में लगी आग... अंदर फंसी रह गई बुजुर्ग महिला को पुलिस ने निकाला बाहर बुजुर्ग को सुरक्षित कमरे से निकाल, अस्पताल में कराया भर्ती बचाव कार्य में जुटे तीन पुलिसकर्मी को आई मामूली चोट शमसे आलम, बाहरी दिल्ली। केशवपुरम थाना क्षेत्र के डी ब्लाक में बीते शनिवार देर रात एक घर में सिलेंडर में आग लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तुरंत बिल्डिंग को खाली कराया। 45 मिनट में पाया आग पर काबू वहीं, एक कमरे में फसी बुजुर्ग को पुलिस के जवानों ने लोगों की मदद से बाहर निकाल पास के ही एक अस्पताल में भर्ती कराया। जहां बुजुर्ग महिला का इलाज जारी है। पुलिस के आलाधिकारी के मुताबिक बुजुर्ग को कमरे से सुरक्षित निकालते समय तीन पुलिसकर्मी भी मामूली रूप से घायल भी हो गए। सूचना पर पहुंची आठ दमकल की गाड़ियों ने 45 मिनट में आग पर काबू पाया। उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त जितेंद्र कुमार मीना ने बताया कि एक घर में सिलेंडर में आग लगने की सूचना मिलते ही केशवपुरम थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। सब इंस्पेक्टर नवीन कुमार, हेड कांस्टेबल अनीश कुमार, नरेंद्र कुमार और अमित कुमार मौके पर पहुंचते ही इमारत को तुरंत खाली कराया। तीसरी मंजिल पर लगी थी आग वहीं, तीसरी मंजिल पर एक कमरे में फंसी एक 62 वर्षीय बुजुर्ग महिला सरोज महाजन को यहां से सुरक्षित निकाल दीपचंद बंधु अस्पताल में भर्ती कराया। कुछ देर बाद करीब 12 पुलिस के जवान के साथ केशवपुरम एसएचओ भी मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड और बिजली कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए। बचाव के दौरान हेड कांस्टेबल अनीश कुमार,नरेंद्र कुमार और अमित को मामूली चोट आई। बुजुर्ग सरोज महाजन चलने और सांस लेने में असमर्थ थी। घायल पुलिसकर्मियों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस पूरे मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरूआती जांच में पुलिस को पता चला कि आग तीसरी मंजिल पर एक सिलेंडर में लगी थी।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने बदली करवट

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में हुई हल्की बारिश

राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को हल्की बारिश हुई और शहर का न्यूनतम तापमान बढ़कर 11.9 डिग्री सेल्सियस हो गया जो मौसम के औसत से तीन डिग्री अधिक है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में सुबह पांच बजे से आठ बजे के बीच बारिश हुई। राष्ट्रीय राजधानी में पिछले 24 घंटों में सुबह 8.30 बजे तक तीन मिलीमीटर बारिश हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिन के दौरान बारिश के साथ आंधी और रात के दौरान मध्यम कोहरे का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। मौसम कार्यालय ने कहा कि सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 97 प्रतिशत था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सुबह 10 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 253 के साथ खराब श्रेणी में दर्ज किया गया।

राजधानी दिल्ली सहित एनसीआर में मौसम ने करवट बदली है। पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने के कारण सुबह के न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई है। वहीं रात से ही दिल्ली के कई इलाकों में बारिश हो रही है।

मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है और लोगों को चेतावनी दी है कि तेज हवा के साथ बौछारें भी पड़ सकती है। दिन में 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलेगी। सोमवार को भी आकाश में बादल छाए रह सकते हैं। इसके बाद आकाश साफ होगा। तब न्यूनतम तापमान में एक बार फिर तीन से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। नीचे जा सकता है तापमान

इससे मंगलवार से सुबह के वक्त फिर ठंड बढ़ सकती है और न्यूनतम तापमान दस डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 11.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस वजह से सुबह में ठंड से राहत रही। अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। गौरतलब है कि एक दिन पहले दिल्ली का अधिकतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस था। रविवार को दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे तक 2.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में बारिश हुई है। खराब श्रेणी में हवा की गुणवत्ता दिल्ली में आज सुबह एयर इंडेक्स 253 रहा। इससे हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में बनी हुई है। बारिश होने से एयर इंडेक्स में भी सुधार होने की संभावना है। इससे प्रदूषण से राहत मिलेगी।

आतिशी को आप विधायक खरीद-फरोख्त के मामले में दिल्ली पुलिस का नोटिस

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के अधिकारियों की एक टीम रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) नेता आतिशी मालेर्ना के आवास पर पहुंची और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आप विधायकों की खरीद-फरोख्त के प्रयास के आरोपों पर उन्हें नोटिस दिया। सूत्रों ने बताया कि जब टीम सुश्री आतिशी के आवास पर पहुंची, तो वह घर पर नहीं थीं।

इससे एक दिन पहले अपराध शाखा के अधिकारियों ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास का दौरा किया और उन्हें पांच घंटे बाद नोटिस दिया, जिसमें उनसे तीन दिन के भीतर जवाब देने को कहा गया। पुलिस ने उनसे उन आप विधायकों के नाम उजागर करने को भी कहा, जिन्होंने दावा किया था कि भाजपा ने उनसे संपर्क किया है। श्री केजरीवाल ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्हें नोटिस देने के लिए भेजे गये पुलिस अधिकारियों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की गयी और इस बात पर जोर दिया गया कि उनका कर्तव्य दिल्ली में अपराध रोकना है, लेकिन उन्हें नाटक करने के लिए मजबूर किया जा रहा है, इसीलिए दिल्ली में अपराध बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे इस अपराध शाखा पुलिस अधिकारी से सहानुभूति है। उनकी गलती क्या है? उनका काम दिल्ली में अपराध रोकना है, लेकिन अपराध रोकने की बजाय इस तरह का ड्रामा किया जा रहा है, इसीलिए दिल्ली में अपराध इतना बढ़ रहा है। उन्होंने सवाल किया, उनके (भाजपा) राजनीतिक आका मुझसे पूछ रहे हैं कि आप के किस विधायक को तोड़ने की कोशिश की गयी थी? लेकिन आप मुझसे ज्यादा जानते हैं? आप सब कुछ जानते हैं? दिल्ली ही क्यों, क्या आप जानते हैं कि देश भर में पिछले कुछ सालों में दूसरी पार्टियों के कौन-कौन से विधायकों ने दल बदला और कौन-कौन सी सरकारें गिरीं? फिर यह नाटक क्यों? श्री केजरीवाल ने पिछले सप्ताह एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया था कि भाजपा उनकी पार्टी के विधायकों को तोड़ने के लिए 25 करोड़ रुपये और चुनाव टिकट की पेशकश करके राष्ट्रीय राजधानी में सरकार गिराने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री की टिप्पणी के बाद सुश्री आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि भाजपा ने दिल्ली में ऑपरेशन लोटस 2.0 शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, उन्होंने पिछले साल आप विधायकों को पैसे की पेशकश करके अपने पाले में करने की इसी तरह की कोशिश की थी, लेकिन असफल रहे।

बीजेपी सांसद रमेश बिधूड़ी ने श्रीवासपुरी में किया पार्किंग का उद्घाटन, आप ने जमीन को बताया अवैध

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

रविवार को दिल्ली के श्रीवासपुरी में दक्षिणी दिल्ली से बीजेपी सांसद रमेश बिधूड़ी ने एक पार्किंग का उद्घाटन किया। उद्घाटन के मामले पर आम आदमी पार्टी ने कहा कि पार्किंग अवैध है और इसको लेकर नगर निगम से अनुमति नहीं ली गई। वहीं, सांसद रमेश बिधुड़ी ने कहा कि जनता के लिए किया गया काम वैध होता है और यह पार्किंग हमारे स्थानीय निगम पार्षद राजपाल सिंह के प्रयासों से बना है। उन्होंने कहा कि जो लोग इस पार्किंग को अवैध बता रहे हैं। उनको अपने गिरवान में झांकना चाहिए। इस देश में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी अवैध है। रोहिंग्या अवैध हैं। उस पर उन्होंने कभी नहीं बोला। जनता के लिए जो काम होता है वह सब वैध होता है। मोदी जी का मानना है कि जनता के विकास और जनता के सुविधाओं के लिए किया गया हर काम वैध है।

उन्होंने कहा कि ये जनता की जमीन थी और जनता को पार्किंग के रूप में समर्पित की गई है। यहां से स्थानीय हमारे निगम पार्षद राजपाल सिंह ने यहां पर प्रयास कर यहां पर साफ-सफाई किया है और इसको क्षेत्र के लोगों को पार्किंग के रूप में समर्पित किया है। यहां पर पार्किंग की बड़ी समस्या है। इस पार्किंग से लोगों को राहत मिलेगी और आने वाले समय में यहां पर और अच्छे से पार्किंग को निर्मित किया जाएगा। फिलहाल इसको शुरू कर दिया गया हैं। स्थानीय निगम पार्षद राजपाल सिंह ने बताया कि हमने यहां पर पार्किंग बनाया है। यहां पर लोगों को काफी लंबे समय से पार्किंग की समस्या थी। रात दिन प्रयास करने के बाद हमने यहाँ पार्किंग बनाई है। जो लोग इसको अवैध बता रहे हैं। उनको कानून की कोई समझ नहीं है। आज से हमने इस पार्किंग की शुरूआत कर दी है और ये जनता के लिए मुफ्त सेवा देगी।

उप्र में न्याय यात्रा का कार्यक्रम इंडिया के घटक दलों से साझा किया जाएगा : कांग्रेस

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव के भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए निमंत्रण न मिलने की बात कहने के एक दिन बाद कांग्रेस ने रविवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में यात्रा कार्यक्रम एक या दो दिन में तय होने के बाद इंडिया गठबंधन के घटक दलों के साथ साझा किया जाएगा और उनकी भागीदारी से यह विपक्षी गठबंधन मजबूत होगा। यात्रा में भाग लेने के बारे में पूछे जाने पर यादव ने शनिवार को कहा था, दिक्कत यह है कि कई बड़े कार्यक्रम होते हैं लेकिन हमें निमंत्रण नहीं मिलता। यादव की टिप्पणियों संबंधी एक वीडियो टैग करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश में भारत जोड़ो न्याय यात्रा का विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है और एक-दो दिन में इसे अंतिम रूप से दे दिया जाएगा। रमेश ने कहा, इसके बाद इसे राज्य में इंडिया गठबंधन के घटक दलों के साथ साझा किया जाएगा। उनका भारत जोड़ो न्याय यात्रा में भाग लेना इंडिया गठबंधन को और मजबूत करेगा। 16 फरवरी को यात्रा के उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने की उम्मीद है।

कांग्रेस को हाल में तृणमूल कांग्रेस जैसे ह्यइंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) के घटक दलों की आलोचना का सामना करना पड़ा था जिसने सीटों के बंटवारे और यात्रा करने को लेकर पार्टी पर निशाना साधा था। टीएमसी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस यात्रा के उनके राज्य से गुजरने के दौरान इससे दूर रही थीं। अभी यह यात्रा झारखंड में है और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता और नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने शुक्रवार को इसमें भाग लिया। झामुमो इंडिया गठबंधन का हिस्सा है।

चोरी के आरोप में युवक की पीट-पीटकर हत्या

नई दिल्ली। न्यू अशोक नगर इलाके में ई-रिक्शा गैराज में चोरी करने के आरोप में एक युवक की लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने युवक की मां की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि युवक की पहचान त्रिलोकपुरी निवासी 27 वर्षीय किशन ठाकुर के रूप में हुई है। उसके परिवार में मां और अन्य लोग हैं। 30 जनवरी को उसका शव मिला था। किशन की मां ने आरोप लगाया कि ई-रिक्शा गैराज में चोरी करने के शक में कुछ लोगों ने उसके बेटे की पिटाई की। इसके चलते किशन की मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पीड़ित के शरीर पर कई चोटें आने की पुष्टि हुई है। इसके बाद पुलिस ने संजीत, सोनू और सुनील के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

बेरोजगारी की गारंटी हैं मोदी : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बेरोजगारी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए रविवार को कहा कि वह चुनाव आते ही गारंटी की बात करने लगते हैं लेकिन सच यह है कि मोदी रोजगार नहीं, बेरोजगारी की गारंटी हैं।

श्रीमती वाड्रा ने कहा, आंकड़ों के अनुसार देश में करीब 30 लाख सरकारी पद खाली हैं। हमारे करोड़ों युवा नौकरियों का इंतजार कर रहे हैं लेकिन पिछले 10 साल में भाजपा सरकार ने इन पदों को भरने के लिए दिखावे के सिवा कुछ नहीं किया।

उन्होंने कहा, जुलाई, 2022 में सरकार ने संसद को जानकारी दी थी कि आठ साल में 22 करोड़ युवाओं ने नौकरी के लिए आवेदन किया लेकिन नौकरी मिली मात्र सात लाख युवाओं को। यानी लगभग 21.93 करोड़ योग्य युवा बेरोजगार रह गए। सालाना दो करोड़ नौकरियों का वादा करने वाली भाजपा सरकार न पहले से मौजूद नौकरियां दे पाई, न ही नये रोजगार बना सकी। प्रधानमंत्री जी चुनावों में गारंटी देते हैं। असल में उनकी गारंटी - बेरोजगारी की ही गारंटी है।

जब तक सूरज-चांद रहेंगे, तब तक दिखता रहेगा प्रभु श्रीराम का चमत्कार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

करतार नगर स्थित चौथे पुश्ते पर आयोजित बाबा बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री की श्री हनुमंत कथा के तीसरे व अंतिम दिन की शुरूआत सत्यम शिवम सुंदरम भजन के साथ हुई। ईश्वर सत्य है, सत्य ही शिव है, शिव ही सुंदर है के उद्घोष से पूरा पंडाल भक्तिमय हो गया और श्रद्धालु मीठी-मीठी तालियों के साथ झूमते नजर आए। करतार नगर के सामने यमुना खादर स्थित मैदान में श्रद्धालुओं को श्री हनुमंत कथा सुनाते बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री। नफरत के नहीं, हम प्रेम के आदी पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि जब तक विश्व में सूरज चांद रहेंगे, तब तक प्रभु श्रीराम का चमत्कार दिखता रहेगा। अनंत, बलवंत, परम संत, अंजना नंदन श्री हनुमान के चरणों में सेवा करने से जीवन में कोई कष्ट नहीं रहता है। उन्होंने कहा कि नफरत के नहीं हम प्रेम के आदी हैं, गर्व से कहते हैं कि हम हिंदुत्व वादी हैं। बड़ी संख्या में जुटे श्रद्धालु उन्होंने भक्तों के सामने अपनी नई पुस्तक ह्यसनातन धर्म क्या है भी प्रस्तुत की। भक्तों से कहा कि धर्म के ज्ञान से व्यक्तित्व में काफी बदलाव आता है। व्यक्ति रिश्तों का महत्व समझता है, दूसरों की गलतियां क्षमा करना सीखता है और भाव भी जानता है।पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि दूसरों के सुख में जो अपना सुख मान ले, वही सज्जन होता है। कथा के दौरान सीताराम-हनुमान, राधे-राधे के जयकारों का उद्घोष गूंजता रहा। कथा के तीसरे दिन पंडाल में लाखों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने बाबा के चरणों में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। जिसकी लागी रे लगन भगवान में, उसका दीया जलेगा तूफान में जैसे भजनों पर भक्त मंत्रमुग्ध होकर झूमते रहे।

मुझे भाजपा में शामिल होने के लिए कहा जाता है.., लेकिन मैं झुकूंगा नहीं, केजरीवाल का हमला

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, शिक्षा मंत्री आतिशी ने रविवार को दिल्ली के किराड़ी विधानसभा क्षेत्र में चार स्कूलों के निर्माण का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि हम लोग दिल्ली में स्कूल, अस्पताल, मोहल्ला क्लीनिक आदि बना रहे हैं। लोगों को मुफ्त बिजली पानी दे रहे हैं। इसलिए बीजेपी हमारे पीछे पड़ी है। केजरीवाल ने लोगों से कहा कि बीजेपी ने ईडी, सीबीआई सबको हमारे पीछे छोड़ दिया है। लेकिन हम झुकने या डरने वाले नहीं हैं बस आप लोगों अपना आशीर्वाद बनाए रखना। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम लोग स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक अस्पताल का उदघाटन करने जाते हैं तो दूसरी पार्टी के लोग हमारी हाय-हाय करने पहुंच जाते हैं। इन लोगों को जनता के साथ गंदी हरकत नहीं करना चाहिए। क्योंकि लोगों के बच्चों को शिक्षा देने के लिए हम लोग काम करने जा रहे हैं। दिल्ली में एक समय स्कूलों की इतनी बुरी हालत थी कि गरीबों को मजबूरी में सरकारी स्कूल में भेजना पड़ता था। प्राइवेट स्कूल में भेजने की हैसियत नहीं थी। ईडी, सीबीआई आशीर्वाद के आगे हैं छोटे अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आज ये लोग हमारे पीछे पड़े हुए हैं। मनीष सिसोदिया को जेल में डाल दिया कि हमने भ्रष्टाचार किया है। आज इन लोगों ने सारी एजेंसियों को संजय सिंह, मनीष सिसोदिया, सतेंद्र जैन के पीछे छोड़ दी। उनका क्या कुसूर है? मनीष सिसोदिया का कुसूर है कि वह अच्छे स्कूल बना रहे थे। सतेंद्र जैन अच्छे अस्पताल बना रहे थे। इसलिए उन्हें गिरफ्तार किया गया। इन्होंने सारे षड्यंत्र रच लिए लेकिन उन्हें झुका नहीं सके। स्कूल, अस्पताल, मोहल्ला क्लीनिक तो बनते रहेंगे। भले ही अरविंद केजरीवाल को जेल में डाल दो। आज ये लोग हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पा रहे हैं क्योंकि हमारे पास दिल्ली के करोड़ों लोगों का आशीर्वाद है। हम झुकने वाले नहीं है। ये लोग कहते हैं कि बीजेपी में आ जाओ हम छोड़ देंगे। हम कतई नहीं आएंगे। हमने कौन सा गलत काम किया है जो बीजेपी में शामिल हो जाएं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे कुछ नहीं चाहिए बस आप लोगों का आशीर्वाद चाहिए। दिल्ली वालों के आशीर्वाद का मैं सात जन्मों में कर्ज नहीं चुका सकता। बस आशीर्वाद बनाए रखें। उनकी ईडी, सीबीआई, दिल्ली पुलिस सारे आपके आशीर्वाद के आगे छोटे पड़ जाते हैं।

आज चार सरकारी के स्कूलों के शिलान्यास के दौरान पहुंची इतनी भीड़ बता रही है कि उन्हें उम्मीद है कि उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी। गरीबों में उम्मीद जागी है कि उनके बच्चे पढ़कर डॉक्टर, इंजीनियर बन सकेंगे। चार नए स्कूलों से 10 हजार बच्चों के शिक्षा का इंतजाम किया जा रहा है। एक साल में स्कूल बनकर तैयार हो जाएंगे। इसके लिए विधायक ऋतुराज झा का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने पीछे पड़कर डीडीए से जमीन व शिक्षा विभाग से स्कूल बनवाने की अनुमति ली। क्षेत्र में पहले 10 स्कूल बेहाल थे। हमने उन्हें सुधारा। किराड़ी विधानसभा में 20 स्कूल हो जाएंगे। पूरी दिल्ली में सरकारी स्कूलों में सुधार किया। कुछ इलाकों में स्कूलों की कमी है। उन इलाकों में भी स्कूल बनाएंगे। स्कूलों में शानदार लैबोरेटरी बनाई जाएगी। प्राइवेट स्कूलों से ज्यादा सरकारी स्कूलों में सुविधाएं देंगे।

केंद्र सरकार स्कूल व अस्पताल पर सिर्फ 4 प्रतिशत खर्च कर रही

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दो फरवरी को पूरे देश का बजट आया। केंद्र सरकार स्कूल और अस्पताल पर सिर्फ 4 प्रतिशत खर्च कर रही है। दिल्ली सरकार अपने बजट से 40 प्रतिशत स्कूल और अस्पताल पर खर्च करती है। मैं दिल्ली के दो करोड़ लोगों को अपना परिवार मानता हूं। भगवान ने मुझे सब कुछ दिया है। जो शिक्षा मेरे देश ने मुझे और मेरे बच्चों को दी, वही शिक्षा देश के अन्य बच्चों को देने के लिए काम कर रहा हूं। बीमार होने पर अच्छा इलाज मिले। यही मैंने भी सोचा। पूरी दिल्ली में हमने मोहल्ला क्लीनिक बनवाया। किराड़ी विधानसभा में 20 मोहल्ला क्लीनिक हैं। दिल्ली में हमारे 35 अस्पताल हैं, जिनमें सारा इलाज मुफ्त मिलता है। यहां पर जो अस्पताल बन रहा है। उनकी जिम्मेदारी मैं लेता हूं। उसे मैं बनवाउंगा। 3 हजार सकड़ें बनवाई, 2 हजार और बनवाएंगे

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में सबसे ज्यादा राजनीति कच्ची कालोनी में रहने वाले लोगों के साथ हुई है। किसी पार्टी ने कच्ची कालोनी के लोगों के लिए कुछ नहीं किया सिर्फ वोट लिया।

नर्सरी दाखिला : चिंतित न हो अभिभावक, माध्यमिक और प्राथमिक स्तर के स्कूलों में सीटें खाली

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए निजी स्कूलों में नर्सरी से लेकर पहली कक्षा की सामान्य सीटों पर दाखिला प्रक्रिया जारी है। बड़े नामचीन स्कूलों को छोड़कर छोटे स्कूलों में दाखिला के लिए सीट खाली पड़ी है। ऐसे में अभिभावकों को दाखिला के लिए ज्यादा निराश होने की जरूरत नहीं है। माध्यमिक और प्राथमिक स्तर तक के स्कूलों में दाखिला के विकल्प अभी भी खुले हैं। दिल्ली स्टेट पब्लिक स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष आरसी जैन ने कहा कि उच्च माध्यमिक स्तर के 200 बड़े स्कूलों में दाखिला की ज्यादा मारामारी रहती है। दाखिला सूची में नाम न आने वाले बच्चों के अभिभावक ज्यादा चिंतित न हो। घर के आसपास के प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के स्कूलों में दाखिला कराया जा सकता है। छोटे स्तर के स्कूलों में सीट खाली पड़ी है। एक्शन कमेटी ऑफ अनएडेड रिकॉग्नाइज्ड प्राइवेट स्कूल के अध्यक्ष भरत अरोड़ा ने कहा कि अभिभावक नजदीक के स्कूल में बच्चे का दाखिला जरूर सुनिश्चित करें। दिल्ली के सभी निजी स्कूल बेहतर है। अच्छी शिक्षा दी जाती है। ऐसे में जहां पर भी दाखिला की संभावना हो वहां बच्चे का दाखिला जरूर करवाएं। वहीं, अफोर्डेबल प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के वरिष्ठ सलाहकार और दिलशाद गार्डन स्थित दिलशाद पब्लिक सेकेंडरी स्कूल के निदेशक मृदुल अवस्थी ने कहा कि दाखिला प्रक्रिया के बावजूद कई छोटे स्कूलों में नर्सरी कक्षा में सीट खाली है। अभिभावक नजदीक के स्कूल में बच्चे का दाखिला करवाएं। इससे बच्चा यातायात जाम और प्रदूषण की समस्या से भी बचेगा। बता दें कि स्कूल नर्सरी दाखिला को लेकर पहले और दूसरी सूची जारी कर चुके हैं। अभिभावक सूची संबंधी समस्या को छह फरवरी तक दूर कर सकते हैं। अगर स्कूल तीसरी सूची जारी करेंगे तो वह 21 फरवरी को होगी। जबकि आठ मार्च को दाखिला प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी।

आईजीआई एयरपोर्ट पर बुजुर्ग की संदिग्ध हालात में मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर एक बुजुर्ग की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। रविवार तड़के बुजुर्ग टर्मिनल-3 पर मौजूद थे। उसी दौरान अचानक बेहोश होकर गिर गए। प्राथमिक जांच में दिल का दौरा पड़ने से मौत होने की आशंका जताई गई है। रविवार तड़ते लगभग 3:15 बजे एक कर्मचारी ने देखा कि बुजुर्ग बेहोश होकर गिर गए हैं। उसने तुरंत इसकी जानकारी एयरपोर्ट पर मौजूद डॉक्टरों और सुरक्षाकर्मियों को दी। डॉक्टर ने बुजुर्ग को सीपीआर दिया, लेकिन उन्हें बचा नहीं सके। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। छानबीन के दौरान बुजुर्ग की पहचान 60 वर्षीय जैकर चंद्रशेखर के रूप में हुई। वह सुबह 5:20 बजे एयर इंडिया के विमान से कोच्ची जाने वाले थे।

संक्षिप्त खबरें

बैंगा नदी पार करने के क्रम में वृद्ध की डूबने से मौत

मुरलीगंज (मधेपुरा) प्रात : किरण संवाददाता

मुरलीगंज थानाक्षेत्र अंतर्गत रघुनाथपुर पंचायत के वार्ड छह भेलाही गाँव में रविवार को बैंगा नदी में डूबने से एक वृद्ध महिला की मौत हुई है। सूचना पर पहुंचे पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। पीड़ित परिजन से पूछताछ कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया गया कि भेलाही वार्ड छह निवासी समतलाल यादव की पत्नी सुनैना देवी (63) वर्ष की नदी में डूबने से मौत हुई है। मृतिका महिला के परिजन ने बताया कि सुनैना देवी रविवार की सुबह करीब आठ बजे घर से निकली थी।

करीब 12 बजे लोगों ने देखा कि पास के बैंगा में डूब गई है। जब तक लोग कुछ समझ पाते उनकी मौत हो गई थी। इधर घटना को लेकर पीड़ित परिवार में मातम छा गई है। आस पड़ोस का माहौल गमगीन है। घटना का कारण क्या है पुलिस जांच के बाद हीं स्पष्ट हो पाएगा। सूचना पर पहुंचे पुलिस ने परिजनो से पूछताछ कर कागजी प्रक्रिया करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष बबलु कुमार ने कहा कि लोगों ने बताया कि आवेदन प्राप्त होने पर कार्रवाई की जाएगी।

164 ली. विदेशी शराब के साथ चार तस्कर गिरफ्तार, लग्जरी कार भी बरामद

पूर्णियां से मधेपुरा लाई जा रही थी शराब की बड़ी खेप

प्रात : किरण, संवाददाता

मधेपुरा। 164 लीटर विदेशी शराब के साथ चार तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं एक टाटा नेकशन लग्जरी कार और स्कॉर्पियो वाहन भी जप्त किया है। मामला मुरलीगंज थाना क्षेत्र के मीरगंज चौक का है। जहां पूर्णियां से मधेपुरा लाई जा रही शराब की बड़ी खेप को गुप्त सूचना के आधार पर एसपी संदीप कुमार सिंह के निर्देशन में गठित स्पेशल टीम ने बड़ी कार्रवाई की। वहीं एएसपी प्रवेंद्र भारती ने बताया कि पूर्णियां से मधेपुरा की ओर आ रही एक टाटा नेकशन लग्जरी कार से मुरलीगंज पुलिस ने 164 लीटर महंगी विदेशी शराब के साथ लाइनर समेत चार लोगों को रंगे हाथो गिरफ्तार किया है। मधेपुरा एसपी संदीप कुमार सिंह के निर्देशन में एक स्पेशल टीम गठित की गई थी जिस टीम में सामिल डीआईयू के अधिकारी और मुरलीगंज पुलिस ने शनिवार देर रात मुरलीगंज थाना क्षेत्र के मीरागंज चौक पर लग्जरी कार और स्कॉर्पियो जप्त की है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार शराब तस्कर पूर्व से हीं पेशेवर कारोबारी है इनके विरुद्ध मधेपुरा और अंतर जिला सहरसा में भी मामला दर्ज है इनके विरुद्ध और भी मामले खंगाले जा रहे हैं। एएसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में एक मधेपुरा के साहुगढ निवासी है और तीन सहरसा जिले के रहने वाले हैं सभी आरोपी के विरुद्ध स्थानीय थाना में उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

ग्रीन क्रिसेंट चिल्ड्रस एकेडमी में मनाया गया 23वां एनुअल फंक्शन

प्रात : किरण, संवाददाता

सहरसा। जिले के पहाड़पुर स्थित ग्रीन क्रिसेंट चिल्ड्रंस अकैडमी में आज 23वां एनुअल फंक्शन आयोजन किया गया इस फंक्शन में चिल्ड्रंस स्कूल एसोसिएशन कोसी रेंज के सेक्रेटरी रमेश कुमार,सिमरी बख्तियारपुर के पूर्व विधायक जफर आलम,मनोज मनोहर, इस्लामिया हाई स्कूल के प्रिंसिपल तनवीर आलम, अकील अहमद, प्रताप कुमार सहित साहित्य सभी अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर और शाही मेहमानों को चादर गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया इसके बाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में विभिन्न नाटकों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया वहीं लोकभक्ति गीत भी गई गई साथ ही कव्वाली प्रोग्राम भी किया गया। वही मीडिया से बात करते हुए स्कूल के प्रिंसिपल ताहिर उल हसन ने कहा कि यह स्कूल सन 2002 से चला आ रहा है

स्कूल को आज 23 साल हो चुके हैं इस स्कूल की सबसे बड़ी खासियत है कि हर साल बड़ी संख्या में स्कूल से बच्चे पढ़कर जामिया, अलीगढ़, जेएनयू, सैनिक स्कूल, डीपीएस, किसी भी कॉम्पिटेटिव एक्जाम में हमारे यहां के बच्चे सफलता प्राप्त करते हैं। वही पूर्व विधायक जफर आलम ने कहा कि हम स्कूल के प्रिंसिपल को दिली मुबारकबाद देते हैं कि उनके बच्चे स्कूल से अच्छी तादाद में पढ़कर बाहर क्वालीफाई करते हैं और बेहतर पढ़ाई होती है जिस कारण हमने भी अपने बच्चों को स्कूल में दिया और इस स्कूल की सबसे अच्छी क्वालिटी यह है के पढ़ाई बेहतर है

जिसके कारण आज बिना प्रचार प्रसार के भी यह स्कूल छात्रों से भरा पड़ा रहता है।

शहर के वार्ड दो में स्ट्रीट लाइट लगवाने का काम हुआ शुरू

प्रात : किरण, संवाददाता

मधेपुरा। शहर के वार्ड नंबर दो में राजद के नगर निकाय प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सह वार्ड पार्षद प्रतिनिधि धीरेंद्र यादव के नेतृत्व में स्ट्रीट लाइट लगावाने काम शुरू किया गया। मुहल्ले में स्ट्रीट लाइट लगाए जाने पर स्थानीय लोगों ने खुशी व्यक्त की। लोगों ने पार्षद प्रतिनिधि के द्वारा किए गए इस पहल की काफी सराहना की। राजद के नगर निकाय प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सह वार्ड पार्षद प्रतिनिधि धीरेंद्र यादव ने कहा कि वार्ड दो के सभी प्रमुख स्थलों पर स्ट्रीट लाइट लगाई जाएगी। जिससे लोगों को रात में कोई परेशानी है। धीरेंद्र यादव ने बताया कि वार्ड नंबर दो में लगे सभी विद्युत पोल पर मुहल्ले वासियों के मौजूदगी में स्ट्रीट लाइट लगवाने का काम शुरू करवाया गया है। वार्ड दो के लोगों ने कहा कि यह नया मोहल्ला है विगत दस वर्षों से हमलोग बांस बल्ले के सहारे बिजली जलाने को मजबूर थे। इस वजह से यहां के लोगों के मन में हमेशा डर बना रहता था कि बांस बल्ले के सहारे बिजली जलाते हैं, कहीं कोई बड़ा हादसा न हो जाए। मुहल्ले में बिजली पोल लगवाने के लिए कई बार पहल की गई। लेकिन विद्युत पोल नहीं लग सका। लेकिन वार्ड दो के पार्षद विशनी देवी और उनके प्रतिनिधि के पहल पर वार्ड में लगातार विकास के कार्य हो रहें है। खासकर बिजली, सड़क, स्ट्रीट लाइट लगवाने जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं।

एसपी ने सोनवर्षा राज थाना का किया औचक निरीक्षण, सिपाहियों को वर्दी में रहने का दिया निर्देश

सोनवर्षा राज/सहरसा। प्रखंड क्षेत्र के सहरसा के नव पदस्थापित एसपी हिमांशु द्वारा रविवार को सोनवर्षाराज थाना पहुंच कर औचक निरीक्षण किया गया और इस दौरान कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।थाना प्रवेश करते ही उन्हौने सबसे भवन,बैरक,हाजत,पदाधिकारी व सिपाहियों की वर्दी सहित साफ सफाई का बारिकी से मुआयना किया। इस दौरान बिना वर्दी के चौकिदारों को देख उन्हौने वर्दी मे रहने का कड़ी हिदायत भी दिया।साथ ही उन्होंने सभी पदाधिकारियों से लंबित कांडों का निष्पादन, वारंटी, वांछिंत अपराधी, फरारियों की अविलंब गिरफ्तारी करने के साथ साथ क्षेत्र में गश्ती दल बढाते हुए शांति व्यवस्था कायम रखने का निर्देश दिया।मौके पर थानाध्यक्ष लाला कुमार समैत अन्य पूलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

गांव चलो अभियान के लिए कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

प्रात : किरण, संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) भारतीय जनता पार्टी उदाकिशुनगंज दक्षिणी मंडल में गांव चलो अभियान के लिए कार्यकताओं को प्रशिक्षण देने हेतु मंडल अध्यक्ष अजीत कुमार के अध्यक्षता में कार्यशाला सह बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे मंडल अध्यक्ष अजीत कुमार ने कार्यकताओं से कहा की लोकसभा चुनाव सर पर है हरेक बूथ पर पूर्व की भांति आप लोग बूथ पर जाए और मेहनत करें। बूथ जीतो चुनाव जीतो इस मूलमंत्र के साथ आने वाले चुनाव की तैयारी में तन - मन के साथ लग जाए। बैठक में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष द्वय रंजन रवि, मंटू यादव, मंत्री विवेकानंद सिंह, भाजयुमो जिलाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह, युवती प्रमुख अनुपम कुमारी, काजल कुमारी, गांव चलो अभियान के मंडल प्रभारी चन्दन कुमार झा, मालिक राय, रमण झा, रामचन्द्र पटेल, अमित राय, परमेश्वर शर्मा, संजय ऋषिदेव, हीरा सिंह, शिवेंद्र सिंह, अशोक सिंह, प्रमोद मिश्र, संजय झा, संजय यादव, मनोज सिंह, इंद्रजीत दास, खरचन साह, सुबोध कुमार चौधरी, अजय साह, चन्दन सिंह, अनिल पोद्दार, ललित नारायण ठाकुर, अनिल गुप्ता, राजेश मेहता, शालिग्राम भारती, मो तोहिद, जितेंद्र मिस्त्री, बंटी पासवान, निखिल यादव, समोल पंडित, अशोक मेहता, अंबिका मेहता, मंटू मुखिया, हीरा साह, राजेंद्र दास सहित कई भाजपा कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

छात्रों के बीच क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) हरिहर साहा महाविद्यालय परिसर में सुप्रसिद्ध समाजवादी नेता महामना भूपेंद्र नारायण मंडल की 121 वीं जयंती के अवसर पर महाविद्यालय के छात्रों के बीच क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। वहीं प्रधानाचार्य डॉ. सुमन कुमार झा, खेल पदाधिकारी प्रो. अरुण कुमार, सहायक प्राचार्य, इतिहास विभाग एवं अर्थपाल, प्रो. सरवर मेहंदी, प्रो. नागेश्वर दास, प्रो. वरदराज, प्रो. अमित कुमार मिश्रा, प्रो. धीरेन्द्र कुमार, प्रो. शैलेन्द्र कुमार ने सभी छात्र-छात्राओं से परिचय प्राप्त किया एवं राष्ट्रगान के पश्चात खेल का उद्घाटन किया। बी.ए पार्ट 1 टीम के कप्तान किट्टू ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला लिया जो काफी सफल रहा। बी.ए. पार्ट 2 की टीम मोहम्मद तनवीर की कप्तानी में पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 87 रन पर ऑल आउट हो गई। ओपनिंग करते हुए मोहम्मद साबिर और विक्रम ने टीम को काफी अच्छी 49 रन की शुरूआत दी। मोहम्मद साबिर ने सर्वाधिक 35 रन बनाएं जिसमें पांच लंबे छक्के शामिल थे। पार्ट 1 की तरफ से किट्टू ने सर्वाधिक चार और सरुण ने तीन विकेट प्राप्त किये 88 रन का लक्ष्य का पीछा करते हुए पार्ट वन की टीम ने 8 ओवर में ही 92 रन बनाकर मैच को सात विकेट से जीत लिया। पार्ट वन की तरफ से राहुल ने सर्वाधिक 39 रन बनाए जिसमें चार छक्के और तीन चौके शामिल थे। राणा और प्रिंस ने 15 रन बनाये। किट्टू को उसके शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच, बेस्ट बल्लेबाज का पुरस्कार राहुल को और बेस्ट गेंदबाज का पुरस्कार सरुण को दिया गया। क्रिकेट मैच के सभी खिलाड़ियों, अंपायर, कॉमेंटेटर, स्कोरर को स्मृति चिन्ह, मेडल और प्रशस्ति पत्र के द्वारा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य और सहायक प्राचार्य के द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर पिंटू, रवि राय, अंपायर मुकेश, ललन, मनीष सहित हजारों खेल प्रेमी मौजूद थे।

इंटर परीक्षा के तीसरे दिन 636 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित, दो निष्कासित

प्रात : किरण, संवाददाता

मधेपुरा। इंटर परीक्षा के तीसरे दिन दोनों पालियों में शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न हुई। कदाचार के आरोप में मधेपुरा में केबी वूमेंस कॉलेज में एक परीक्षार्थी को पहली पाली में निष्कासित किया गया है। वहीं दूसरी पाली में कदाचार के आरोप में हंसी मंडल कॉलेज परीक्षा केंद्र से एक छात्र को निष्कासित किया गया। परीक्षा के दौरान दोनों पालियों में 636 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण संचालित हो रही है। कदाचार मुक्त परीक्षा प्रशासनिक स्तर पर सभी केंद्रों पर सख्ती बरती जा रही है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि तीसरे दिन पहली पाली में भौतकी की परीक्षा हुई। पहली पाली में जहां 14740 परीक्षार्थियों को उपस्थित होना था। लेकिन 14388 परीक्षार्थी उपस्थित हुए। पहली पाली में कुल 352 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में 8195 परीक्षार्थी को उपस्थित होना था। लेकिन दूसरी पाली में 7911 परीक्षार्थी ही उपस्थित रहे। दूसरी पाली से 284 अनुपस्थित रहे। परीक्षा को लेकर जाम की समस्या हुई गंभीर इंटर परीक्षा के तीसरे दिन शनिवार को शहर में जाम की समस्या गंभीर रही। शहर के सभी प्रमुख चौराहे पर जाम लगा रहा। परीक्षा केंद्र से बाहर निकले परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों के जुटने से पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रही। खास तौर पर परीक्षा शुरू होने एवं खत्म होने पर जाम के कारण सड़क पर वाहन रेंगती देखी जा रही थी। लोगों को घंटों जाम का सामना करना पड़ा

10 फरवरी को होगा विशाल आक्रोश मार्च व धरना : कुमारी विनीता भारती

प्रात : किरण, संवाददाता

मधेपुरा। पूर्व पार्षद पूर्व मुख्य पार्षद प्रत्याशी मधेपुरा नगर परिषद् कुमारी विनीता भारती के नेतृत्व में 10 फरवरी को मधेपुरा नगर परिषद् के मुद्दे को लेकर एक विशाल आक्रोश मार्च सह विशाल महाधरना का आयोजन होना सुनुश्चित हुआ है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कुमारी विनीता भारती ने मधेपुरा नगर परिषद् के कई वार्डो का सघन जनसम्पर्क करके लोगों को कार्यक्रम में आने का आमंत्रण की। मौके पर मौजूद कुमारी विनीता भारती ने कहा कि मधेपुरा नगर परिषद में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर मधेपुरा नगर परिषद के सर्वांगीण विकास के लिए 10 फरवरी को दिन के 11 बजे नगर परिषद कार्यालय के समक्ष विशाल आक्रोश मार्च एवं महाधरना आयोजित है।

विश्व कैंसर दिवस पर जागरुकता शिविर का आयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

महिषी/सहरसा। समिता मिश्रा मेमोरियल फांउन्डेशन फार कैंसर रिसर्च नई दिल्ली के तत्वावधान में रविवार को आयोजित विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर पुस्तकालय भवन महिषी में जागरुकता शिविर का दीप प्रज्वलित कर अतिथियो ने उद्घाटन किया। विश्व कैंसर दिवस पर समाजिक जागरुकता के लिए जागरुकता शिविर को सम्बोधित करते उद्घाटन कर्ता ग्राम कचहरी प्रधान श्रीमति दुर्गा देवी,पुर्व लोक सभा प्रत्याशी खगड़िया संदीप कुमार साकेत,भाजपा पुर्व जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण साह, संस्कृत महाविद्यालय महिषी के व्याख्याता आनंद दत्त झा एवं पुर्व जिला पार्षद गणेश मुखिया निषाध ने कहा कि विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर आज युवाओ को एक संकल्प लेने की जरुरत है जिससे युवाओं में तेजी से फैल रहे नशा का सेवन पर उन्हें इसका परित्याग करने के लिए प्रेरित किया जाय।शिविर को सम्बोधित करते संस्था के प्रतिनिधि विजय महापात्रा ने कहा कि संस्थागत शोध के दौरान यह पता चला कि तम्बांकु सेवन करने वाले सबसे अधिक कैंसर रोग के शिकार हो रहे है जिसके छुटकारा से समाजिक सन्तति को बचाया जा सकता है।

मृतक के परिजनों से मिलने पहुंचे पूर्व विधायक किशोर कुमार

प्रात : किरण, संवाददाता

सहरसा। जम्हरा भद्दी गाँव में बीते दिन शुक्रवार को 55 वर्षीय किसान अशोक सिहं की निर्मम तरीके से पीट-पीटकर हत्या कर दिया गया था। मृतक के परिजनों से मिलने पहुंचे नव निर्माण मंच के संस्थापक पूर्व विधायक किशोर कुमार ने जिले में मवेशी तस्करी गिरोह पर प्रशासन से कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग किया है। तथा कहा कि ऐसे गिरोहों की सक्रियता से गरीब लोगों का जीवन मुश्किल में पड़ गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे गिरोह की वजह से ही भद्दी निवासी अशोक कुमार सिंह का निर्मम हत्या 26 जनवरी को कर दी गई थी। पूर्व विधायक किशोर कुमार ने यह बातें अशोक कुमार सिंह के घर पर उनके परिजनों से मिलने के बाद अपनी शोक संवेदना जाहिर करते हुए कही। इस मामले में उन्होंने उच्च अधिकारियों से भी बात किया और अपराधियों पर जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मवेशियों की तस्करी करने वाले लोगों का एक सिंडिकेट पूरे जिले में काम करता है जो मवेशी को चुरा कर दूसरे जगह बेच देता है और बदले में हथियार और शराब का कारोबार करता है। कहा कि ये सभी नॉटेड क्रिमिनल है। आज तक गिरफ्तारी नहीं हुई है।

केन्द्र सरकार के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा एवं केन्द्रीय श्रमिक संगठनों के आवाहन पर 16 फरवरी को हड़ताल

प्रात : किरण, संवाददाता

सहरसा। केन्द्रीय ट्रेड यूनियन एवं संयुक्त किसान मोर्चा की संयुक्त बैठक साथी बिहार राज्य निर्माण कामगार यूनियन सीटू जिला सचिव नसीम उद्दीन की अध्यक्षता में सीपीएम जिला कार्यालय शारदा नगर में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते किसान सभा के राज्य सचिव विनोद कुमार ने कहा की केन्द्र सरकार की देश विरोधी मजदूर विरोधी किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ 16 फरवरी 2024 को आम हड़ताल एवं भारत बंद करने का आवाहन किया। वहीं किसान सभा के प्रांतीय संयुक्त सचिव रणधीर यादव ने कहा सरकार के केन्द्र सरकार के जन विरोधी नीतियों के खिलाफ सहरसा जिला के सभी प्रखंड मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग को जाम करेंगे। डुमरैल चौक, कहरा कुटी, शंकर चौक, सर्वा ढाला,पसुपालन चौक, कचहरी ढाला,शिवपुरी ढाला, आदि मुख्य मार्ग को जाम करेंगे। वहीं सौर बाजार जिरो माईल चौक, सत्तर कटैया वेला बगरौली, नवहट्टा बाजार, बलुआहा पुल , गोरहो चौक, सिमरी बख्तियारपुर,बनमा ईटहरी, सोनवर्षा देहद चौक, पतरघट गोलमा मुख्य मार्ग आदि मुख्य मार्ग और सरकारी संस्थाओं को बंद करेंगें। सुबह सात बजे से जिसके बाद 12 बजे से विभिन्न सरकारी विभागों को बंद करते और उन लोगों को भी आम हड़ताल में शामिल होने का अपिल इंटक के जिला अध्यक्ष सत्यनारायण चोपाल ने कहा सरकार के मजदूर किसान विरोधी नीतियों के राष्ट्रीय व्यापी भारत बंद को सफल ऐतिहासिक करने का आवाहन किया वहीं एटक के जिला मंत्री प्रभुलाल दास ने कहा पहले दो दिवसीय आम हड़ताल होते थे लेकिन इस बार केन्द्रीय ट्रेड यूनियन और संयुक्त किसान मोर्चा एक साथ आम हड़ताल बनाने का आवाहन किया। एमडीएम के जिला सचिव व्यास प्रसाद यादव, विनोद यादव, विभिन्न प्रखंडों का बैठक तय किया गया। गांव बंद करेंगें। सीटू के नेता दुखी शर्मा ,मनोज शर्मा, नसीम मिस्त्री,एटक के जिला अध्यक्ष प्रभुलाल दास शंकर कुमार, एंटक जिला सत्यनारायण चौपाल, नौजवान सभा जिला सचिव कुलानन्द यादव, किसान सभा नेता रमेश यादव,केशव कुमार, दिनेश साह, सीटू के मो. मक्सुद ,निर्मल कुमार, कैलाश स्वर्णकार, विष्णुदेव शर्मा, बद्री राम आदि मौजूद थें।

बहुजन समाज पार्टी की जिला स्तरीय बैठक में विधानसभा चुनावों पर चर्चा किया

प्रात : किरण, संवाददाता

पतरघट/सहरसा। जिला के प्रखंड पतरघट में पंचायत धबोली दक्षणी टोला टेकनमा में बहुजन समाज पार्टी कार्यकताओं की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिसमें विधानसभा चुनावों को लेकर चर्चा की गई। प्रखंड अध्यक्ष जगदेव राम के अध्यक्षता में सभा आयोजित किए इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉक्टर धनोज कुमार मुख्य जिला विशिष्ट अतिथ जीवनेश्वर जिज्ञांशु ने कार्यकताओं से एकजुट होकर चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।बहुजन समाजवादी पार्टी के नेता ने कहा कि सभी राज्य में चुनाव की तैयारी कर रही हैं वह अपनी सामाजिक स्तर पर चुनाव करेगी इसीलिए हम सभी कार्यकर्ता यह समिलन कर रहे हैं मौके पर पहुंची बलराम राम शिक्षक , मोहमद कुदुष बीरेंद्र राम,रंजित राम वार्ड सदस्य , निरंजन राम,सुभाष कुमार, गीतेश राम,अवधेश राम,जितेंद्र राम,जयकुमार राम भाटू राम,संजय राम,दिनेश राम पवन राम,अरुण राम,विजय राम , रिंकु राम ,पिंटू राम,सुनीता ,आशीष कुमार,निशु कुमार,एवं अन्य लोगों उपस्थित हुए।

पीएनसी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के द्वारा बेस कैंप बनाते समय जल निकाय एवं धार्मिक स्थलों के अतिक्रमण को लेकर किसानों में आक्रोश

- मसोई गांव के किसानों ने जल निकाय एवं धार्मिक स्थलों की भूमि अतिक्रमण को लेकर जिलाधिकारी को दिया आवेदन

प्रात : किरण, संवाददाता

चांद : भारत माला परियोजना के तहत वाराणसी रांची टु कोलकाता एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिए पीएनसी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के द्वारा बनाए जा रहे बेस कैंप पर ताला लटक सकता है। कंपनी ने के विरुद्ध दर्जनों किसानों ने जिलाधिकारी को आवेदन देकर कम्पनी पर जल निकाय एवं धार्मिक स्थलों का अतिक्रमण करने का आरोप लगाया है किसानों ने आवेदन में लिखा है कंपनी के द्वारा जल निकासी का अतिक्रमण करने से दर्जनों किसानों की गेंहू फसल की सिंचाई नहीं हो पा रही है। किसानों ने कहा जिससे कई किसानों का आर्थिक नुक्सान हो रहा है। आवेदन में आस्थावान भक्तों को महावीर मंदिर एवं मजार पर जाना अवरूद्ध हो गया है।इसे लेकर गांव मसोई कुरूई आदि गांवों में तनाव फैला हुआ है। किसानों ने जिलाधिकारी से कारवाई करने की मांग की है। पीएनसी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में इसे लेकर भय बना हुआ है। मामला प्राशसनिक झेमैल में पड़ सकता है।बेस कैंप का विरोध कर रहे किसानों ने 34 वां दिन अनिश्चितकालीन धरना जारी रखा। किसान पिछले 2 जनवरी से पीएनसी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मुख्य गेट पर अनिश्चितकालीन धरना दे रहे हैं।किसानों ने भारत माला परियोजना एक्सप्रेस-वे निर्माण में भूमि अधिग्रहण में कम मुआवजा दिए जाने का विरोध कर रहे हैं। भारत माला परियोजना में बनारस रांची टु कोलकाता एक्सप्रेस-वे निर्माण में कैमूर जिले के 93 मौजा का सैकड़ों किसानों का हजारों एकड़ भूमि अधिग्रहण की गई है। किसानों का आरोप है भूमि अधिग्रहण में भूमि की प्रकृति निर्धारण सही नहीं हुआ है। किसानों ने कहा 2013 सर्किल रेट पर मुआवजा किसानों को देना न्यायसंगत नहीं है। किसान प्रति एकड़ एक करोड़ 28 लाख रुपए मुआवजा की मांग कर रहे हैं। अनिश्चितकालीन धरना में पशुपति नाथ सिंह अमित रंजन सिंह श्याम सुन्दर सिंह अवधेश सिंह राजू भुपेंद्र सिंह पप्पू चौबे यशवंत सिन्हा अशोक कुमार आदि किसान उपस्थित थे।

अत्यधिक लेंस की सुविधा के साथ खुला प्राइवेट अस्पताल, नहीं जाना होगा पटना

प्रात : किरण, संवाददाता

सिमरी बख्तियारपुर/सहरसा। जिले के सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडलीय अस्पताल के पीछे अलमास हॉस्पिटल के खुल जाने से सुदूर और पिछड़े इलाके के सभी लोगों को काफी सहूलियत मिल रही है आपको बता दें कि आजादी के बाद समरी बख्तियारपुर में कोई ऐसा हॉस्पिटल नहीं खुला जहां समुचित व्यवस्थाएं उपलब्ध हो लेकिन आज समरी बख्तियारपुर के अंदर अलमास हॉस्पिटल के खुल जाने से लोगों को एक छत के नीचे सारी सुविधाएं मिल रही है जैसे ऑपरेशन, आईसीयू , एनआईसीयू ,24 घंटे डॉक्टर कंसल्टेशन, और लेजर के द्वारा ऑपरेशन, यह सारी सुविधाएं यहां पर उपलब्ध है वहीं अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉक्टर आफताब ने बताया कि इस अस्पताल को खोलने का मकसद यह है कि यह कोशी क्षेत्र का बहुत पिछड़ा इलाका है यहां से हजारों की तादाद में लोग बाहर इलाज करने के लिए जाते थे लेकिन अब यह अस्पताल खुल जाने से लोगों को काफी सहूलियत मिल रही है।

सम्पादकीय

सम्पूर्ण जीर्णोद्धार की राह पर कांग्रेस

स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाली कांग्रेस पार्टी इन दिनों एक साथ कई मोर्चों पर संघर्षरत है। सत्ता का विपक्ष के प्रति दुश्मनों जैसा व्यवहार जहाँ कांग्रेस व कांग्रेस नेताओं के लिये चुनौती बना हुआ है वहीं कांग्रेस अपनी पार्टी में ही पल रहे आस्तीन के साँपों से भी जूझ रही है। अनेक अवसरवादी नेता समय समय पर किसी न किसी बहाने से न केवल कांग्रेस छोड़कर बल्कि कांग्रेस की राजनैतिक विचारधारा को भी त्याग कर धर्मनिरपेक्ष भारत के निर्माण में अपना योगदान देने के बजाय साम्प्रदायिकता की डुगडुगी पीटने में लगे हैं। अनेक भ्रष्ट कांग्रेसी नेता भी पार्टी छोड़कर भयवश सत्ता की आगोश में जा बैठे हैं और किसी जांच एजेंसी का सामना करने के बजाये सुविधापूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि नवगठित इंडिया गठबंधन के कई क्षेत्रीय घटक दल भी सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस को कमतर आंकने की कोशिश कर रहे हैं। गोया ऐसे वक़्त में जबकि इंडिया गठबंधन को एकजुट व मजबूत होने का सन्देश देना चाहिये ऐसे वक़्त में कई विपक्षी क्षेत्रीय दल भी कांग्रेस का ही हौसला पस्त करने में लगे हैं। उधर इन्हीं विषम परिस्थितियों में राहुल गांधी मणिपुर से मुंबई तक की लगभग 6,700 किलोमीटर की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकल चुके हैं। इस यात्रा की शुरूआत में ही इंडिया गठबंधन के प्रारंभिक सूत्रधार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ खेला हो गया और वे अपने पुराने केंचुल में जा बसे। असम में न्याय यात्रा को राज्य सरकार का कदम कदम पर तरह तरह का विरोध सहना पड़ा। कहीं यात्रा के इजाजत नहीं मिली तो कहीं पुलिस में राहुल के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज हुई। यहाँ तक कि बंगाल में जहाँ भारत जोड़ो न्याय यात्रा को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सहयोग व समर्थन मिलना चाहिये वहां भी वीरभूमि और मुर्शिदाबाद जैसे जिलों में परीक्षा के बहाने यात्रा की अनुमति नहीं दी गयी। सीट शेयरिंग के नाम पर भी ममता बनर्जी अपना स्टैंड लगभग साफ कर चुकी हैं कि वे बंगाल की सभी 42 लोकसभा सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़ेंगी। इसके पहले ममता ने कांग्रेस को मात्र दो सीटों देने का प्रस्ताव किया था जो कांग्रेस ने नामंजूर कर दिया है। इतना ही नहीं बल्कि ममता ही यह भी कह चुकी हैं कि कांग्रेस यदि 300 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ती है तो इनमें से 40 सीटें भी नहीं जीत सकती। उत्तरप्रदेश में भी कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से 20 सीटें मांगी थीं। परन्तु अखिलेश यादव ने कांग्रेस को केवल 11 सीटें देने की ही घोषणा की। अब खबर है कि कांग्रेस व सपा में 13 सीटों पर सहमति बन चुकी है। इसी तरह दिल्ली में तो आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस की सीट शेयरिंग की खबर है जिसके अनुसार कांग्रेस 4 पर जबकि आम आदमी पार्टी 3 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। परन्तु संभवतः पंजाब में इन्हीं दोनों दलों में सीट शेयरिंग न हो सके और दोनों दल आमने सामने चुनाव लड़ें। आम आदमी पार्टी तो हरियाणा, असम, गुजरात और गोवा में भी कांग्रेस से सीटें मांग रही है। परन्तु इन सबसे इतर असम हो या बंगाल या बिहार अथवा झारखण्ड जहाँ से भी राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा गुजर रही है लगभग हर जगह कांग्रेस पार्टी को भारी जनसमर्थन हासिल हो रहा है। कहीं कहीं तो जनसभाओं में लाखों की भीड़ इकट्ठी होकर राहुल गांधी व कांग्रेस नेताओं की बातों को सुन रही है। परन्तु चाटुकार गोदी मीडिया ने राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही इस भारत जोड़ो न्याय यात्रा को पूरी तरह ब्लैक आउट कर रखा है। गोदी मीडिया को इंडिया गठबंधन में किसी तरह की मनमुटाव की खबरों को तो मिर्च मसाला लगाकर परोसने में खूब मजा आता है परन्तु उसे राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा में उमड़ती भीड़ व उसकी सफलता नजर नहीं आती। इससे पहले भी जब राहुल ने 7 सितम्बर 2022 को कन्याकुमारी से कश्मीर के लिये यात्रा निकली थी तब भी गोदी मीडिया ने कोई तवज्जोह नहीं दिया था।

मप्र के मोहन राज में धमक की जरूरत....

राकेश अचल-

मप्र में मुख्यमंत्री के रूप में श्री मोहन यादव को काम करते हुए लगभग 50 दिन पूरे हो गए हैं, लेकिन अभी तक सूबे में उनकी सरकार की धमक सुनाई नहीं दे रही है। दो महीने का समय प्रशासनिक सर्जरी करने और जन आशीर्वाद यात्राओं में ही खर्च हुआ है। इस वजह से प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति चरमराती नजर आ रही है, साथ ही प्रदेश की जनता में नैराश्य भाव झलकने लगा है। मध्यप्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था के साथ ही दूसरे सभी क्षेत्रों पर शिवराज सिंह चौहान की छाप है, क्योंकि उन्होंने एक लम्बे आरसे तक प्रदेश पर शासन किया। सचिवालय से लेकर जिला स्तर पर प्रशासन और पुलिस में न सिर्फ शिवराज सिंह के गण मौजूद थे बल्कि उनकी धमक भी सुनाई दे रही थी। नए मुख्यमंत्री के रूप में मोहन यादव को सबसे पहले इसी असर को समाप्त करना चाहिए था। उन्होंने इस दिशा में काम शुरू भी किया, लेकिन अभी उसका असर दृष्टिगोचर नहीं हो रहा है। सूबे की नई सत्ता पर प्रशासन का रंग चढ़ने में काफी वक्त लग रहा है। नयी सरकार में नया तलाशना कठिन हो रहा है क्योंकि अभी कोई नवाचार शुरू ही नहीं हो पाया है। पहले की ही तरह भोजन, बैठके और विश्राम की श्रंखला सामने है। मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव की वाडी लेंग्वेज पढ़ने में अभी नौकरशाही कामयाब नहीं हुई है। मुख्यमंत्री ने शीर्ष स्तर पर प्रशासनिक सर्जरी कर ली है किन्तु उसका फौरी असर दिखना अभी बाकी है। प्रशासन में तब्दीली का अहसास करने के लिए सन्देश सचिवालय से सड़क तक पहुंचना आवश्यक है। हकीकत ये है कि बीते 18 साल में मध्यप्रदेश के चप्पे-चप्पे पर मामा शिवराज सिंह की छाप गहरा गयी थी। इस छाप से प्रदेश को मुक्त करना आसान काम नहीं है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के समाने सबसे बड़ी चुनौती इसी छाप से मुक्ति की है। इसके लिए संभागवार या क्षेत्रवार कार्ययोजना बनाकर कामयाबी हासिल की जा सकती है। इस समय प्रदेश की वित्तीय स्थिति बहुत खराब है ऐसे में सरकार पर अपनी छाप बनाना भी आसान काम नहीं है। स्थानीय निकायों की हालत गौर करने लायक है। एक तरह से इन संस्थाओं के पास वेतन देने का भी पैसा नहीं है ऐसे में नागरिक सुवधाओं की बहाली करना आसान नहीं है जबकि सरकार की छवि इन्हीं संस्थाओं के कामकाज पर निर्भर करती है। मुमकिन है की सरकार इस दिशा में कुछ सोच रही हो। मध्यप्रदेश की नयी सरकार के सामने नयी चुनौतियों के साथ ही मंत्रियों का फौज-फांटा भी नया है। उसे सक्रिय करना आसान काम नहीं है। ऊपर से नए-पुराने छत्रपों को साधते हुए सरकार को लोकसभा चुनावों की तैयारी भी करना है। ये तय है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव को लोकसभा चुनाव में प्रदेश के अलावा प्रदेश के बाहर भी इस्तेमाल किया जाएगा, ऐसे में उन्हें अभी से अपना सेकेण्ड हैण्ड बनाकर तैयार कर लेना चाहिए जो उनके इशारों को समझे और उनकी व्यवस्तता के बीच उनकी योजनानुसार सत्ता की मशीनरी को गतिशील बनाये रखे। इस काम में शिथिलता दिक्क्तें पैदा कर सकती है। अभी तक प्रदेश की नौकरशाही और पुलिस फुल फार्म में काम करती नजर नहीं आ रही है। कहीं न कहीं कोई न कोई असमंजस है। इस असमंजस से उबरे बिना काम नहीं चलने वाल। नयी सरकार को पुरानी सरकार की तरह विज्ञापनबाजी से झांकी बनाने की गलती करने के बजाय जमीनी कामों पर ध्यान देना चाहिए। विज्ञापनों से अखबार के मालिकों का पेट भरता है जनता का मन नही। जनता का मन भरने के लिए वास्तविक कामों की आवश्यकता है। ये मुख्यमंत्री जी को तय करना होगा कि वे मामा मुख्यमंत्री की तरह लोकप्रियता हासिल करना चाहते हैं या मप्र के लौहपुरुष बनकर। उनके सामने दोनों विकल्प हैं, चुनाव उन्हें खुद करना है। मप्र के अनेक हिस्सों में पिछले दिनों जिस तरह से महिलाओं के साथ अपराधों की बढ़ आयी है, नैराश्य के कारण सामूहिक आत्महत्याओं की दुखदायी घटनाएं हुईं हैं उन्हें देखते हुए प्रदेश के दो बड़े शहरों में पुलिस आयुक्त प्रणाली सवालों के घेरे में आयी है। ग्वालियर जिले में तो सामूहिक बलात्कार और सामूहिक आत्महत्या की घटनाओं से जनाक्रोश बढ़ा दिया है। इन घटनाओं की पुनरावृत्ति लगातार हो रही है। अशोकनगर में भी सामूहिक आत्महत्या की हृदयविदारक घटना सामने आयी है। इससे जन विश्वास हिल रहा है। नयी सरकार को इन सबके बारे में गंभीता से सोचना होगा। कोई माने या न माने किन्तु हकीकत ये है कि बीते 50 दिन में जनता में ये धारणा बनी है कि प्रदेश की सरकार केंद्रीय रिमोट से चल रही है, जबकि शायद इसमें सत्यता नहीं है। चूंकि सरकार की धमक सुनाई नहीं दे रही है शायद इसीलिए इस तरह की धारणाएं जन्म ले रहीं हैं। इन धारणाओं से मुक्ति के लिए सरकार के सामने दो ही विकल्प हैं, पहला ये कि वो पुरानी सरकार की लोकप्रियता से आगे जाने के लिए कोई अल्पकालिक लोकोपयोगी करतब कर दिखाए और दूसरा इस तरह कि कार्यशैली विकसित करे जो पुरानी सरकार कि कार्यशैली से सर्वथा भिन्न और चमकदार हो।

पूनम पाण्डे का आहत करने वाला घटिया पब्लिक स्टंट

**सर्वाइकल कैंसर के नाम पर जागरूकता की आड़ में उसके इस भद्दे मजाक से कितने प्रशंसकों को धक्का लगा होगा इसका अंदाजा उसे नहीं। कैसे भूल गई वो एक भारतीय है। भावना प्रधानउस देशसे है जहां लोग दिल से जुड़ते हैं, दिखावा नहीं करते, पूनम जैसा छलावा नहीं करते। कभी उन्हें कैंसर जैसी भयानक बीमारी का सामना भी न करना पड़े। लेकिन उनकी हल्की सोच और जागरूकता की आड़ में खेले गए खेल ने कैंसर पीड़ितों औरउनके लिए जुड़े-जुटे लोगों को कितना आहत किया है? शायद इसका अंदाजा भी पूनम को नहीं होगा। अपनी ओर ध्यान खींचने के लिए पहले किसी ने ऐसी जुर्रत की हो, याद नहीं आता। क्या पूनम की इस छिछोरे झूठ से वाकई में कैंसर की प्रति जागरूकता फैला पाएगी? कैंसर मरीजों या पीड़ित मानवता के प्रति इतनी ही हमदर्दी होती तो दूसरे चैरिटेबल काम कर आर्थिक मदद पहुंचाती। जागरूकता के लिए जहां-तहां अपने शो करतीं जो कैंसर के खिलाफ और बचाव के लिए कारगर मुहिम होती। लेकिन ये क्या? उन्होंने तो पूरे देश के साथ एक तरह से धोखा किया, वह भी अपनी ओर ध्यान खींचने के लिए। यह असहनीय है। पूनम कैसे भूल गई कि ये वो देश है जहां किरदार को भी भगवान की तरह पूजा जाता है। उसे कैसे याद नहीं कि लोकप्रिय सीरियल और फिल्मों के भगवान बने पात्रों कोभी पूजा जाता है। इस हरकत से पहले कैसे भूल गई कि लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचे अभिनेताओं की मौत से आहत न जाने कितने प्रशंसकों ने अपनी जान तक दे दी। यूँ तो कई उदाहरण हैं पर एक ही यहाँ काफी है जहां दिग्गज तमिल अभिनेता से मुख्यमंत्री के मुकाम तक पहुंचे एमजी रामचंद्रन की 24 दिसंबर, 1987 को मृत्यु के बाद तमिलनाडु दहल उठा। हर कोई दुखी था और हाहाकार मचाहुआ था। लोग इतने आहत कि किसी ने अपनी नसें काट लींतो किसी ने जहर पी लिया। कइयों ने अपनी उंगली और जीभ तक काट डाली। दुखी लोगों के एमजीआर घर के सामने रोने-चिल्लाने का रिकॉर्ड भी बना। माना कि यह एक सार्वजनिक उन्माद था जिसमें आत्महत्याओं के अलावा, एमजीआर की मौत के बाद भड़के लोगों परहुई फायरिंग से 29 और मौतेंभी हुईं। अच्छा हुआ कि फरेबी पूनम शोहरत के उस मुकाम तक नहीं पहुंच पाई थी वरना उसकी यह खलनायकी कितनी भारी पड़ती?

पूनम की हद दर्जे की ढिठाई देखिए। इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए अपने जिंदा होने का सबूत भी खुद देतीहै कि उसे कैंसर नहीं है। उसने तो सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ जागरूकता के लिए ऐसा किया। जिस सोशल मीडिया पर उनके फैन उनकी मौत का गम मना, अंतिम संस्कार का स्थान पता कर रहे थे वही अब उसे ट्रोल कर रहे हैं। उसी सोशल मीडिया पर उसके प्रति नफरत भरी न जाने कितनी पोस्ट घूम रही हैं। फिल्म इण्डस्ट्री भी भौंचक है। कई सितारे तक नाखुश हैं और खरी-खोटी सुना रहे हैं। इंडियन फिल्म एंड टीवी डायरेक्टर्स एसोसिएशन ने सख्त कार्रवाई की मांग तक की है।

वाकई में पूनम पाण्डे ने उन सभी का मजाक उड़ाया हैजो सर्वाइकल कैंसर या दूसरे कैंसर से जूझ रहे हैं। यकीनन कैंसर घातक, जानलेवा और बेहद तकलीफदेह बीमारी है। केन्द्र और राज्य सरकारों के साथ चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ पूरे मनोयोग से कैंसर रोगियों के लिए रात-दिन जुटे रहते हैं। पूनम का यह झूठ उन सभी पर मजाक जैसा है। क्या अकेले पूनम को ही बड़ी चिन्ता है?उसके फर्जी पीआर स्टंट से ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन भी खासा नाराजहै जिसने फेक पीआर स्टंट को बेहद घटिया बताया। भला पब्लिसिटी के लिए मौत की झूठी अफवाह को लोग कैसे स्वीकारें? ऐसी घटिया हरकत किसी सेलेब्रिटी ने की हो याद नहीं आता है। अपनी शोहरत के लिए हमेशा चचाओं में बना रहना पूनम का शगल है। अजीबो गरीब कारनामों के लिए चर्चित पूनमने प्रसिध्द निमार्ता, निर्देशक सैम अहमद बॉम्बेको ढाई साल तक डेट किया उसके बाद 10 सितंबर 2020 को गुपचुप शादी कर ली। दोनों हनीमून मनाने के लिए गोवा गए जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूबसाझा की। लेकिन शादी के महज 13दिन में ही दोनों के बीच इतना झगड़ा हुआ कि उनके पति सैम को जेल की हवा खानी पड़ी और आईपीसी की धारा 353, 506 और 354 के तहत मामला तक दर्ज हो गया। ग्लैमर की इस चकाचौंध भरी इंडस्ट्री में पूनम पांडे का नाम अनेकों लोगों के साथ जुड़ाफिर भी उसका फिल्मी कैरियर ज्यादा सफल नहीं रहा। इतना ही नहीं उसकेग्लैमर और बोल्डनेस के मिक्स अप ज्यादा नहीं चल पाए तो समाज सेवा का झूठा दिखावा करने के लिए ऐसे पब्लिसिटी स्टंट उतर आई?लगता नहीं कि इन दिनों कहीं ओटीटी प्लेटफार्म तो कहीं छोटे-बड़े पर्दे पर ध्यान खींचने खातिर कलाबाजियों का दौर चल रहा है। अभी कुछ दिन पहले बिग बॉस 17में अभिनेत्री अंकिता लोखंडे अपने बिजनेसमैन पति विक्की जैन के साथ पहुंची थीं। जहां दोनों के बीच काफी बवाल हुआ और रिश्ता सुर्खियों में बना रहा। ये लड़ाई इनके घरों तक भी पहुंची। अंकिता की सास रंजना जैन ने फैमिली वीक में बिग बॉस हाउस में एंट्री की और काफी खरी-खोटी सुनाई। यहां मेरा यह बताना जरूरी है कि विक्की का बचपना (दो-ढ़ाई साल की उम्र तक) मैने अपने सामने देखा, उसे गोद में भी खिलाया। उसके पिता मेरे नगर में शासकीय विभाग में बड़े पद पर रहे। मैं उनके साथ एक प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था में बड़ी जिम्मेदारी में था। वहीं विक्की की माँ रंजना जैन भी उसी संगठन की महिला विंग की अध्यक्ष रहीं जो पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ संगठन को चोटी पर पहुंचाने के प्रबंधन में हमेशा अव्वल रहतीं। यह सब मैने करीब से देखा। उनकी मेहनत से चमके भाग्य ने सबको ऊंचाई पर पहुंचाया। यहां पूनम पाण्डे से ठीक उलट रंजना जैन पर उनके स्वाभाव से इतर सोशल मीडिया पर खूब आलोचना और कटाक्ष किए गए। मैं दावे से कह सकता हूँ कि रंजना जैन बेहद समझदार, पारिवारिक महिला हैं जो शिखर पर पहुंच कर भी सामान्य हैं। अब विक्की भी दोनों की भावनाओं को समझता है जो परवरिश का ही असर है। उसने अपनी माँ के पक्ष में सफाई भी दी है। स्क्रीन पर रंजना जैन ने जो कहा या किया वह उनकी रियल फीलिंग्स थीं न कि सुर्खियां बटोरने का स्टंट।

ऋतुपर्ण दवे
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के दबाव में तैयार हुआ अंतरिम बजट

ठीक उसके विपरीत अंतरिम बजट देखने को मिला है। जिसके कारण आर्थिक जगत में तरह-तरह की प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। अंतरिम बजट में किसानों को कोई राहत नहीं दी गई गरीबों को भी कुछ नहीं दिया गया युवाओं को भी कुछ नहीं मिला महिलाओं के हाथ में भी कुछ नहीं आया महंगाई और बेरोजगारी से आम आदमी त्रस्त है बजट में उसके लिए भी कुछ नहीं है इसके बाद भी सरकार 2024 का लोकसभा चुनाव 400 से ज्यादा सीटों पर जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है इससे सभी को हैरानी हो रही है। केंद्र सरकार ने इतना बड़ा रिस्क क्यों लिया लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए सरकार कुछ लोग लुभावन योजनाओं की घोषणा कर सकती थी सरकार की ओर से पिछले महीनो में इसे प्रचारित भी किया जा रहा था सरकार की ऐसी कौन सी मजबूरी आ गई जिसके कारण सरकार को इतना कठोर बजट लाना पड़ा। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार केंद्र सरकार की माली हालत बड़ी खराब चल रही है केंद्र सरकार कर्ज लेने के लिए विदेशी बांड जारी करने जा रही है अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पहले ही भारत सरकार को चेतावनी जारी की है जीडीपी की तुलना में भारत सरकार के ऊपर कर्ज लगातार बढ़ता चला जा रहा है 2014 में केंद्र सरकार के ऊपर 55 लाख करोड रुपए का कर्ज था जो 2024 में बढ़कर 190 लाख करोड़ का होने जा रहा है

-सनत जैन-
स्वतंत्र लेखक

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा जो अंतिम बजट प्रस्तुत किया गया है उसको लेकर सभी और आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है कुछ माह पश्चात लोकसभा का चुनाव है अंतरिम बजट में जिस तरह की आशा की जा रही थी। ठीक उसके विपरीत अंतरिम बजट देखने को मिला है। जिसके कारण आर्थिक जगत में तरह-तरह की प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। अंतरिम बजट में किसानों को कोई राहत नहीं दी गई गरीबों को भी कुछ नहीं दिया गया युवाओं को भी कुछ नहीं मिला महिलाओं के हाथ में भी कुछ नहीं आया महंगाई और बेरोजगारी से आम आदमी त्रस्त है बजट में उसके लिए भी कुछ नहीं है इसके बाद भी सरकार 2024 का लोकसभा चुनाव 400 से ज्यादा सीटों पर जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है इससे सभी को हैरानी हो रही है। केंद्र सरकार ने इतना बड़ा रिस्क क्यों लिया लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए सरकार कुछ लोग लुभावन योजनाओं की घोषणा कर सकती थी सरकार की ओर से पिछले महीनो में इसे प्रचारित भी किया जा रहा था सरकार की ऐसी कौन सी मजबूरी आ गई जिसके कारण सरकार को इतना कठोर बजट लाना पड़ा।

आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार केंद्र सरकार की माली हालत बड़ी खराब चल रही है केंद्र सरकार कर्ज लेने के लिए विदेशी बांड जारी करने जा रही है अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पहले ही भारत सरकार को चेतावनी जारी की है जीडीपी की तुलना में भारत सरकार के ऊपर कर्ज लगातार बढ़ता चला जा रहा है 2014 में केंद्र सरकार के ऊपर 55 लाख करोड रुपए का कर्ज था जो 2024 में बढ़कर 190 लाख करोड़ का होने जा रहा है पिछले 10 वर्षों में भारत सरकार के ऊपर कर्ज तेजी के साथ बढा है मार्च 2024 के पहले सरकार को 10 लाख 55000 करोड रुपए का भुगतान कर्ज की अदायगी के रूप में करना पडा। अप्रैल 2024 के बाद के वित्तीय वर्ष में सरकार को 11 लाख 90000 करोड रुपए कर्ज के रूप में चुकाना होंगे। जो वर्तमान बजट का लगभग 40 फीसदी होगा। भारत के ऊपर जो डोमेस्टिक कर्ज है भारत सरकार को जो राजस्व प्राप्त हो रहा है उसका 40 फीसदी अकेले कर्ज और ब्याज की भुगतान में जा रहा है जिसके कारण राजकोषीय घाटा लगातार बढ़ रहा है राजकोषीय घाटे से कम भारत में बचत वित्तीय संस्थानों में जमा हो रही है राजकोषीय घाटे की पूर्ति के लिए डोमेस्टिक ऋण मिल पाना मुश्किल हो गया है। इसलिए सरकार को मजबूरी बस अब विदेशी बांड की तरफ जाना पड़ रहा है। सरकार को कर्ज चुकाने के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा सरकार को कर्ज कम करने खर्च को घटाने और राजस्व को बढ़ाने का दबाव भारत सरकार पर बना हुआ है वर्तमान आर्थिक स्थिति को देखते हुए सरकार को विदेशी कर्ज ही एकमात्र सहारा रह गया है विदेशी कर्ज लेने के लिए सरकार को अंतरिम बजट में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का जो दबाव था उसके अनुसार अंतरिम बजट लाना पड़ा भारतीय निवेशकों ने अपना खुद का पूंजी निवेश नहीं किया भारत में जो बड़ी-बड़ी परियोजनाएं चल रही हैं उसमें कैपिटल इन्वेस्टमेंट सरकार के द्वारा हो रहा है वित्तीय संस्थाओं द्वारा कैपिटल इन्वेस्टमेंट किया गया है भारतीय उद्योगपतियों द्वारा जो निवेश किया जाना था वह नहीं हुआ जिसके कारण स्थिति दिनों दिन खराब होती चली जा रही है भारत में आम लोगों की बचत भी पहले की तुलना में कम हुई है रिजर्व बैंक भी भारत सरकार को अब कर्ज देने की स्थिति में नहीं है राजकोषीय घाटा पूरा करने के लिए भी अब भारत के अंदर से सरकार को कर्ज मिलना मुश्किल हो गया है। केंद्र सरकार का आयात और निर्यात का संतुलन लगातार बिगड़ता जा रहा है आयात ज्यादा है, निर्यात कम हो रहा है। पिछले 5 वर्षों से सरकार कर्ज लेकर खर्च कर रही है कैपिटल इन्वेस्टमेंट कहीं से नहीं हो रहा है ग्रामीण अर्थव्यवस्था बड़ी तेजी के साथ गिरावट की ओर है संगठित क्षेत्र भी संकट के दौर से गुजर रहा है गैर संगठित क्षेत्र भी भारत का लड़खड़ा रहा है इसको लेकर आईएमएफ ने बड़ी चिंता जताई है। भारत सरकार की कर्ज की लिमिट समाप्त हो चुकी है विदेशी कर्ज लेने के बाद भारत सरकार को टैक्स भी बढ़ाने होंगे और सब्सिडी घटाना होगी सरकार को अपने खर्च भी घटाने होंगे सरकार को कर्ज भी घटाना होगा सरकार ने बजट में प्रावधान कर लिए थे लेकिन सरकार के पास राशि खर्च करने के लिए उपलब्ध नहीं थी जिसके कारण सैकड़ो परियोजनाएं जिन में कैपिटल इन्वेस्टमेंट है वह पैसे के अभाव में 5 साल तक लेट चल रही है। एक्सप्रेसवे और रेलवे में भारत सरकार द्वारा बड़ा पूंजी निवेश किया गया है लेकिन इसका रिटर्न भी सरकार को नहीं मिल पा रहा है भारतीय निवेशक इसमें निवेश भी नहीं कर रहे हैं जिसके कारण स्थिति और भी खराब हो रही है भारतीय उद्योगपतियों ने जहां परियोजनाएं चल रही हैं वहां के आसपास की जमीनों और व्यापारिक गतिविधियों के माध्यम से कमाई की जा रही है इससे जमीनें महंगी हुई है आम आदमी पर खर्च बढा है लेकिन इसकी बेहतर स्थिति अर्थव्यवस्था में देखने को नहीं मिली जो मिलनी चहिए थी आईएफएम ने भारत सरकार को वित्तीय संतुलन बनाने के लिए कर्ज कम करने सरकार की आय बढ़ाने के लिए टैक्स बढ़ाने तथा सरकार की खर्च घटाने के लिए ठोस निर्णय लेने पर ही विदेशी सहायता मिलने की बात कही है सरकार अब बुरी तरीके से दबाव में है। अंतरिम बजट में अभी कोई टैक्स नहीं बढ़ाया गया है केंद्र सरकार ने 26 योजनाओं में जरूर कटौती की है लेकिन जुलाई माह में जो आम बजट आएगा उसमें निश्चित रूप से सरकार को सभी किस्म के टैक्स बढ़ाने होंगे सब्सिडी को कम या खत्म करना होगा लोक लुभावन योजनाओं को भी बंद करना पड़ेगा।

शेर और रंगे सियारों की भीड़ में आधुनिक परीक्षण की प्रासांगिकता

डा. रवीन्द्र अरजरिया-

राजनैतिक सरगर्मियों का दौर तेज होने लगा है। ठंड के मौसम में बयानों की गर्मी फैलने लगी है। चौराहों से लेकर चौपालों तक दल-बदलुओं की चचार्ये हो रहीं हैं। कहीं दलों के सिध्दान्तों की चिता जलाई जा रही है तो कहीं आदर्शों को तिलांजलि दी जा रही है। एक ओर विरोधियों को गले लगाने की सिलसिला चल निकला है तो दूसरी ओर कटु-आलोचनाओं के पुराने दौर को अदृष्टिगत किया जा रहा है। चारों ओर स्वार्थ की बरसात हो रही है। विपरीत विचारधारा वाले दल एक साथ हुंकार भर रहे हैं। आरोपों-प्रत्यारोपों का अतीत आलिंगनबध्द हो चुका है। यह सब लोकसभा चुनावों के माध्यम से दिल्ली दरवार का सिंहासन हथियाने के की जंग का हिस्सा है। राम के अस्तित्व पर प्रश्न-चिन्ह अंकित वाले लोग मंदिरों में माथा टेकते नजर आ रहे हैं, त्रिपुंड लगाकर साधु जैसा वेष धारण करके सफल अभिनेता होने की परीक्षा दे रहे हैं। व्यक्ति की सच्चाई जानने के लिए आधुनिक विज्ञान ने पॉलीग्राफ टेस्ट, लाई डिटेक्टर, नार्को टेस्ट, ब्रेन मैपिंग जैसे अनेक अविष्कार किये हैं। पैत्रिक मानसिकता परखने हेतु डीएनए टेस्टिंग भी उपलब्ध हैं परन्तु शायद ही कोई राजनेता इन परीक्षणों से गुजरने हेतु तैयार होगा। लगभग सभी के पास दो तरह के दांतों वाला मुंह, पल-पल पटलती जुबान, पत्ते-पत्ते पर करवट बदलने वाली रंग बदलती काया मौजूद है जो सोच, शब्द और कार्यों में निरंतर भेद दिखा रही है। देश के सीधे-सच्चे लोगों के मध्य कथित अंग्रेजों ने मानवतावाद के नाम पर धीमा जहर घोलना शुरू कर दिया था। संस्कृति की काया पर घाव करने वाले क्रूर आक्रान्ताओं से कहीं ज्यादा घातक तो मीठ विष देने वाले गोरे थे, जिन्होंने देश की सांस्कृतिक विरासत अस्तित्वहीन करने वाले घातक पाठ अपनी लंदन वाली पाठशाला से भेजना शुरू कर दिया था। परिणामस्वरूप आस्था की निजिता को सार्वजनिक प्रदर्शन की वस्तु बनाकर सरेआम बेचा जाने लगा। संत कबीर को भूलकर कहीं आरती की गूंज पर आपत्ति दर्ज होने लगी तो कहीं अजान की आवाज का विरोध। कहीं धार्मिक मनमानियों को श्रध्दा की स्वतंत्रता के साथ जोड़कर परोसा गया तो कहीं तानाशाही को मानवाधिकार की दुहाई पर संरक्षण मिला। भगवान, भाव और भक्ति को आडम्बर कहने वाले लोग आज मतदाताओं को रिझाने के लिए चंदन लगे चेहरों का फोटो सेशन करवाने में जुटे हैं। महाराष्ट्र में शेर के साथ दहाडने वाले व्यक्तित्व के परिवारजनों ने घोर विरोधियों के साथ गद्दी हथियाने के लिए हाथ मिला लिया था तो भगवां के साथ रूठने मनाने वाले ने बिहार में कुर्सी बचा ली। कमल का फूल, पंजा, हंसिया-हथौडा, हंसिया-बाली, घडी, शंख, साइकिल, हाथी, तीर, दो फूल, दो पत्तियां, उगता हुआ सूरज, लालटेन, तीर-कमान, रेलवे का इंजन, झाड़ू जैसे प्रतीकों के साथ घमासान मचा हुआ है मगर प्रतीकों के मायने गौढ हो गये हैं। लालच, स्वार्थ और अहंकार के पोषण के लिए समीकरण साधे जा रहे हैं। संप्रदायगत, जातिगत, क्षेत्रगत, भाषागत, संस्कारगत, संस्कृतिगत विभेद फैलाकर लोगों को बांटने का काम चल रहा है। देश के अन्दर स्वयं की विरासत वापिस पाने और न देने का चलन तेज होता जा रहा है। नाजायज कब्जों को जायज ठहराने के लिए कानून के लचीलेपन को हथियार की तरह प्रयुक्त करने वाले रात को अदालतों के दरवाजे खुलवाते हैं। अपनी विशिष्टता का बखान करते हैं। मनगढंत संभावनाओं का जिक्र करके लोगों को विसम परिस्थितियां पैदा करने के लिए उकसाते हैं और इन सबके लिए बसूलते हैं भारी-भरकम मेहनताना। ऐसा करने वालों की जमात में एक दल का ही संख्याबल ज्यादातर काम करता देखा जा रहा है। वास्तविकता तो यह है कि देश का आम नागरिक आज भी बेहद भोला है जिसे भरमाने के लिए घातक चालबाजों के गिरोह अपने सोचे-समझे षडयंत्र के तहत बिकाऊ प्रचार साधनों का खुलकर उपयोग कर

संक्षिप्त खबरें

बाराबंकी में संपत्ति विवाद में पिता की डंडे से पीटकर हत्या, आरोपी पुत्र गिरफ्तार

बाराबंकी जिले के सतरिख थाना क्षेत्र के एक गांव में संपत्ति के बंटवारे को लेकर एक व्यक्ति ने अपने पिता की डंडे से पीट-पीट कर हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अखिलेश नारायण ने बताया कि सतरिख थाना क्षेत्र के समरपुर गांव निवासी विशुन यादव (88) और उनके पुत्र 52 वर्षीय शिवपाल यादव के बीच जमीन और घर बंटवारे को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि पुत्र ने पिता पर लकड़ी के डंडे से हमला कर दिया, जिससे विशुन यादव गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही दम तोड़ दिया। एएसपी ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस अधिकारियों की टीम ने घटनास्थल की जांच पड़ताल की और आरोपी पुत्र को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

उप्र के इटावा में वीर जवान को अंतिम विदाई देने उमड़ी भीड़

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में आईईडी ब्लास्ट में घायल उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के ग्राम किल्ली के रहने वाले सीआरपीएफ जवान ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इसकी खबर मिलने के बाद जिले में शोक की लहर दौड़ गई। जिलाधिकारी और एसएसपी ने बलिदान हुए जवान के घर जाकर परिजनों को सांत्वना दी। शनिवार देर रात जवान का पार्थिव शरीर एयर एंबुलेंस से गांव लाया गया। वीर जवान को अंतिम विदाई देने के लिए रविवार को उनके पैतृक आवास पर हजारों की भीड़ जुटी हुई है। इटावा जिले के ग्राम किल्ली के रहने वाले गिरीश बाबू जाटव सीआरपीएफ में एएसआई के पद पर छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में तैनात थे। एक फरवरी की शाम को रूटीन गश्त के दौरान नक्सलियों के आईईडी विस्फोट में गिरीश बाबू गंभीर रूप से घायल हो गए थे। रायपुर के अस्पताल में इलाज चल रहा था। दो फरवरी को उपचार के दौरान सीआरपीएफ जवान ने अंतिम सांस ली। सूचना मिलने पर जिलाधिकारी अवनीश राय और एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बलिदान हुए जवान गिरीश बाबू के घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी और देर रात पार्थिव देह को एयर एंबुलेंस के द्वारा गांव लाया गया। बलिदान हुए जवान के परिवार में उनकी पत्नी बेबी दो बेटे पुष्पराज और विपिन, छोटी बेटी वैष्णवी और बड़ी बेटी प्रियंका हैं। बेटी प्रियंका की शादी हो चुकी है और पत्नी बेबी अपने दोनों बेटे और छोटी बेटी के साथ गांव में रहकर खेती का काम देखती हैं।

मेरठ में पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार रुपए का ईनामी बदमाश ढेर

उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में कंकरखेड़ा थाना पुलिस टीम और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें 25 हजार का इनामी बदमाश मारा गया। मुठभेड़ के दौरान एक सिपाही भी घायल हुआ है। यह जानकारी पुलिस अधिकारी ने रविवार को दी। मेरठ जिले के एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि 22-23 जनवरी की दरमियानी रात पुलिस कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के हाईवे पुलिस चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर मुनेश कुमार को गोली मारकर फरार होने के आरोपी विनय वर्मा की शनिवार रात को पुलिस के साथ मुठभेड़ में गोली लगने से इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंजने बताया कि 22-23 जनवरी की दरमियानी रात को कंकरखेडा थाने की हाईवे पुलिस चौकी क्षेत्र में स्थित एच. आर. मंडप के सामने से तीन बदमाशों ने एक गाड़ी को लूट लिया था और जब पुलिस ने उनका पीछा किया तो उन्होंने पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू की। सजवाण ने बताया कि बदमाशों द्वारा गोलीबारी में चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर मुनेश कुमार को सीने में गोली लगी थी जिन्हें तत्काल इलाज के लिए हायर सेंटर पहुंचाया गया। जहां किसी तरह उनकी जान बच गई। एसएसपी ने बताया कि जांच के दौरान टीम ने अपराधी के बारे में सुराग पाने के लिए अपने गुप्त स्रोत बनाए और विभिन्न सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया जिसके आधार पर तीन बदमाशों की पहचान विनय वर्मा, अनुज और नरेश सागर के रूप में की गई। इसके बाद विनय वर्मा और अनुज पर 25-25 हजार रुपये का इनाम मेरठ पुलिस ने घोषित किया। उन्होंवने बताया कि शनिवार शाम पुलिस ने दो अभियुक्त -- विनय वर्मा और नरेश सागर को गिरफ्तार किया जो बस से आगरा भागने की फिराक में थे। एसएसपी ने बताया कि पुलिस की टीम विनय वर्मा को घटना में प्रयुक्त असलाह बरामद करने के लिए उसकी निशानदेही पर जंगेठी गांव के जंगल में गन्ने के खेत पर ले गई।

पोलियोग्रस्त भाइयों से मिल भावुक हुए योगी, परिजनों को उपचार में भरपूर सरकारी सहयोग का भरोसा दिया

गोरखपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यथमंत्री योगी आदित्य नाथ ने रविवार की सुबह यहां गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में देवरिया जिले से आये पोलियोग्रस्त दो सगे भाइयों के परिवारजनों को विश्वतस्तज दिलाया कि उनके इलाज में किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी, सरकार भरपूर सहायता करेगी। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी मिली। बयान में कहा गया कि गोरखनाथ मंदिर में रविवार सुबह आयोजित ह्यजनता दर्शनह्न में अपनी दादी के साथ आए दो पोलियोग्रस्त भाइयों को देख मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भावुक हो गए। उन्होंने इन बच्चों की दादी से इलाज के बारे में पूछा और आश्वस्त किया कि इलाज में किसी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी, इसके लिए सरकार भरपूर सहायता करेगी। इसके लिए योगी ने मौके पर अधिकारियों को निर्देश भी दिया। मुख्यमंत्री शनिवार शाम गोरखपुर आए थे और रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में जनता दर्शन में करीब साढ़े तीन सौ लोगों से मुलाकात की। इस दौरान देवरिया जिले के खुखुंदू थाना क्षेत्र के सेखा बभनौली से आईं भागीरथी देवी के साथ उनके दो मासूम पौत्र आयुष (10) और पीयूष (आठ) भी थे, जिन्हें देख योगी उनसे पढ़ाई के बारे में पूछने लगे। तभी भागीरथी देवी ने बताया कि ये दोनों भाई पोलियोग्रस्त हैं। पांच साल के हुए तो बीमारी का पता चला। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या ये बिलकुल भी नहीं चल पाते हैं तो भागीरथी देवी ने बताया कि सिर्फ दस-बीस कदम तक। इस पर मुख्यमंत्री ने आयुष को चलने का प्रयास करके दिखाने को कहा। लंगड़ाते हुए वह दो चार कदम चला तो मुख्य मंत्री योगी भावुक हो उठे और भागीरथी देवी से दोनों बच्चों के इलाज के बारे में पूछा। उन्होंने पीजीआई लखनऊ में इलाज चलने की जानकारी दी। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इन बच्चों के इलाज में कोई कमी नहीं आने देंगे, इसके लिए भरपूर सहायता दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से इस मामले को पूरी संवेदनशीलता से देखने और आयुष्मान कार्ड नहीं होने की दशा में कार्ड बनवाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने दोनों भाइयों को दुलार किया और आशीर्वाद भी दिया। इस दौरान भागीरथी देवी ने अगस्त 2023 में अपने बेटे आदित्य चौहान (पोलियोग्रस्त दोनों बच्चों के पिता) की मौत की जांच कराने तथा कुछ लोगों द्वारा जांच की मांग करने पर धमकी देने की शिकायत भी की। इस पर मुख्य मंत्री ने पुलिस अधिकारियों को त्वरित और निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई का निर्देश दिया। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे लोगों की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित निस्तारण कराएं। ध्यान दिया जाए किसी को भी परेशान न होना पड़े। जरूरतमंदों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। योगी ने कहा कि अगर कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। हर व्यक्ति की समस्या का निस्तारण समयबद्ध और पारदर्शी रूप से उसकी संतुष्टि के अनुरूप किया जाना सुनिश्चित होना चाहिए। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह मंदिर की गौशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोवंश का हाल जाना और उन्हें अपने हाथों से गुड़-रोटी खिलाया। गोशाला का भ्रमण कर मुख्यमंत्री योगी ने गोवंश को उनके विभिन्न नामों से पुकारा। उनकी आवाज सुनते ही गोवंश उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री योगी ने उन्हें दुलारकर अपने हाथों से उन्हें गुड़-रोटी खिलाया। मुख्यमंत्री ने गौशाला के कार्यकताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य और पोषण की जानकारी ली।

रूम में टोपी, रोड पर तिलक की सेक्युलर सियासी सूत्रधार है कांग्रेस : नकवी

प्रयागराज, एजेंसी

पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने रविवार को यहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि रूम में टोपी, रोड पर तिलक की सेक्युलर सियासी सूत्रधार कांग्रेस अब ना घर की रही और ना घाट की। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस का जनता ही नहीं बल्कि उसके साथी भी साथ छोड़कर रफूचक्कर हो रहे हैं। नकवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 वर्षों में तुष्टीकरण के छल को समावेशी सशक्तिकरण के बल से छूमंतर कर राजनीतिक संकल्प, सोच और संस्कृति में सकारात्मक परिवर्तन किया है। नकवी ने कहा कि आज मोदी के परिश्रम और तपस्या की ताकत ने उन्हें ग्राउंड जीरो का ग्लोबल हीरो बनाया है। हालांकि, कुछ सामंती सूरमाााारत की बढ़ती धाक-धमक को धूमिल करने की धूर्ततापूर्ण कोशिश में लगे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दंगों, दबंगों, बलवों, बाहुबलियों, आतंक की आफत से देश, मानवता और मुसलमानों की सुरक्षा की गारंटी हैं।

बदायूं में महिला न्यायाधीश के आत्महत्या मामले में हत्या का मामला दर्ज

बदायूं, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बदायूं में अपने सरकारी आवास पर एक महिला न्यायाधीश द्वारा कथित रूप से फंदे से लटककर आत्महत्या करने के मामले में पिता की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्यो का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदे से लटककर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। बदायूं की जज कॉलोनी परिसर में प्रथम मंजिल पर रहने वाली दीवानी मामलों की न्यायाधीश (कनिष्ठ) ज्योत्सना राय (27) ने शनिवार को अपने शयन कक्ष में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार महिला न्यायाधीश के पिता अशोक कुमार राय की शिकायत के आधार पर सदर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि तीन महिला डॉक्टरों की समिति ने महिला न्याअयाधीश का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि यह स्वयं फंदे से लटककर आत्महत्या करने का मामला है। महिला न्यायाधीश के परिजनों द्वारा पुलिस पर लापरवाही और गहनता से जांच नहीं करने के आरोप पर एसएसपी आलोक प्रियदर्शी ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है। पुलिस ने पूरी तत्परता और सावधानी से जांच की है, परिजन परेशान हैं इसलिए ऐसा कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिल गई है, बाकी सभी तथ्यों, दस्तावेजों, फोरेंसिक रिपोर्ट व कॉल डिटेल की जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। शनिवार देर रात जनपद मऊ से महिला न्यायाधीश के परिजन बदायूं पहुंचे। महिला न्यायाधीश के पिता अशोक कुमार राय ने कहा, ह्यह्नमेरी बिटिया ज्योत्सना बहुत बहादुर थी, वह कभी भी आत्महत्या नहीं कर सकती। वह दूसरों को न्याय देती थी। उन्हों ने किसी अज्ञात व्यक्ति पर हत्या कर शव लटका देने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। एसएसपी ने बताया था कि ज्योत्सना राय शनिवार सुबह 10 बजे तक जब अदालत नहीं पहुंचीं, तो उनके साथी न्यायाधीशों ने उन्हें फोन किया लेकिन संपर्क नहीं हो पाने पर वे उनके आवास गए और उन्होंने पाया कि राय का शयनकक्ष अंदर से बंद था। प्रियदर्शी ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शयनकक्ष का दरवाजा तोड़ा तो राय का शव पंखे से लटका मिला। उन्होंने बताया कि मूल रूप से जनपद मऊ की रहने वाली राय बदायूं में दीवानी मामलों की न्यायाधीश (कनिष्ठ) के पद पर 29 अप्रैल, 2023 से तैनात थीं। इससे पूर्व वह अयोध्या में न्यायिक मजिस्ट्रेट के पद पर कार्यरत थीं। उन्होंने बताया कि राय के आवास से उनके लिखे एक सुसाइड नोट सहित कुछ दस्तावेज बरामद हुए हैं, जो इस मामले की गुत्थी को सुलझाने में अहम साबित हो सकते हैं

प्रतापगढ़ में दुष्कर्म के दोषी पुजारी, शिष्य को 20-20 वर्ष का कारावास

प्रतापगढ़, एजेंसी

प्रतापगढ़ जिले की एक विशेष अदालत ने नाबालिग किशोरी से सामूहिक दुष्कउर्म के मामले में आरोपी पुजारी और उसके शिष्यत को दोषी करार देते हुए 20-20 वर्ष कारावास की सजा सुनाई है और 20-20 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) प्रदीप कुमार पांडेय ने रविवार को यह जानकारी दी। पांडेय ने बताया कि अपर जिला सत्र न्यायाधीश (यौन अपराध से बच्चों की सुरक्षा (पॉक्सो) अधिनियम) आलोक द्विवेदी की अदालत ने शनिवार को सामूहिक दुष्कर्म के मुकदमे की सुनवाई करते हुए दोषी श्या म पुजारी व उसके शिष्य दौलत को 20-20 वर्ष कारावास की सजा सुनाई और 20-20 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया। एडीजीसी ने घटना के संदर्भ में बताया कि जिले के अंतू थाना पुलिस को दी गयी शिकायत में वादी ने आरोप लगाया कि आठ अप्रैल 2016 की शाम साढ़े सात बजे उसकी 15 वर्षीय बेटी हैंडपंप पर पानी भरने गयी थी, तभी गांव के ही श्याम पुजारी व उसके शिष्य दौलत ने उसे धोखे से बुलाया और बाथरूम में ले जाकर दोनों ने उससे सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की संबधित धाराओं तथा पॉक्सोन अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच पूरी की और अदालत में आरोप पत्र दायर किया। अदालत ने मुकदमे की सुनवाई करते हुए अधिवक्ता की बहस सुनने के बाद साक्ष्य के आधार पर दोषी श्याम पुजारी व दौलत को 20-20 वर्ष कारावास की सजा सुनाई और 20-20 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया।

सहारनपुर में सड़क हादसे में जीजा-साले की मौत

सहारनपुर, एजेंसी

सहारनपुर जिले के बेहट थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात हुए सड़क हादसे में जीजा-साले की मौत हो गयी। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया किसहारनपुर जिले के थाना मिजार्पुर निवासी रफाकत (22) अपने जीजा तौफीक (25) के साथ पास के रायपुर में शनिवार को टेंट लगाने गया था। दोनों जीजा-साले शनिवार देर रात बाइक से अपने गांव लौट रहे थे तभी गदेवड आलमपुर के निकट पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार जीजा-साले ट्रक की चपेट में आ गये और दोनों की मौके पर ही मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि टक्कर मारने वाला ट्रक भी अनियंत्रित होकर पूर्वी यमुना नहर में पलट गया लेकिन ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। जैन ने बताया कि पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है और ट्रक को जब्त कर लिया है।

पेड़ पर लटके मिलें प्रेमी युगल के शव, ऑनर किलिंग की आशंका

प्रात: किरण, संवाददाता

सैदनगली। प्रेमी युगल के शव गांव से करीब 150 मीटर दूरी आम के पेड़ पर एक ही रस्सी से लटके मिले। दोनों तीन दिन पूर्व प्रेम प्रसंग में घर से फरार हुए थे। युवक के परिजनों ने ऑनर किलिंग की आशंका जताते हुए मौके पर काफी देर तक हंगामा किया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं।

थाना सैदनगली के गांव सेंदरा मिलक के किसान रविवार सुबह खेती पर जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने आम के पेड़ पर एक युवक व किशोरी के शव लटके हुए देखे। गांव में जानकारी होते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पता लगा कि शव गांव निवासी 15 वषीर्या निशु पुत्री विनोद जाटव व 22 वर्षीय राजू पुत्र मुनेश जाटव के हैं। दोनों तीन दिन पूर्व प्रेम प्रसंग के चलते घर से फरार हुए थे। निशु के परिजनों ने इस बाबत थाना पुलिस को तहरीर भी दी थी। वहीं प्रेमी युगल के शव मिलने की खबर लगते ही पुलिस में भी हड़कंप मच गया। सीओ दीप कुमार पंत व कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक शव करीब 15 फीट की ऊंचाई पर एक ही रस्सी से लटके हुए थे। राजू के पैर में चप्पल थे जबकि, निशु नंगे पैर थी। मौके पर पहुंचे राजू के परिजनों ने उसकी हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया। मांग करते हुए कहा कि पहले हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की जाए। सीओ दीप कुमार पंत ने समझाया कि हत्या या आत्महत्या की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही हो सकेगी। इसलिए अभी पुख्ता तौर पर यह नहीं कहा जा सकता कि दोनों की हत्या हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद पुलिस शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज सकी। उधर, ग्रामीणों के मुताबिक निशु ढवारसी के एक इंटर कॉलेज में कक्षा नौ की छात्रा थी जबकि राजू खेती किसानी करता था। दोनों एक ही बिरादरी से ताल्लुक रखते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों शादी करना चाहते थे लेकिन निशु के परिजन इस पर राजी नहीं थे। इसको लेकर गांव में पंचायत भी हुई थी लेकिन कोई हल नहीं निकल सका था। फिलहाल पुलिस अधिकारी मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट व तहरीर के आधार पर आगे जांच एवं कार्रवाई करने की बात कह रहे हैं।

पोलियोग्रस्त भाइयों से मिल भावुक हुए योगी, परिजनों को उपचार में भरपूर सरकारी सहयोग का भरोसा दिया

गोरखपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यथमंत्री योगी आदित्य नाथ ने रविवार की सुबह यहां गोरखनाथ मंदिर में आयोजित ह्यजनता दर्शन में देवरिया जिले से आये पोलियोग्रस्त दो सगे भाइयों के परिवारजनों को विश्वतस्तज दिलाया कि उनके इलाज में किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी, सरकार भरपूर सहायता करेगी। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी मिली। बयान में कहा गया कि गोरखनाथ मंदिर में रविवार सुबह आयोजित ह्यजनता दर्शनह्न में अपनी दादी के साथ आए दो पोलियोग्रस्त भाइयों को देख मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भावुक हो गए। उन्होंने इन बच्चों की दादी से इलाज के बारे में पूछा और आश्वस्त किया कि इलाज में किसी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी, इसके लिए सरकार भरपूर सहायता करेगी। इसके लिए योगी ने मौके पर अधिकारियों को निर्देश भी दिया। मुख्यमंत्री शनिवार शाम गोरखपुर आए थे और रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में जनता दर्शन में करीब साढ़े तीन सौ लोगों से मुलाकात की। इस दौरान देवरिया जिले के खुखुंदू थाना क्षेत्र के सेखा बभनौली से आईं भागीरथी देवी के साथ उनके दो मासूम पौत्र आयुष (10) और पीयूष (आठ) भी थे, जिन्हें देख योगी उनसे पढ़ाई के बारे में पूछने लगे। तभी भागीरथी देवी ने बताया कि ये दोनों भाई पोलियोग्रस्त हैं। पांच साल के हुए तो बीमारी का पता चला। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या ये बिलकुल भी नहीं चल पाते हैं तो भागीरथी देवी ने बताया कि सिर्फ दस-बीस कदम तक। इस पर मुख्यमंत्री ने आयुष को चलने का प्रयास करके दिखाने को कहा। लंगड़ाते हुए वह दो चार कदम चला तो मुख्य मंत्री योगी भावुक हो उठे और भागीरथी देवी से दोनों बच्चों के इलाज के बारे में पूछा। उन्होंने पीजीआई लखनऊ में इलाज चलने की जानकारी दी। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इन बच्चों के इलाज में कोई कमी नहीं आने देंगे, इसके लिए भरपूर सहायता दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से इस मामले को पूरी संवेदनशीलता से देखने और आयुष्मान कार्ड नहीं होने की दशा में कार्ड बनवाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने दोनों भाइयों को दुलार किया और आशीर्वाद भी दिया। इस दौरान भागीरथी देवी ने अगस्त 2023 में अपने बेटे आदित्य चौहान (पोलियोग्रस्त दोनों बच्चों के पिता) की मौत की जांच कराने तथा कुछ लोगों द्वारा जांच की मांग करने पर धमकी देने की शिकायत भी की। इस पर मुख्य मंत्री ने पुलिस अधिकारियों को त्वरित और निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई का निर्देश दिया। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे लोगों की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित निस्तारण कराएं। ध्यान दिया जाए किसी को भी परेशान न होना पड़े। जरूरतमंदों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। योगी ने कहा कि अगर कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। हर व्यक्ति की समस्या का निस्तारण समयबद्ध और पारदर्शी रूप से उसकी संतुष्टि के अनुरूप किया जाना सुनिश्चित होना चाहिए। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह मंदिर की गौशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोवंश का हाल जाना और उन्हें अपने हाथों से गुड़-रोटी खिलाया। गोशाला का भ्रमण कर मुख्यमंत्री योगी ने गोवंश को उनके विभिन्न नामों से पुकारा। उनकी आवाज सुनते ही गोवंश उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री योगी ने उन्हें दुलारकर अपने हाथों से उन्हें गुड़-रोटी खिलाया। मुख्यमंत्री ने गौशाला के कार्यकताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य और पोषण की जानकारी ली।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाला शख्स मेरठ से गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने रूस के मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास में काम करने वाले एक युवक को मेरठ से गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया युवक हापुड़ जिले का रहने वाला है। उस पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने का आरोप है। उत्तर प्रदेश एटीएस के एडीजी मोहित अग्रवाल ने रविवार को बताया कि एटीएस ने जासूसी के आरोप में हापुड़ निवासी सत्येंद्र सिवाल को गिरफ्तार किया है। वह 2021 से मॉस्को स्थित दूतावास में इंडिया बेस्ट सिक्योरिटी अस्सिटेंट के पद पर कार्यरत है। पूछताछ में आरोपित ने भारतीय दूतावास, रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय सैन्य इंस्टिट्यूट की महत्वपूर्ण गोपनीय सूचनाएं पाकिस्तानी हैंडलरों को भेजने की बात को स्वीकारा है। उसके पास से तलाशी में मोबाइल फोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं एक पहचान पत्र बरामद किया है। अग्रवाल ने बताया कि एटीएस को गोपनीय विभाग से सूचना मिली थी कि आईएसआई के हैंडलरों द्वारा कुछ लोगों से भारतीय विदेश मंत्रालय के कर्मचारियों को धन का लालच देकर सेना से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएं प्राप्त की जा रही हैं। इसके बाद एटीएस ने सर्विलांस के माध्यम से नजर रखना शुरू कर दिया। जांच में पता चला कि दूतावास में कार्यरत सत्येंद्र सिवाल आईएसआई के हैंडलर्स को महत्वपूर्ण सूचनाएं उपलब्ध करा रहा है। पुख्ता सबूत मिलने पर सत्येंद्र सिवाल को मेरठ के एटीएस फील्ड यूनिट बुलाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसे गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

उप्र एटीएस ने पाक आईएसआई के लिए काम करने वाले एजेंट को मेरठ से गिरफ्तार किया

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने और उसे रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों की सामरिक गतिविधियों के संबंध में महत्वपूर्ण गोपनीय जानकारी मुहैया कराने के आरोप में रूस की राजधानी मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास में कार्यरत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यहां रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान से यह जानकारी मिली। उप्र के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि पाकिस्तोनी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में मॉस्को में भारतीय दूतावास में नियुक्त कर्मचारी सतेन्द्रि सिवाल को गिरफ्तार किया गया है। बयान के अनुसार हापुड़ जिले के देहात थाना क्षेत्र के गांव शाह महीउद्दीनपुर निवासी सतेंद्र सिवाल विदेश मंत्रालय में कार्यरत है और वर्तमान में रूस के मॉस्को में भारतीय दूतावास में तैनात है। एटीएस को विभिन्न गोपनीय स्त्रोतों से खुफिया जानकारी मिल रही थी कि आईएसआई के हैंडलर कुछ लोगों के माध्यम से भारतीय सेना से संबंधित रणनीतिक और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए विदेश मंत्रालय के कर्मचारियों को धन का लालच दे रहे हैं जिससे भारत की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा को बड़ा खतरा होने की आशंका है। एटीएस ने इलेक्ट्रॉनिक और प्रत्यक्ष निगरानी के माध्यम से अपनी जांच में पाया कि सतेन्द्र सिवाल आईएसआई संचालकों के नेटवर्क के साथ भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल था और रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों की रणनीतिक गतिविधियों के बारे में महत्वपूर्ण गोपनीय जानकारी प्रदान कर रहा था। बयान के अनुसार आरोपी उन्हें ये सूचनाएं पैसे के लिए उपलब्ध करा रहा था। सिवाल को एटीएस फील्ड यूनिट मेरठ में बुलाया गया और नियमानुसार पूछताछ की गई।

प्रेसवार्ता मे बोले सदर विधायक महबूब अली, नफर फैलाने वालों को मिल रहा है सम्मान

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता पूर्व कैबिनेट मंत्री, सदर विधायक/ लोक लेखा समिति के चेयरमैन हाजी महबूब अली ने भारत सरकार से मुलायम सिंह यादव को भारत रत्न का पुरस्कार मिलने की माँग की। गौरतलब है कि हाल की मे केन्द्र की मोदी सरकार ने भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने का ऐलान किया। इससे समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता पूर्व कैबिनेट मंत्री, सदर विधायक/ लोक लेखा समिति के चेयरमैन हाजी महबूब अली ने अपने कैम्प कार्यालय पर प्रेसवार्ता करते हुए कहा कि वर्तमान की मोदी सरकार देश मे नफरत की सियासत कर रही हैं। मौजूदा सरकार ऐसे लोगों को इनाम दे रही है जो देश मे अमन और शान्ति नहीं चाहते है। यह सरकार नफरत के बूते अपनी राजनीति को आगे बढ़ाना चाहती है। हुकूमत के जो अपने मकसद हैं उसके हिसाब से इनाम दे रही है। ये देश के लोगों को सोचना चाहिए कि क्या ये हुकूमत कानून के मुताबिक काम कर रही है? इस सरकार से सवाल पूछने को कोई औचित्य नहीं है क्योंकि वो तो नफरत की ही बुनियाद पर अपना कारोबार चलाना चाहती है। हम देश की जनता से कहेंगे कि देश में जो माहौल बन रहा है उसे बदलना चाहिए. आवाम की ताकत से हुकूमत को बदलना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये भारत रत्न का घोर अपमान है।लाल कृष्ण आडवाणी ने देश को बाटने और नफरत फैलाने का काम किया है। उन्होंने हिंदुस्तान में बटबारे की राजनीति की, लोगों को नाराज करने और नफरतें फैलाने की राजनीति की,ये भारत रत्न का घोर अपमान है।

डॉ मेराज हुसैन की वालदा ने किया कैंप कार्यालय का उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा।समाजसेवी डॉक्टर मेराज हुसैन के मोहल्ला दानिशमंदान स्थित कैंप कार्यालय का उद्घाटन रविवार को उनकी वालदा (माँ) सैयद नसरीन ने फीता काटकर किया।इस दौरान उन्होंने लोगों से बेटे मेराज हुसैन को सहयोग करने की अपील की।वहीं, मेराज हुसैन ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अमरोहा से चुनाव लड़ने का उनका मकसद सिर्फ और सिर्फ अमरोहा की तरक्की और यहां के लोगों को मूलभूत सुविधाएं करवाना है। बोले, दिल्ली से बेहद करीब होने के बावजूद अब तक अमरोहा विकास के मामले में काफी पिछड़ा हुआ है। यहां मूलभूत समस्याओं सहित अन्य समस्याओं की फेहरिस्त बहुत लंबी है। यहां के लोग आज भी शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए दूसरे शहरों पर निर्भर है। इसका जिम्मेदार और कोई नहीं यहां के जनप्रतिनिधि है। जिन्हें अमरोहा के लोगों ने बेहद प्यार और सम्मान के साथ चुनाव में भारी मतों से जिताया। लेकिन उन लोगों ने अमरोहा की तरक्की कभी नहीं सोची। डॉ मेराज ने लोगों से उन पर भरोसा करके एक बार मौका देने की बात कही। कहां कि वह भरोसे को कभी टूटने नहीं देंगे।इस मौके पर डॉ जावेद, डॉ विजेंद्र सिंह, अरशद पाशा, अनवर हुसैन, सय्यद फरहान, डॉ फैजान पाशा, अरमान पाशा, फरमान मलिक, परवेज सिद्दीकी एडवोकेट समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सड़क दुर्घटना में अज्ञात वाहन के टक्कर से राजमिस्त्री की मौत

नोखा (रोहतास) थाना क्षेत्र के रामनगर गांव समीप अज्ञात वाहन के टक्कर से बाइक सवार राजमिस्त्री मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सासाराम-आरा मुख्य पथ पर मिश्रलियां गांव निवासी राजमिस्त्री रविन्द्र कुमार शनिवार देर शाम वह कार्य कर अपने घर लौट रहा था। इसी क्रम में थाना क्षेत्र के रामनगर गांव समीप सड़क पर तेज रफ्तार से आ रहीं एक अज्ञात वाहन ने उसके बाइक में टक्कर मार फरार हो गया। जिस घटना में राज मिस्त्री की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। जिस घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को मिलते ही घटनास्थल पहुंच शव को कब्जे में लेते हुए उसकी शिनाख्त कर जिला सदर अस्पताल सासाराम पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। बताया जाता है कि नोखा थाना चौकीदार बिरेंद्र राम के द्वारा इस घटना की जानकारी पहले दी गई थी। दुसरी तरफ स्थानीय पुलिस इस घटना ममालें में अज्ञात वाहन सहित चालक की गिरफ्तारी के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुलिस ने छापेमारी कर शराब के साथ करोबारी को किया गिरफ्तार

नावानगर (बक्सर) स्थानीय प्रभारी थानाध्यक्ष नंदू राम के नेतृत्व में पुलिस ने केसठ बाजार में छापेमारी किया। छापेमारी में पुलिस ने तीन पीस 180 एमएल अंग्रेजी शराब के साथ एक शराबी ईनूस खान तथा एक कारोबारी अखिलेश कुमार उर्फ गुड्डू सिंह को गिरफ्तार किया है। इसकी पुष्टि करते हुए नावानगर प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि केसठ बाजार में शराब का कारोबार हो रहा है।सूचना पर तत्काल छापेमारी किया गया। जिसके तहत तीन पीस 180 एमएल के अंग्रेजी शराब के साथ दो कारोबारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

विद्यालय में लगा समरसेबल चोरों ने चुराया

नावानगर (बक्सर) सिकरौल थाना क्षेत्र के बेलांव गांव निवासी राजेश कुमार प्रसाद के यहां से चोरी हुए समरसेबल के साथ दो चोरों को सिकरौल पुलिस ने बेलांव गांव से गिरफ्तार किया है। इसकी पुष्टि करते हुए सिकरौल थानाध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद ने बताया कि शुक्रवार की रात बेलांव गांव निवासी के यहां से समरसेबल चोरी कर लिया गया था।जिसको लेकर पीड़ित द्वारा थाना में शनिवार को नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई थीं।जहां प्राथमिकी दर्ज करने के बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए बेलांव गांव से दो चोर गिदीक उर्फ अनिल कुमार तथा सोनू पासवान को समरसेबल के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पूर्व मंत्री ने मिनी राइस मिल का किया उद्घाटन

संझौली (रोहतास) रविवार को रालोजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने इंग्लिश धोकरा गांव के समीप एक मिनी राइस मिल का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान कुशवाहा ने स्थल पर उपस्थित युवाओं व अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि आप नौकरी का प्रयास करें। लेकिन रोजगार के क्षेत्र में भी अपना स्थान ढूंढते रहें। उक्त अवसर पर अशोक कुमार कुशवाहा, रालोजद जिला उपाध्यक्ष लव मिश्रा, हाकिम सिंह, प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह, बबन सिंह, मनोज कुमार, शनि दत्त, चंद्रकांत कुशवाहा सहित कहीं अन्य रालोजद कार्यकर्ता उपस्थित थे।

24 घंटे के अंदर हो सकती है हल्की बारिश

संझौली (रोहतास) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय भारत, मौसम विज्ञान केंद्र पटना के वैज्ञानिकों के अनुसार अगले 24 घंटे के अंदर कहीं-कहीं निक गर्जन व वज्रपात के साथ, हल्की से माध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के वैज्ञानिक कुमार गौरव के अनुसार बारिश के बाद अगले दो से तीन दिनों तक आकाश में बादल छाए रहने के कारण, दो से तीन डिग्री सेल्सियस की तापमान में वृद्धि हो सकती है। तत्पश्चात अगले दो से तीन दिनों में तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस तापमान लुढ़कने का पूर्वानुमान है।

33 केवी के बिजली तार चोरी में प्राथमिकी दर्ज

दावथ (रोहतास) नारायणपुर ग्रीड से दिनारा पावर सब स्टेशन में जाने वाली 33 केवी का तार काट कर चोरी कर लिया गया है।जिसे लेकर सहायक विधुत अभियंता ने थाने में लिखित शिकायत दिया है। विधुत एसडीओ राज कुमार ने बताया कि पहले दिनारा पीएसएस में नारायनपुर ग्रीड से 33 हजार केवीए का लाइन जाता था। बाद में दुसरे जगह से लाईन जाने लगा है। परंतु इमरजेंसी के लिए पुरानी लाइन को भी ठीक रखा जाता है। जब हाल में लाइन को दुरुस्त करने के उद्देश्य से पहुंचा तो पाया कि, बभनौल व दावथ के बीच लगभग तीन किलोमीटर 11 हजार केवीए के तार को चोरों ने काट कर चोरी कर लिया है।

गीधा ओपी क्षेत्र में छात्रा से गैंगरेप मामले में भोजपुर एसपी सख्त, कहा किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

प्रात : किरण संवाददाता

- शनिवार को सड़क पर उतर गये लोजपा कार्यकर्ता व आक्रोशित लोग
- भोजपुर एसपी की ओर से भ्रम नहीं फैलाने की अपील की गयी है

आरा। भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि गीधा ओपी क्षेत्र में छात्रा से गैंगरेप मामले की तथ्यात्मक और वैज्ञानिक तरीके से जांच की जा रही है। इसके लिए फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम बुलायी गयी थी। मेडिकल जांच करायी जा रही है। पुलिस तत्परता से अपना काम कर रही है।

प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है। आरोपितों की गिरफ्तारी को छापेमारी की जा रही है। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं। पुलिस पर गलत आरोप लगाया जा रहा है। शनिवार को अस्पताल में हंगामा किया गया। मेडिकल जांच और बयान दर्ज कराने में बाधा उत्पन्न की गयी। इसे लेकर एसपी की ओर से भ्रम नहीं फैलाने की अपील की गयी है।

सड़क पर उतर लोजपा कार्यकर्ता व आक्रोशित लोगों ने आवागमन कर दिया बाधित: छात्रा से गैंगरेप के दो दिन बाद भी आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होने पर लोगों का गुस्सा भड़क उठा। गुस्साये लोग और लोजपा कार्यकर्ता शनिवार को सड़क पर उतर गये। आक्रोशित लोगों ने आरा सदर अस्पताल के गेट के समीप रोड जाम कर जमकर हंगामा किया। इससे काफी देर तक अफरातफरी मची रही। आक्रोशित लोग पुलिस पर मामले को दबाने का प्रयास करने का आरोप लगा रहे थे। लोगों का कहना था कि वरीय पुलिस अफसर पीड़िता पर बयान बदलने का दबाव दे रहे थे। आरोपितों की गिरफ्तारी भी नहीं की जा रही है। इस कारण अस्पताल रोड में करीब घंटे भर से अधिक समय तक आवागमन बाधित रहा।

एसडीपीओ के आश्वासन पर शांत हुआ लोगों का गुस्सा: सूचना मिलने पर सदर एसडीओपी परिचय कुमार व नगर थानाध्यक्ष संजीव कुमार मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास शुरू किया। बाद में एसडीपीओ के आश्वासन पर सड़क जाम कर रहे लोगों का गुस्सा शांत हो सका और आवागमन बहाल किया जा सका। एसडीपीओ ने कहा कि दुष्कर्म के मामले में प्राथमिक दर्ज कर ली गयी है। अनुसंधान किया जा रहा है। मेडिकल रिपोर्ट सहित सभी साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी। इस मामले को लेकर एफएसएल की टीम भी जांच के लिए बुलाई गई थी। पीड़िता को 164 का बयान कराने के लिए ले जाया जा रहा है, ताकि इस मामले की निष्पक्ष जांच हो सके। आरोपितों की गिरफ्तारी का प्रयास भी किया जा रहा है।

भारत रत्न आडवाणी के मार्गदर्शक हमें राष्ट्रसेवा हेतु करता है प्रेरित : डॉ. मनीष

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) बिहार प्रदेश भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ महामंत्री डॉ. मनीष रंजन ने देश के पूर्व उपराष्ट्रपति सह पूर्व भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी को देश का सर्वोच्च पुरस्कार 'भारत रत्न' प्रदान होने पर उन्हें बधाई दी है। वही देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इस ऐतिहासिक लालकृष्ण आडवाणी 'भारत रत्न' प्रदान घोषणा के प्रति देशवासियों ने पीएम नरेंद्र मोदी का भी आभार व्यक्त किया। भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने बताया कि भारत रत्न मिलने वालों की सूची में लालकृष्ण आडवाणी 50वें नंबर पर है।

जो विगत 2014 साल में सत्ता संभालने के बाद भाजपा ने आडवाणी सहित सभी सात लोगों को भारत रत्न से सम्मानित किया गया है। जिनमें से पांच लोगों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है। जो भारतीय राजनीति के दैदीप्यमान नक्षत्र पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को "भारत रत्न" से सम्मानित करना भारत के राष्ट्रहित में एक नया सवेरा उदय है। जिन्होंने अपने जीवनकाल के राजनैतिक क्षेत्र में गंभीरता एवं दूरदृष्टि से कई विकासपरक कार्य संपादित करते हुए देश को हिंदुत्व राष्ट्र की श्रेणी में लाते हुए सामाजिक क्षेत्रों में भी अपना अतुलनीय योगदान आज भी दें रहें है। साथ ही साथ देश में भारतीय जनता पार्टी को एक मजबूत नीव को खड़ा करने में उनके योगदान को देश के बीजेपी कार्यकर्ता कभी नही भूलेंगे। जिन्होंने भारत की अस्मिता और भारतीय चेतना को जागृत करने में अपना सम्पूर्ण जीवन को भी समर्पित कर दिया। जिनके कार्य और विचार आज भी हम सभी भारतीय को राष्ट्रसेवा हेतु प्रेरित करता हैं।

भोजपुर जिले में सभी स्वास्थ्य संस्थानों में मनाया गया विश्व कैंसर दिवस

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। विश्व कैंसर दिवस" के रूप में मनाया जाता है। कैंसर के बढ़ते मामलों को देखते हुए 4 फरवरी,सन 2000 में कैंसर के विरुद्ध वर्ल्ड सम्मिट, पेरिस में सर्वसम्मति से 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाने की प्रथा शुरू हुई। तब से लेकर आज तक इस दिवस को पूरे विश्व में मनाया जाता है। कैंसर के विरुद्ध सारे फैसले (UICC) तय करती है और पूरे विश्व में अनुपालन किया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य है लोगों में कैंसर के प्रति जागरूकता पैदा करना और कैंसर के प्रति लोगों को शिक्षित करना, साथ ही साथ जनता एवं सरकार के द्वारा कैंसर से बचाव, इलाज तथा अन्य पहलुओं पर गंभीरता से ठोस कदम उठाने की वचनबद्धता है। इसके मातहत भोजपुर जिले में 4 फरवरी को सभी स्वास्थ्य संस्थानों में विश्व कैंसर दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 4 फरवरी से 10 फरवरी तक सारे स्वास्थ्य संस्थानों में "निः शुल्क कैंसर रोग परामर्श सप्ताह" मनाने का आदेश निर्गत किया गया है। सभी अस्पतालों में मरीजों का कैंसर परिक्षण किया जाएगा और संदिग्ध मरीजों को राज्य के कैंसर अस्पतालों जैसे, पी.एम.सी.एच., एन.एम. सी.एच., इन्दिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, ऐम्स पटना, महावीर कैंसर संस्थान, पटना एवं होमी भाभा कैंसर अस्पताल, मुजफ्फरपुर में रेफर कर उचित इलाज मुहैया कराना है। सामान्य कैंसर जैसे मुंह का कैंसर, स्तन का कैंसर और सर्विक्स के कैंसर के संबंध में जिला गैर-संचारी रोग पदाधिकारी डॉ प्रवीण कुमार सिन्हा द्वारा जिला के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों विस्तृत जानकारी दी जा चुकी है। कैंसर के परिक्षण हेतु आवश्यक उपकरणों एवं केमिकल सभी स्वास्थ्य संस्थानों को मुहैया कराई गई है। इस अवसर पर डॉ प्रवीण कुमार सिन्हा द्वारा जिला के सभी स्वास्थ्य संस्थानों को निर्देश जारी किया गया है। शहर के मुख्य स्थानों पर बड़े बड़े होर्डिंग्स के माध्यम से लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया गया है। सभी स्वास्थ्य संस्थानों के लिए जागरूकता के उद्देश्य से बैनरों को मुख्य स्थानों पर स्थापित करने का निर्देश दिया गया है । सभी स्वास्थ्य संस्थानों में निः शुल्क कैंसर रोग परामर्श सप्ताह 4 फरवरी से 10 फरवरी तक चलेगा। कैंसर छुपाने से नहीं, दिखाने से ही पता चल सकता है, कैंसर शुरूआती दौर में पता चल जाये तो इलाज सस्ता भी है और सहुलियत भी है। कैंसर जानलेवा बिमारी है, लेकिन इसका वचाव के बहुत सारे तरीकें भी हैं। धुम्रपान, शराब एवं असुरक्षित सहवास से बचते रहना, कैंसर रोग से बचने का उत्तम उपाय है।

चयनित अमृत बिक्रमगंज रेलवे स्टेशन का रेल अधिकारियों ने किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) अमृत रेलवे स्टेशन के लिए चयनित बिक्रमगंज रेलवे स्टेशन का रविवार को रेलवे अधिकारियों ने निरीक्षण किया। रविवार को करीब 12 बजे दिन में विशेष निरीक्षी ट्रेन से रेलवे अधिकारियों का एक दल बिक्रमगंज रेलवे स्टेशन पर पहुंचा और रेलवे स्टेशन पर हो रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने इस संबंध में उपस्थित अधिकारियों और संवेदकों को आवश्यक निर्देश दिया। इस टीम में सीनियर डीसीएम सुधांशु रंजन, एडीआरएम दिलीप कुमार, आरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट बीडी राम आदि थे। निरीक्षण के दौरान बिक्रमगंज के स्टेशन मास्टर, आरपीएफ प्रभारी सहित अन्य अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

लय का चौथा स्तंभ पंडित बिरजू महाराज का कृतित्व : सिविल सर्जन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। शिवादी क्लासिक सेंटर ऑफ आर्ट एण्ड म्यूजिक की ओर से स्थानीय कलक्ट्री तालाब स्थित लोक नायक मुक्त कला मंच पर पंडित बिरजू महाराज की स्मृति में " फोर्थ लय पंडित बिरजू महाराज" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मशहूर चिकित्सक सह सिविल सर्जन भोजपुर डॉ. के. एन. सिन्हा, संगीत विदुषी डॉ. जया जैन, रंगकर्मी श्री अशोक मानव, जैन कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. चंद्रशेखर साहा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया।

इस अवसर पर भोजपुर के सिविल सर्जन डॉ. के.एन. सिन्हा ने कहा कि पंडित बिरजू महाराज का कृतित्व ही लय का चौथा स्तंभ है। संगीत के क्षेत्र में पूरा विश्व पंडित बिरजू महाराज से परिचित है। पंडित बिरजू महाराज के योगदान को देखते हुये भारत सरकार को भारत रत्न से विभूषित करना चाहिये। इस अवसर पर मशहूर कथक नृत्यांगना आदित्या श्रीवास्तव ने अपने समूह के साथ महाराज जी को साढ़े छः मात्रा में कई कंपोजीशन समर्पित किया। इसके पूर्व गौरी, अमृता व अंजली ने महाराज जी द्वारा रचित ठुमरी 'सांवरा गिरधर मोहे मन भायो रे' प्रस्तुत कर समां बांधा। वहीं कथक नर्तक सह बीपीएस द्वारा चयनित नवनियुक्त नृत्य अध्यापक श्री अमित कुमार व सुश्री स्नेहा पाण्डेय ने तीन ताल में उपज, ठाट, आमद, परन व तिहाई प्रस्तुत कर तालियां बटोरी। आदित्या श्रीवास्तव ने साढ़े छः मात्रा में परन, नटवरी टुकड़ा, तिहाई, गोपुच्छा, अनागत के बोल व गजल " हर समां बुझने से पहले भड़कती जरूर है" पर भाव अभिनय प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर चित्रकार सह शिक्षा विभाग वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सुकेश कुमार के नेतृत्व में चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। आस्था अंजलि, आयुषी कुमारी, तनु प्रिया, वंशिका, अंशिका कुमारी, अनिशा कुमारी, महिमा कुमारी, शुभम कुमार, दिव्यांशी कुमारी, अविनाश कुमार, वैष्णवी केसरी व अभिनव राज की अद्भुत कलाकृति देखकर श्रोता भाव विभोर हो उठे। चर्चित गायिका सह शिक्षिका कावेरी मोहन व रंगकर्मी सुश्री स्वयंबरा बक्शी ने सभी कलाकारों को स्मृति चिन्ह व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। हारमोनियम पर संगत अजीत पाण्डेय ने किया। मंच संचालन बक्शी विकास व धन्यवाद ज्ञापन आयोजन अध्यक्ष श्री अशोक मानव ने किया।

मध्याह्न भोजन के नाम पर विद्यालय के बच्चों का हुआ अंडा घोटाला

प्रखंड में एमडीएम निदेशक व के के पाठक के आदेशों की उड़ी धज्जियां

प्रात : किरण संवाददाता

दावथ (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के बभनौल गांव स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में मध्याह्न भोजन के नाम अंडा घोटाला करने का एक मामला प्रकाश में आया। ज्ञात हो कि राज्य सरकार द्वारा भीषण ठंड मौसम को लेकर सरकारी योजना के तहत पत्र संख्या 290 के आलोक में बिहार के सभी सरकारी विद्यालयों को सख्त निर्देश देते हुए प्रतिदिन मध्याह्न भोजन में विद्यालय के बच्चों में भोजन के वक्त एक अंडा देना अनिवार्य है।

दावथ प्रखंड क्षेत्र के राजकीय मध्य विद्यालय बभनौल में सूत्रों से मिली जानकारी तहत मध्याह्न भोजन में बच्चों की थाली से अंडा निरंतर गायब रहता है। इस संबंध में जब कुछ मीडिया की टीम विद्यालय पहुंच प्रधानाध्यापिका कुमारी रीता से पूछा गया तो उन्होंने टालमटोल करते हुए स्पष्ट जवाब नही दे सकी।

प्रतिदिन मध्याह्न भोजन से गायब रहता है अंडा : इस संबंध में जब राजकीय मध्य विद्यालय में भोजन कर रहें बच्चों से पूछा गया तो उन्होंने साफ लब्जो में बताया की प्रधानाध्यापिका कुमारी रीता द्वारा कभी कभार ही भोजन में अंडा दिलाती है। जिसका शिकायत करने पर वह बच्चों को डाट फटकार तक लगाने लगती है। जबकि एमडीएम निदेशक मिथलेश मिश्रा के द्वारा ठंड के प्रकोप को देखते हुए 27 जनवरी से 17 फरवरी तक प्रत्येक दिन मेनू अनुसार बच्चों को 6 रू प्रति अंडा सहित मौसमी फल देने का आदेश भी जारी किया गया है।

बच्चों की फर्जी उपस्थिति बना होती है मध्याह्न राशि गबन : मध्याह्न भोजन के नाम पर दूसरी तरफ विद्यालय की प्रधानाध्यापिका कुमारी रीता सैकड़ों बच्चों की फर्जी उपस्थित दर्ज कर राशि गबन करने का मामला प्रकाश में आया है। इस संदर्भ में जब मीडिया ने पूछा तो उसने बताया कि वह बच्चों की उपस्थिति सूची घर पर जाकर विद्यालय के नामांकित रजिस्टर सूची में दर्ज करती है। जो सोचिए बात है की बच्चें विद्यालय में होते है और उनकी उपस्थिति सूची घर पर बनती है। जो प्रधानाध्यापिका की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करते हुए विद्यालय के सरकारी राशि गबन की तरफ इशारा कर रही है। जो अब पदाधिकारियों के बीच जांच का विषय है

क्या कहते हैं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी : इस संबंध में दावथ प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी आनंद कुमार ने बताया कि इस ममालें की जानकारी मिलते ही इसकी जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिस जांच में प्रधानाध्यापिका सहित इसमें संलिप्त सभी दोषियों पर हर हाल में कार्रवाई होगी।

जल निकाय एवं धार्मिक स्थलों के अतिक्रमण को लेकर किसानों में आक्रोश

पीएनसी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के बेस कैंप पर लग सकता है ताला

प्रात : किरण संवाददाता

- मसोई गांव के किसानों ने जल निकाय एवं धार्मिक स्थलों की भूमि अतिक्रमण को लेकर जिलाधिकारी को दिया आवेदन

चांद : भारत माला परियोजना के तहत वाराणसी रांची टु कोलकाता एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिए पीएनसी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के द्वारा बनाए जा रहे बेस कैंप पर ताला लटक सकता है। कंपनी ने के विरुद्ध दर्जनों किसानों ने जिलाधिकारी को आवेदन देकर कम्पनी पर जल निकाय एवं धार्मिक स्थलों का अतिक्रमण करने का आरोप लगाया है किसानों ने आवेदन में लिखा है कंपनी के द्वारा जल निकासी का अतिक्रमण करने से दर्जनों किसानों की गेंहू फसल की सिंचाई नहीं हो पा रही है।

किसानों ने कहा जिससे कई किसानों का आर्थिक नुक्सान हो रहा है। आवेदन में आस्थावान भक्तों को महावीर मंदिर एवं मजार पर जाना अवरूद्ध हो गया है।इसे लेकर गांव मसोई कुरूई आदि गांवों में तनाव फैला हुआ है। किसानों ने जिलाधिकारी से कारवाई करने की मांग की है। पीएनसी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में इसे लेकर भय बना हुआ है।

मामला प्राशसनिक झेमैल में पड़ सकता है।बेस कैंप का विरोध कर रहे किसानों ने 34 वां दिन अनिश्चितकालीन धरना जारी रखा। किसान पिछले 2 जनवरी से पीएनसी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मुख्य गेट पर अनिश्चितकालीन धरना दे रहे हैं। किसानों ने भारत माला परियोजना एक्सप्रेस-वे निर्माण में भूमि अधिग्रहण में कम मुआवजा दिए जाने का विरोध कर रहे हैं। भारत माला परियोजना में बनारस रांची टु कोलकाता एक्सप्रेस-वे निर्माण में कैमूर जिले के 93 मौजा का सैकड़ों किसानों का हजारों एकड़ भूमि अधिग्रहण की गई है। किसानों का आरोप है भूमि अधिग्रहण में भूमि की प्रकृति निर्धारण सही नहीं हुआ है। किसानों ने कहा 2013 सर्किल रेट पर मुआवजा किसानों को देना न्यायसंगत नहीं है। किसान प्रति एकड़ एक करोड़ 28 लाख रुपए मुआवजा की मांग कर रहे हैं। अनिश्चितकालीन धरना में पशुपति नाथ सिंह अमित रंजन सिंह श्याम सुन्दर सिंह अवधेश सिंह राजू भुपेंद्र सिंह पप्पू चौबे यशवंत सिन्हा अशोक कुमार आदि किसान उपस्थित थे।

भोजपुर सड़क हादसे में बाइक सवार अधेड़ जख्मी

आरा। भोजपुर जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र के बहरी गांव के समीप रविवार की सुबह सड़क हादसे में बाइक सवार एक अधेड़गं भीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए गड़हनी पीएचसी से आरा सदर अस्पताल ले गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मी अधेड़ गड़हनी थाना क्षेत्र के गड़हनी गांव निवासी स्व.मोहर्रम अली के 44 वर्षीय पुत्र शफीक अंसारी है। इधर जख्मी अधेड़ के परिजन ने बताया कि रविवार की सुबह वह बाइक पर सवार होकर सिकरहटा क्षेत्र के मोआप कला किसी जरूरी काम से गए थे। जब वह बाइक से वापस गांव लौट रहे थे। उसी बीच बहरी गांव के समीप उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए गड़हनी पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाया गया।

बहुजन समाज पार्टी विधानसभा स्तरीय एकदिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

कैमूर। बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में रविदास आश्रम भभुआ में विधानसभा स्तरीय एक दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन संपन्न हुआ। प्रशिक्षण शिविर के मुख्य अतिथि केंद्रीय बसपा बिहार प्रभारी डॉक्टर लालजी मेंघाकर, बसपा बिहार प्रदेश अध्यक्ष शंकर महतो, बसपा प्रदेश महासचिव विकास सिंह उर्फ लल्लू पटेल ने प्रशिक्षण मैं आए भागियों को कहा कि गांव की और बसपा चले। बसपा की कारवां गांव-गांव तक जाए उन्हें संगठित करके पार्टी नीतियों को बताएं। प्रशिक्षण में कहा गया कि बहुजन महानायकों के विचारधारा पर चलने वाले राष्ट्रीय पार्टी है देश का विकल्प बहुजन समाज पार्टी है बहुजन समाज पार्टी के सभी कार्यकर्ता संगठित होकर ग्रामीण क्षेत्र को मजबूत करें। प्रशिक्षण में कहा गया आप कोई पदाधिकारी नहीं है, हम सभी एक कार्यकर्ता हैं कार्यकर्ता का दायित्व होता है पार्टी नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाएंगे। प्रशिक्षण शिविर में अरुण कुमार राम, राम इकबाल राम, बलराम प्रसाद, बृजेश कुमार, राजवंश कुशवाहा, विपिन यादव, राजेंद्र राम, नथुनी राम, अजीत पटेल, धर्मेंद्र कुमार, नंदलाल राम सहित सैकड़ो कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया।

धर्मपुरा में सार्वजनिक चबूतरे का जिप सदस्य विकास सिंह ने किया उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

कैमूर। भभुआ प्रखंड के धर्मपुरा गांव में सार्वजनिक चबूतरा का उद्घाटन जिला परिषद सदस्य विकास सिंह ने किया। जिला परिषद सदस्य ने बताया कि बिहार राज्य षष्टम वित्त आयोग के तहत अपने जिला परिषद निधि से गांव में सार्वजनिक चबूतरे का निर्माण कराया है चुनाव जीतने से पहले मैंने वादा किया था कि गांव में सार्वजनिक चबूतरा का निर्माण कराऊंगा,चौतरा नहीं होने से गांव की ग्रामीणों को काफी परेशानी होती थी कोई भी सांस्कृतिक कार्यक्रम या बैठक करने के लिए जमीन पर या गांव से खाट और चौकी की व्यवस्था करके ग्रामीण किसी तरह बैठक या कार्यक्रम करते थे।

उन्होंने कहा कि बच्चों को सार्वजनिक जगह पर कोई भी गांव स्तर का प्रोग्राम भी करने में दिक्कत होता था।चबूतरा के निर्माण से ग्रामीणों में खुशी देखने को मिल रही है महिलाओं का सामूहिक बैठक या पुरुष को बैठक एवं छात्राओं के लिए भी चबूतरा कोई भी क्विज प्रतियोगिता समय-समय से होने वाले त्योहारों में कार्यक्रमों का आयोजन में संस्कृत कार्यक्रम करने में अब ग्रामीण सहज महसूस करेंगे। गांव के ग्रामीणों के द्वारा भव्य स्वागत करते हुए फूल मालाओं से जिला परिषद सदस्य विकास सिंह उर्फ लल्लू पटेल को ग्रामीणों ने खूब स्वागत किया और धन्यवाद दिया। वही मौके पर बिहारी चौरसिया, विपिन विश्वकर्मा, मीव पंचायत के सरपंच मिठाई लाल चौरसिया, बेलास चौरसिया, बालेश्वर बिंद सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सीआरपीएफ जवान के घर मातमपुर्सी में पहुंचे

बिक्रमगंज (रोहतास) पूर्व केंद्रीय मंत्री व रालोजद सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा ने रविवार को सीआरपीएफ जवान के घर जाकर मातमपुर्सी किया। पूर्व मंत्री ने 30 जनवरी को छत्तीसगढ़ के सुकमा में पदस्थापित सीआरपीएफ जवान रौशन सिंह की हुई मौत पर उनके घर लक्ष्मणपुर जाकर शोक संवेदना व्यक्त किया। उन्होंने रौशन के पिता हरिचरण साह और उनके परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया। साथ ही सीआरपीएफ जवान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। परिजनों ने पूर्व मंत्री से रौशन की आत्महत्या की बात को गलत बताया और कहा कि वह ऐसा कर ही नहीं सकता। उन्होंने इसकी जांच की मांग किया। पूर्व मंत्री ने कहा कि आपलोगों को संदेह है तो सीआरपीएफ के महानिदेशक को पत्र भेजिए व उसकी प्रतिलिपि उन्हें भी दीजिए जिसे मैं अपने स्तर से भी वरीय अधिकारियों को भेजकर निष्पक्ष जांच की मांग करूंगा। पूर्व मंत्री के साथ कपिल कुमार, रिंकू सोनी, अनंत कुमार गुप्ता, बसंत चौधरी, अखिलेश सिंह, आदि थे।

निवर्तमान थानाध्यक्ष की हुई विदाई, नए थानाध्यक्ष संभाला पदभार

प्रात : किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास) थाना परिसर में रविवार को निवर्तमान थानाध्यक्ष का विदाई समारोह तथा नए थानाध्यक्ष ने पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम में थाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधि समाजसेवी सह अन्य लोगो ने भाग लिया। इस दौरान निवर्तमान थानाध्यक्ष आदित्य कुमार को विदाई एवं नवपदस्थापित थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने अपना पदभार संभाला। इस दौरान निवर्तमान थानाध्यक्ष को फूल माला से सम्मानित किया। वही कई पुलिस कर्मियों ने कहा कि इन्होंने अन्य थाना प्रभारियों के लिए अपनी कार्य शैली से प्रेरणा देने का कार्य किया है। निवर्तमान थानाध्यक्ष ने लोगों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यहां के लोगों का हर कार्य में सहयोग मिल रहा था। सहयोग के बल पर ही हर कार्य को अंजाम तक पहुंचाया गया। नए थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने अपना पद ग्रहण करते हुए थाना क्षेत्र के सभी चौकीदारों की सभा बुलाया और कहा कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए शांतिपूर्ण और भय मुक्त वातावरण में स्वच्छ एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के मुख्य उद्देश्य के साथ, शराबबंदी व अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाना पहली प्राथमिकता होगी। वही विदाई समारोह के भावुक समय पर कई एसआई, पीएसआई व अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

रेडक्लिफ लैब फ्रेंचाइजी का हुआ उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

नावानगर (बक्सर) थाना क्षेत्र स्थित सिंह मेडिकल एजेंसी के बगल में रेडक्लिफ लैब के फ्रेंचाइजी का भव्य शुभारंभ हुआ। जिसका उद्घाटन विद्वान पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ समाजसेवी गुलबिया कुंवर द्वारा फीता काटकर किया गया।साथ ही सभी आगत अतिथियों का स्वागत प्रोपराइटर अधिवक्ता पंकज राज शेखर सिंह द्वारा माला पहनकर व अंग वस्त्र देकर किया गया।इस क्रम में जानकारी देते उन्होंने बताया कि रेडक्लिफ लैब के नावानगर के शाखा में अमेरिकन टेक्नोलॉजी के तहत अनुभवी चिकित्सकों तथा कुशल लैब टेक्नीशियन द्वारा कुल 3600 प्रकार की जांच की सुविधा उपलब्ध है।साथ ही फुल बॉडी चेकअप 399 से 2299 तक होगा। लैब के शुभारंभ में मुख्य रूप से मेजर डॉ गुरुबचन सिंह यादव, पूर्व सैनिक रामाशंकर सिंह, रंजीत सिंह,अशोक सिंह,सत्यनारायण सिंह,विकास सिंह कुशवाहा,अमन सिंह कुशवाहा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

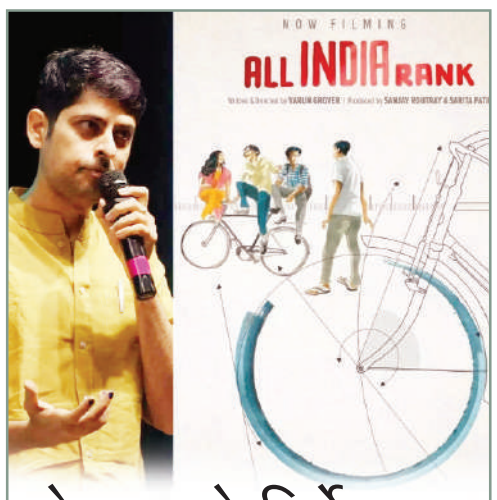

लेखक से निर्देशक बने वरुण ग्रोवर

वरुण ग्रोवर बॉलीवुड के चर्चित लेखकों में से एक हैं। वे चाहे फिल्म लिखें या सीरीज, वे जो भी लिखते हैं उसका हिट होना तय है। वरुण के लेखन का जलवा हम सेक्रेड गेम्स और मसान जैसी फिल्मों में देख चुके हैं। अब जल्द ही वरुण एक नई भूमिका में दिखाई देने वाले हैं। लेखक ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल से इस बात का खुलासा किया है। हम कागज नहीं दिखाएंगे जैसी कविता लिख कर वरुण रातों रात चर्चा में आ गए थे। एक लेखक के तौर पर बॉलीवुड में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। अब वरुण निर्देशक बनने वाले हैं। वरुण फिल्म ऑल इंडिया रैंक से एक डायरेक्टर के तौर पर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। लेखक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से अपनी फिल्म ऑल इंडिया रैंक के पोस्टर को साझा किया है। एक निर्देशक के तौर पर वरुण का जलवा देखने के लिए उनके फैंस बेहद उत्साहित हैं।

ऑल इंडिया रैंक की रिलीज डेट

गीतकार वरुण ग्रोवर निर्देशक के तौर पर अपनी नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। वरुण ने फैंस के साथ अपनी खुशी को साझा करते हुए लिखा है, 90 के दशक की दोस्ती, प्यार और प्रतियोगी परीक्षाओं की एक कहानी, जिसे मैंने निर्देशित किया है। उन्होंने आगे फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा किया है। 23 फरवरी 2024 को यह फिल्म रिलीज होगी। उससे पहले 5 फरवरी को इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा।

ऑल इंडिया रैंक की स्टार कास्ट

वरुण ग्रोवर के लिए यह फिल्म बेहद खास है। उन्होंने ऑल इंडिया रैंक को निर्देशित करने के अलावा इसे लिखा भी है। वरुण की इस फिल्म में बोधिसत्व शर्मा, समता सुदीक्षा, शशि भूषण, गीता अग्रवाल और शीबा चड्ढा जैसे मंझे हुए कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। 23 फरवरी को रिलीज होने वाली इस फिल्म को देखने के लिए दर्शकों में अभी से ही काफी उत्साह दिखाई दे रहा है।

सनफ्लावर 2 में नजर आएंगी अदा शर्मा

कहानी में एक रोमांचक मोड़ जोड़ते हुए, दूसरे सीजन में अदा को एक बार डांसर के रूप में पेश किया गया है, और उनकी एंट्री शो में एक नई गतिशीलता जोड़ने का वादा करती है। अपनी भूमिका रोजी के बारे में बात करते हुए अदा ने कहा, मुझे नहीं पता कि मुझे अभी तक अपने किरदार के पेशे के बारे में कुछ भी बताने की अनुमति है या नहीं। यह रहस्य को दूर कर सकता है। लेकिन, मैं एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभा रही हूं जो दुष्ट है, फिर भी प्यारा है, वह डरावनी भी है। भूमिका की तैयारी के लिए मैंने सिलसिलेवार हत्यारों और मनोरोगियों पर बहुत सारी वृत्तचित्र भी देखें। अभिनेत्री ने कहा, यह भूमिका निश्चित रूप से शालिनी से बहुत अलग होगी। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि निर्माता मुझे विभिन्न भूमिकाओं में देख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, एक अभिनेत्री के रूप में मैंने रोजी का किरदार पढ़ा और मैं बहुत उत्साहित थी कि विकास बहल और चैताली ने एक ऐसी लड़की के लिए किरदार लिखा है, जो अजीब, डरावनी और बुरी है। उन्होंने आगे कहा, अपनी भूमिका को जीवन में लाने के लिए मैंने मनोरोगी सीरियल किलर और कई व्यक्तित्व विकारों वाले व्यक्तियों के बारे में जाना। हथौड़े से दीवारें तोड़ना सीखने के लिए मुझे एक श्रमिक के रूप में शारीरिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

अभिनेत्री अदा शर्मा सनफ्लावर के दूसरे सीजन में एक करिश्माई बार डांसर की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने अपनी डरावनी भूमिका के बारे में खुलकर बात की। विकास बहल द्वारा निर्मित और नवीन गुजराल द्वारा निर्देशित इस शो में सुनील ग्रोवर मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ आशीष विद्यार्थी, रणवीर शौरी, मुकुल चड्ढा और गिरीश कुलकर्णी भी प्रमुख भूमिका में हैं।

ओटीटी ने कई लोगों को स्टार बनाया

1990 के दशक में बड़े पर्दे पर राज करने वाली एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी अपने काम से ओटीटी पर छा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक बड़ी बात है कि वह खुद को फिर से आगे बढ़ाने में सक्षम हैं। यह पूछे जाने पर कि ओटीटी स्पेस पर सुखी और इंडियन पुलिस फोर्स जैसी प्रोजेक्ट्स के साथ जुड़ना कैसा लगता है, शिल्पा ने आईएएनएस से कहा, अलग-अलग प्लेटफार्मों के जरिए अपने काम से दर्शकों को हैरान करना, उनका प्यार पाना, उनके द्वारा पसंद किया जाना अच्छा लगता है। मैं इसे एक बड़ी प्रशंसा के रूप में लेती हूं कि मैं खुद को फिर से आगे बढ़ाने में सक्षम हूं। शिल्पा ने टैलेंट को सामने लाने के लिए ओटीटी सीन्स की प्रशंसा की। कोविड के समय में ऐसे कई सितारे थे, जो इस प्लेटफॉर्म द्वारा बनाए गए थे, एक उदाहरण पंकज त्रिपाठी हैं, इतने लंबे समय तक इंडस्ट्री में रहने के चलते लोगों ने उनके टैलेंट को देखा। उनके टैलेंट में स्टार क्वालिटी थी और विक्रांत मैसी जैसे कई सितारे उनमें से कुछ हैं। मैं कहूंगी कि ओटीटी ज्यादा लोगों और दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचता है। इसलिए, आप यह नहीं आंक सकते कि ओटीटी एक एक्टर की प्रोफ़ाइल में क्या लाता है। शिल्पा का लेटेस्ट प्रोजेक्ट रोहित शेट्टी की सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स है। फिल्म निर्माता की यह एक्शन-थ्रिलर कॉप यूनिवर्स पर आधारित है। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओबेरॉय भी हैं।

दूसरी शादी के बाद इंडस्ट्री में कमबैक करना चाहती हैं दलजीत

दलजीत कौर ने पिछले साल मार्च के महीने में दूसरी शादी की थी। दलजीत कौर ने बिजनेसमैन नीखिल पटेल से शादी रचाई थी और आज अपनी खुशहाल जीवन व्यतीत कर रही हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने अभिनय में कमबैक करने की इच्छा जाहिर की है। अभिनेत्री ने कहा कि मैंने 2004 में अपने करियर की शुरुआत की थी, 28 से ज्यादा टीवी शोज भी किए हैं। दलजीत ने आगे इच्छा जताई कि वे अब टीवी में फिर से वापसी करना चाहती हैं। अभिनेत्री के फैंस इस खबर को सुनकर काफी उत्साहित हैं।

एनिमल को मिली आलोचनाओं से बेहद खुश हैं रश्मिका मंदाना

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना बीते वर्ष फिल्म एनिमल में नजर आईं। सबसे सफल हिंदी फिल्म बनकर उभरी एनिमल ने रश्मिका के करियर को नए पंख दिए हैं। हालांकि, यह फिल्म बेशुमार सफलता और कमाई ही नहीं, अपने साथ तमाम विवाद भी लेकर आई। फिल्म को महिला विरोधी बताया गया और हिंसक दृश्यों पर सवाल खड़े हुए। एनिमल को लेकर हुईं तमाम बहसों पर रश्मिका मंदाना ने प्रतिक्रिया दी है।

ऐसी ही प्रतिक्रियाओं की थी उम्मीद

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान रश्मिका मंदाना ने खुलासा किया कि फिल्म को मिली इन मिली-जुली प्रतिक्रियाओं के लिए पूरी टीम पहले से तैयार थी। रश्मिका मंदाना ने कहा कि टीम को ऐसी प्रतिक्रियाओं की ही उम्मीद थी। उन्होंने आगे कहा, हम हमेशा से जानते थे कि इस पर मिलीजुली बातचीत होगी और ईमानदारी से कहूं तो मैं इससे बहुत खुश हूं, क्योंकि हर किसी की राय और नजरिया अलग-अलग हैं। विचारों की विविधता पर जोर देते हुए रश्मिका ने कहा, आप हर किसी को एक ही चीज सोचने के लिए नहीं कह सकते हैं या हर किसी से एक निश्चित तरीके से कुछ सोचने की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। लोगों की अपनी राय होती है। रश्मिका ने फिल्म पर हुई अलग-अलग तरह की चर्चाओं पर आगे कहा, मुझे वास्तव में खुशी है कि एनिमल जैसी फिल्म को लेकर कई तरह से चर्चा हो रही है।

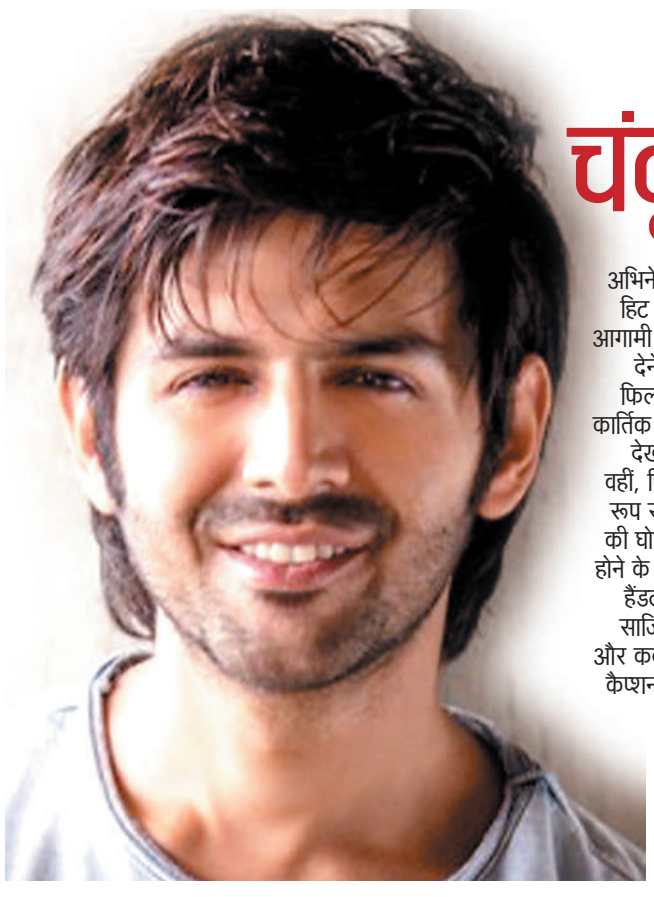

कार्तिक ने पूरी की चंदू चैंपियन की शूटिंग

अभिनेता कार्तिक आर्यन इस समय बैक टू बैक हिट फिल्मों पर काम कर रहे हैं। कार्तिक की आगामी फिल्म चंदू चैंपियन सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। वहीं, अभिनेता की अगली फिल्म आशिकी 3 की घोषणा भी हो चुकी है। कार्तिक के फैंस उन्हें इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं, फिल्म के निर्माताओं ने आज आधिकारिक रूप से फिल्म चंदू चैंपियन की शूटिंग पूरी होने की घोषणा की है। चंदू चैंपियन की शूटिंग खत्म होने के बाद निर्माताओं ने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से एक तस्वीर साझा की है। तस्वीर में साजिद नाडियाडवाला के साथ कार्तिक आर्यन और कबीर खान नजर आ रहे हैं। पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा है, साल की सबसे बड़ी फिल्म के लिए खुद को तैयार रखें। साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान निर्देशित फिल्म चंदू चैंपियन में कार्तिक आर्यन ने मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। यह फिल्म 14 जून 2024 को रिलीज होगी।

सोशल मीडिया यूजर्स की प्रतिक्रिया साजिद नाडियाडवाला के साथ कार्तिक आर्यन और कबीर खान की नई तस्वीर को देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, एक फ्रेम में तीन दिग्गज बॉक्स आफिस पर राज करने जा रहा है। वहीं, दूसरे ने कहा, चंदू चैंपियन का इंतजार नहीं कर सकते। जबकि एक तीसरे सोशल मीडिया यूजर्स ने कहा, हम चैंपियन को देखने के उत्साहित हैं। कार्तिक की फिल्म के बारे में बात करें, तो चंदू चैंपियन को साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है।

लेट्स सी यू एट 21 में शामिल हुईं कंगना

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे ट्रेंड लेट्स सी यू एट 21 में बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत भी शामिल हो गई हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने परिवार को आर्थिक समर्थन भी दे रही हैं। कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की, जब वह 21 साल की थीं। उन्होंने लिखा, मैं लेट्स सी यू एट 21 के चलन को अपना रही हूं। इसके बाद अभिनेत्री ने अपनी एक फोटो शेयर की और लिखा, बेबी फैट फेस। आखिरी तस्वीर में उन्होंने बताया कि जब वह 21 साल की थीं, तब उन्होंने क्या-क्या किया, जिसमें 2008 में फैशन के लिए पुरस्कार जीतना और अपने परिवार की आर्थिक मदद करना शामिल है। उन्होंने कहा, मुझे खुद पर बहुत गर्व है, 21 साल की उम्र में मैं अपने परिवार को आर्थिक रूप से समर्थन कर रही थी। कंगना को पिछली बार तेजस में देखा गया था, वह अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी की रिलीज के लिए तैयार हैं, जहां वह भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म में अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक भी हैं। यह 14 जुलाई को रिलीज होने वाली है।

तमन्ना के साथ शादी पर बोले विजय वर्मा

विजय वर्मा इन दिनों अपकमिंग फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं। हालांकि, इसके बावजूद उन्होंने इंस्टाग्राम पर सेशन रखा और अपने फैंस से मुखातिब हुए। इस सेशन में एक फैन ने उनसे पूछा- शादी कब रहे? इस पर विजय ने मजाकिया जवाब देते हुए लिखा- मेरी भतीजी पहले ही मां से यह सवाल पूछ रही है और मैंने इसे हैदराबादी में भी सुना है। तमन्ना और विजय अपनी डेटिंग की खबर से सुर्खियों में बने रहते हैं। उम्मीद है कि दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंध जाएंगे।

रोमांटिक रोल में दिखेंगे विजय

इस सेशन में एक फैन ने उनसे रोमांटिक किरदार बेस्ड प्रोजेक्ट के बारे में भी पूछा। फैन ने लिखा- हम आपको अगली बार रोमांटिक रोल में कब देख रहे हैं? विजय ने कहा- बहुत जल्द! इसकी तैयारी चल रही है, तब तक.. जाने जां के अनकहे रोमांस का आनंद लीजिए एक फैन ने उनसे वेब सीरीज शी और फिल्म डार्लिंग्स के बीच सबसे कठिन किरदार चुनने के लिए कहा, जहां उन्हें सास्या और हमजा के रोल में देखा गया था। इसके जवाब में विजय ने दोनों प्रोजेक्ट्स की एक-एक फोटो शेयर की, जिसमें वो अपने को-स्टार के नजर आ रहे थे। साथ ही उन्होंने लिखा- दोनों ही रोल मुश्किल भरे, चूंकि मैंने पहले शी को शूट किया था, जिससे कैरेक्टर को बिल्ड करने का समय मिला।

परिवार वाले चाहते हैं कि तमन्ना जल्द शादी कर लें

पिछले साल की एक रिपोर्ट्स के मुताबिक, तमन्ना और विजय शादी करने का प्लान बना रहे हैं। दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंधना चाहते हैं। कई रिपोर्ट्स का यह भी कहना है कि तमन्ना पर परिवार वाले जल्द शादी करने का दबाव बना रहे हैं। शायद यही वजह रही है कि उन्होंने भोला शंकर के बाद दूसरी कोई भी फिल्म साइन नहीं की है। विजय के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार सुजॉय घोष के डायरेक्शन में बनी फिल्म जाने जां में जयदीप अहलावत और करीना कपूर खान के साथ देखा गया था। अब, वो अपनी फिल्म उल जलूल इश्क की शूटिंग में बिजी हैं। टीम के साथ वो इस फिल्म की शूटिंग पंजाब के अमृतसर और पटियाला में कर रहे हैं।

बैलेंस एडवांटेज फंड से पाएं कम रिस्क में बेहतर रिटर्न

नई दिल्ली। बीते एक साल से मार्केट में काफी तेजी देखने को मिल रही है। ऐसे में लोगों की बाजार में दिलचस्पी बढ़ी है। लेकिन स्टॉक मार्केट में सीधे निवेश का मतलब है, रिस्क। ऐसे में फंड की सुरक्षा के साथ-साथ बेहतर रिटर्न के लिए बैलेंस्ड एडवांटेज फंड (BAF) एक बेहतर ऑप्शन हो सकता है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश का मौका

नई दिल्ली। सरकार आपको एक बार फिर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने का मौका दे रही है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2023-24 के तहत 12 से16 फरवरी तक सोने में निवेश का मौका मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

मोरपेन लेबोरेटरीज लिमिटेड के वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही के एबिटडा में 151 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि

मुंबई, एजेंसी। मोरपेन लेबोरेटरीज लिमिटेड एक्टिव फार्मास्यूटिकल इनग्रेडिएंट्स (एपीआई) के ब्रांडेड और जेनेरिक फॉर्मूलेशंस और होम हेल्थ प्रोडक्ट्स के विस्तृत रेंज के निर्माण, प्रोड्यूसिंग, डेवलपिंग, मार्केटिंग के बिजनेस में प्रवृत्त है. कंपनी ने वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, मोरपेन लेबोरेटरीज लिमिटेड के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री सुशील सूरी ने कहा, तेजी से बढ़ते हुए फार्मास्यूटिकल बाजार की पृष्ठभूमि में हमारे उत्पादों की जोरदार मांग दिखाई दे रही है. लागत नियंत्रण उपायों पर समर्पित फोकस के मार्फत हमने एबिटडा में 151 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि और शुद्ध लाभ में उल्लेखनीय 256 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की. हमारे द्वारा दोनों घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में लचीली उपस्थित बरकरार रखे जाने से हम भावी ग्रोथ सुअवसर के बारे में आशावादी है. हमारी सफलता की जड़े निरंतर प्रोडक्ट डेवलपमेंट पहल और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में विस्तार व्यूहनीति में निहित है. ध्यान देने योग्य बातों में बौद्धिक संपदा में वृद्धि, नए एपीआई का सफल डेवलपमेंट और व्यूहात्मक क्षमता विस्तार का समावेश है. ये पहल इनोवेशन और ग्रोथ के साथ-साथ डायनेमिक फार्मास्यूटिकल उद्योग में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में मोरपेन की पोजीशन मजबूत करने के लिए हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता में दिखाई देती है.

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स और क्यूएआई ने 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस इन क्रॉलिटी एंड पेशेंट सेफ्टी इन स्ट्रोक केयर स्थापित करने के लिए साझेदारी की

अहमदाबाद एजेंसी। मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स और क्वालिटी एवं एक्रिडिटेशन इंस्टीट्यूट ने अहमदाबाद के मैरिंगो सिम्स अस्पताल में अत्याधुनिक 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस इन क्रॉलिटी एंड पेशेंट सेफ्टी इन स्ट्रोक केयर स्थापित करने के लिए हाथ मिलाया है। इस साझेदारी का उद्देश्य स्ट्रोक देखभाल उपचार को बढ़ाना है, साथ ही अहमदाबाद एवं गुजरात राज्य मे स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस साझेदारी के लिए मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स के मेनेजिंग डायरेक्टर और ग्रुप सीईओ डॉ. राजीव सिंघल और क्रॉलिटी एवं एक्रिडिटेशन इंस्टीट्यूट के चीफ एक्सिक्यूटिव ऑफिसर डॉ. बी के राणा द्वारा किया गया था । डॉ राजीव सिंघल, मेनेज़िंग डायरेक्टर और ग्रुप सीईओ, मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स कहते हैं, स्ट्रोक मैनेजमेंट के महत्वपूर्ण क्षेत्र में, उत्कृष्टता प्राप्त करना एक समर्पित जिम्मेदारी है। मैरिंगो सिम्स अस्पताल में न्यूरोसाइंसेज में एडवांस उत्कृष्टता केंद्र ने स्ट्रोक मैनेजमेंट में लगातार अद्वितीय मरीज़ देखभाल प्रदान की है। स्ट्रोक देखभाल के सारवार को बढ़ाने के लिए, अस्पताल ने गुजरात और उसके बाहर न्यूरोलॉजिस्ट के लिए स्ट्रोकोलॉजिस्ट कार्यक्रम शुरू किया। इस साझेदारी के माध्यम से, हमारा उद्देश्य एडवांस स्ट्रोक केंद्रों और प्रायमरी स्ट्रोक केंद्रों को शामिल करते हुए एक हब एंड स्पोक मॉडल स्थापित करना है। हम स्ट्रोक मरीजों के क्लिनिकल मैनेजमेंट में प्रशिक्षण प्रदान करके और मान्यता मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करके इन केंद्रों में स्ट्रोक टीमों की क्षमता निर्माण में सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। यह सुनिश्चित करता है कि स्ट्रोक के प्रभाव को कम करने के लिए स्ट्रोक से प्रभावित मरीजों को गोल्डन ऑवर के भीतर सही उपचार दिया जाए क्योंकि हर जीवन मायने रखता है, हर मिनट मायने रखती है।

विदेशी निवेशकों ने डेट मार्केट में किया 19,800 करोड़ रुपये का बंपर निवेश

नईदिल्ली, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जनवरी में देश के ऋण या बॉन्ड बाजार में 19,800 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह बॉन्ड बाजार में एफपीआई के प्रवाह का छह साल में सबसे ऊंचा मासिक स्तर है। भारत सरकार के बॉन्ड को जेपी मॉर्गन इंडेक्स में शामिल किए जाने के बाद एफपीआई का भारतीय बॉन्ड बाजार के प्रति आकर्षण बढ़ा है। वहीं दूसरी ओर एफपीआई ने अमेरिका में बॉन्ड पर यील्ड बढ़ने के बीच जनवरी में भारतीय शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये की निकासी की है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में एफपीआई ने बॉन्ड बाजार में शुद्ध रूप से 19,836 करोड़ रुपये डाले हैं। यह जून, 2017 के बाद उनके निवेश का सबसे ऊंचा मासिक स्तर है। उस समय उन्होंने बॉन्ड बाजार में 25,685 करोड़ रुपये डाले थे।

इससे पहले दिसंबर में एफपीआई ने बॉन्ड में 18,302 करोड़ रुपये, नवंबर में 14,860 करोड़ और अक्टूबर में 6,381 करोड़ रुपये डाले थे। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, भारत के निश्चित आय बाजार में एफपीआई का शुद्ध प्रवाह जून में 2.39 अरब डॉलर

रहा है। भारत सरकार के बॉन्ड को जेपी मॉर्गन इंडेक्स में शामिल किए जाने की वजह से यह निवेश आया है।

जेपी मॉर्गन चेज एंड कंपनी ने पिछले साल सितंबर में घोषणा की थी कि वह जून, 2024 से भारत सरकार के बॉन्ड को अपने उभरते बाजार के बेंचमार्क में जोड़ेगी। इस ऐतिहासिक कदम से इसके बाद के डेढ़ से दो साल में भारत को 20 से 40 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करने में मदद करेगी।

सीतारमण ने की ये घोषणा

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में घोषणा की है कि वित्त वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटे को कम कर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.1 प्रतिशत पर लाया जाएगा। यह घोषणा भी बॉन्ड बाजार की दृष्टि से सकारात्मक है। कुल मिलाकर, 2023 में एफपीआई ने शेयरों में 1.71 लाख करोड़ रुपये और ऋण या बॉन्ड बाजार में 68,663 करोड़ रुपये डाले थे। इस तरह पूंजी बाजार में उनका कुल निवेश 2.4 लाख करोड़ रुपये रहा था।

कैसी रहेगी बाजार की चाल

शेयर बाजार में पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को अच्छी तेजी देखने को मिली थी। बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स 440.33 अंक मजबूत होकर 72,085.63 अंक पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 156.35 अंक चढ़कर 21,853.80 अंक पर रहा था। सेंसेक्स ने 73 हजार का स्तर भी पार कर लिया था और दिन के समय 73,089.40 का हाई लेवल भी छुआ था। हालांकि इसके बाद बाजार में गिरावट देखने को मिली बाजार शुरुआती बढ़त बरकरार नहीं रख सका और अंत में करीब 440 अंकों की बढ़त के साथ बंद हुआ था। बीपीसीएल, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, ओएनजीसी, अडानी पोर्ट्स और एनटीपीसी आज निफ्टी के टॉप गेनर रहे थे। वहीं आयशर मोटर्स, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी लाइफ, एचडीएफसी बैंक और एचयूएल निफ्टी के टॉप लूजर रहे थे।

अमेजन के पांच करोड़ शेयर बेचेंगे जेफ बेजोस

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस अगले 12 महीनों में कंपनी के 50 मिलियन (5 करोड़) शेयरों को बेचने की योजना बना रहे हैं। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 171.8 डॉलर प्रति शेयर की मौजूदा कीमत पर अमेजन के इन शेयरों की कुल वैल्यू 8.6 अरब डॉलर है।

कंपनी की एक नई वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, शेयरों की यह बिक्री योजना पिछले साल 8 नवंबर को शुरू की गई थी और यह प्रक्रिया 31 जनवरी, 2025 तक पूरी हो जाएगी। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उम्मीद से अधिक बिक्री दर्ज करने के बाद अमेजन के शेयर शुक्रवार को लगभग 8 प्रतिशत चढ़ गए। कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद बीती तिमाही में अमेजन की ऑनलाइन बिक्री में सबसे बड़ा इजाफा हुआ है। बीते साल अमेजन के शेयरों में 80 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दिखी थी और इसने बेंचमार्क इंडेक्स एसएंडपी 500 इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया था। बेजोस ने 1994 में अमेजन की स्थापना की थी। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, बेजोस वर्तमान में 185 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं। दूसरी ओर, जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट ने भी पिछले साल अमेजन में अपने 25 प्रतिशतशेयर (6.53 करोड़ शेयर) बेटे थे। अब उनकी अमेजन में हिस्सेदारी घटकर 1.9 प्रतिशत रह गई है। शादी के 25 साल बाद 2019 में जेफ बेजोस और मैकेंजी ने तलाक का एलान किया था।

रेलवे सेक्टर की कंपनियों ने शानदार प्रदर्शन किया

1 साल में पैसा डबल, मची है शेयरों की लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले लगभग एक सालों के दौरान रेलवे सेक्टर की कंपनियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड उन्हीं कंपनियों में से एक है। कंपनी को लेकर अब एक और अच्छी खबर है। दिसंबर तिमाही में रेलवे सेक्टर की इस कंपनी का प्रदर्शन शानदार रहा है। तिमाही नतीजे आने के बाद कंपनी के शेयरों में शुक्रवार को अपर सर्किट लग गया था।

अक्टूबर से दिसंबर 2023 के दौरान कंपनी का कुल रेवन्यू 895.83 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 644.43 करोड़ रुपये रहा था। यानी कंपनी की कमाई में सालाना आधार पर 39 प्रतिशत का

इजाफा हुआ है। नेट प्रॉफिट की बात करें तो उसमें पिछले साल के दिसंबर तिमाही की तुलना में 58 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। दिसंबर क्वार्टर में ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड का प्रॉफिट 81.46 करोड़ रुपये रहा था। पिछले वित्त वर्ष के इसी क्वार्टर में कंपनी का शुद्ध लाभ 44.59 करोड़ रुपये था। शुक्रवार को कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया था। जिसके बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 415 रुपये के लेवल तक पहुंच गया था। हालांकि, बाजार बंद होने के समय इस स्टॉक की कीमत 405.50 रुपये प्रति शेयर थी। पिछले एक महीने के दौरान रेलवे के इस कंपनी के शेयरों का भाव 22 प्रतिशत तक बढ़ चुका है।

ब्रेकफास्ट से लंच के बीच कमा डाले 205 अरब डॉलर...

एक दिन में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कंपनियां

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स ने इस हफ्ते एक नया रेकॉर्ड अपने नाम कर लिया। शुक्रवार को इस कंपनी के शेयरों में 20 प्रतिशतसे अधिक उछाल आई और एक झटके में इसका मार्केट कैप 205 अरब डॉलर बढ़ गया। यह किसी कंपनी के मार्केट कैप में एक दिन में आई सबसे बड़ी उछाल है। दिलचस्प बात है कि एक दिन में मार्केट कैप में सबसे ज्यादा गिरावट का रेकॉर्ड भी मार्क जकरबर्ग की इसी कंपनी के नाम है। यहां हम उन कंपनियों के बारे में बता रहे हैं जिनके मार्केट कैप में एक दिन में सबसे बड़ी उछाल आई है।

इस लिस्ट में पहले नंबर पर फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स है। शुक्रवार को कंपनी का मार्केट कैप 205.3 अरब डॉलर बढ़ गया। इस कंपनी में मार्क जकरबर्ग की 13 प्रतिशतहिस्सेदारी

है। मेटा ने हाल में अपना रिजल्ट जारी किया। कंपनी के नतीजे बाजार की उम्मीदों से कहीं ज्यादा बेहतर रहे। यही वजह है कि कंपनी के शेयरों में तेजी देखी जा रही है।

मेटा से पहले एक दिन में सबसे ज्यादा कमाई का रेकॉर्ड ऐपल के नाम था। आईफोन बनाने वाली इस कंपनी के मार्केट कैप में 10 नवंबर, 2022 को 190.9 अरब डॉलर का इजाफा हुआ था। इसके अलावा भी तीन मौकों पर इस कंपनी का मार्केट कैप 150 अरब डॉलर से अधिक बढ़ा है। ऐपल दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में माइक्रोसॉफ्ट के बाद दूसरे नंबर पर है।

अमेरिका की दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी ऐमजॉन का मार्केट कैप चार फरवरी, 2022 को 190.8 अरब डॉलर बढ़ा था। जेफ बेजोस की यह कंपनी अभी 1.775 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया की चौथी सबसे मूल्यवान कंपनी है। उसके आगे माइक्रोसॉफ्ट, ऐपल और सऊदी अरामको ही हैं। इसकी शुरुआत एक गैराज से हुई थी और आज यह दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी है।

एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया ने पिछले साल 25 मई को लंबी छलांग लगाई थी। उस दिन कंपनी का मार्केट कैप 184.1 अरब डॉलर बढ़ा था। इस अमेरिकी कंपनी की स्थापना ताइवान में जन्मे जेंसन हुआंग ने की थी। आज यह 1.634 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की छठी सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। एआई के बढ़ते चलने से दुनियाभर में चिप की मांग बढ़ी है। इस कारण इस कंपनी के शेयरों में काफी तेजी आई है। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के मार्केट कैप में 13 मार्च, 2020 में 150.4 अरब डॉलर की तेजी आई थी। पिछले साल 26 अप्रैल को भी कंपनी का मार्केट कैप 148.3 अरब डॉलर उछला था।

धनशोधन की चिंताओं, जीएसटी में गड़बड़ी के कारण लगा पेटीएम बैंक पर प्रतिबंध

नईदिल्ली, एजेंसी। धनशोधन संबंधी चिंताओं और वॉलेट पेटीएम तथा इसकी बैंकिंग शाखा के बीच सैकड़ों करोड़ रुपये के संदिग्ध लेनदेन के कारण भारतीय रिजर्व बैंक को विजय शेखर शर्मा की ओर से संचालित इकाइयों पर शिकंजा कसना पड़ा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) को 29 फरवरी के बाद सड़क टोल का भुगतान करने के लिए फास्टैग में अतिरिक्त जमा लेने, क्रेडिट लेनदेन

करने और किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपैड उपकरणों, वॉलेट और कार्ड पर टॉप-अप करने सहित अधिकतर व्यवसाय को रोकने का आदेश दिया है। आरबीआई के मुताबिक, यह कदम व्यापक प्रणाली ऑडिट रिपोर्ट और बाहरी ऑडिटरों की अनुपालन सत्यापन रिपोर्ट के बाद उठाया गया है। इन रिपोर्टों से भुगतान बैंक में लगातार नियमों के गैर-अनुपालन और सामग्री पर्यवेक्षण से जुड़ी चिंताएं सामने आईं। आरबीआई ने पहले 11 मार्च, 2022 को पीपीबीएल को तत्काल प्रभाव से नए ग्राहकों को जोड़ने से रोक दिया था। आरबीआई ने कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक के ग्राहकों को बखातों से शेष राशि की निकासी या उपयोग की अनुमति किसी प्रतिबंध के बगैर दी जाएगी।

250 तक जाएगा सरकारी कंपनी का यह शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी सरकारी कंपनी के शेयर में पैसे लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर हो सकती है। बजट के बाद हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के शेयर पर मार्केट एक्सपर्ट बुलिश हैं और इसे खरीदने की सिफारिश कर रहे हैं। दरअसल, वित्त मंत्री ने 2024 के लिए अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा कि सरकार किराए के घरों, झुग्गियों, चॉलों या अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले मध्यम वर्ग के योग्य वर्ग को अपना घर खरीदने और बनाने में मदद करने के लिए एक योजना शुरू करेगी। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 207.80 रुपये पर बंद हुए थे। पिछले पांच दिन में यह शेयर 23 प्रतिशतचढ़ा है।

कंपनी का बड़ा प्लान

हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के चेयरमैन संजय कुलश्रेष्ठ ने कहा कि अगले वित्त वर्ष से निजी क्षेत्र की रियल एस्टेट कंपनियों के वित्त पोषण पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र अभी भी कोविड महामारी के चलते पैदा हुए संकट का सामना कर रहा है। इस समय हुडको रियल एस्टेट और आवास क्षेत्र के लिए निजी क्षेत्र के कॉरपोरेट का वित्त पोषण नहीं करती है।

अवीवा इंडिया ने लम्बी अवधि में सम्पत्ति सृजन के लिए लॉन्च किया 'अवीवा मिडकैप फंड'

निवेशक रु 10 युनिट कीमत पर 6 फरवरी 2024 तक एनएफओ में निवेश कर सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे भरोसेमंद प्राइवेट लाईफ इंश्योरेन्स कंपनी अवीवा लाईफ इंश्योरेन्स ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए अवीवा मिडकैप फंड का लॉन्च किया है। अवीवा मिडकैप फंड सोच-समझ कर क्यूरेट किया गया पोर्टफोलियो है जो लम्बी अवधि में सम्पत्ति बनाने के लिए पेश किया गया है। इस लॉन्च के साथ निवेशक 6 फरवरी 2024 तक एनएफओ में निवेश कर सकेंगे, इसकी प्रति युनिट कीमत रु 10 है।

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है, ऐसे में लम्बी अवधि के लिए मिडकैप फंड में निवेश का यह सही समय है, जिसमें अच्छे रिटर्न आने की संभावना है।

इस अवसर पर विनीत कपाही, सीनियर वाईस प्रेज़ीडेन्ट और हैड ऑफ मार्केटिंग, अवीवा इंडिया ने इस नए एडीशन में आत्मविश्वास जताते हुए कहा, ''अपनी नई फाइनैंशियल पेशकर- मिडकैप फंड का लॉन्च करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। हमारा मानना है कि मिडकैप फंड निवेश के विकल्पों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जो उपभोक्ताओं को बेहतर रिटर्न देंगे। यह हमारे सभी युनिट लिंक्ड प्रोडक्ट्स के साथ उपलब्ध होगा।

अवीवा मिडकैप फंड सम्पत्ति सृजन के सामरिक तरीकों के साथ निवेशकों को सशक्त बनाएगा, जिससे वे मिडकैप इक्वीटीज़ में विकास की संभावनाओं का लाभ उठा सकेंगे। यह फंड उन लोगों के लिए अच्छा है जो सुनियोजित तरीके से निवेश करते हुए लम्बी अवधि में सम्पत्ति बनाना चाहते हैं। अवीवा मिडकैप फंड, अवीवा के नए एवं मौजूदा उपभोक्ताओं का स्वागत करता है और अवीवा के युनिट लिंक्ड इंश्योरेन्स प्लांस की रेंज में शामिल होने के लिए तैयार है।

भारत को मिलने वाला है चीन और पाकिस्तान का काल

इस डील में विवेक लाल की अहम भूमिका थी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत को अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन मिलने का रास्ता साफ हो गया है। अमेरिका के विदेश विभाग ने करीब चार अरब डॉलर की इस डील को मंजूरी दे दी है। इसके तहत भारत को 31 सशस्त्र ड्रोन, मिसाइल, लेजर बम और कम्युनिकेशन तथा सर्विसदूसरे उपकरण मिलेंगे। पिछले साल जून में प्रधानमंत्र नरेंद्र मोदी की अमेरिका दौरे में इस डील की घोषणा हुई थी। अमेरिकी संसद से मंजूरी मिलने के बाद इस डील पर बात आगे बढ़ेगी। इस ड्रोन का इस्तेमाल चीन और पाकिस्तान से लगी सीमा में दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जा सकता है। साथ ही इस पर मिसाइल और स्मार्ट बम भी लगे होते हैं जो दुश्मन के ठिकाने को तबाह कर सकती है। इस डील को संभव बनाने में जनरल एटॉमिक्स ग्लोबल कॉरपोरेशन के डॉ. विवेक लाल ने अहम भूमिका निभाई है। विवेक लाल का भारत के साथ गहरा जुड़ाव रहा है। वह भारतीय मूल के हैं और उनका जन्म इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में हुआ था। उनका यह स्ट्रॉन्ग कनेक्शन भारत

के लिए बहुत मददगार साबित हुआ है। अमेरिका में कंसास प्रांत की विचिटा स्टेट यूनिवर्सिटी से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में पीएचडी करने के बाद लाल बोइंग, रेथिअन और लॉकहीड मार्टिन जैसी बड़ी रक्षा कंपनियों के साथ भी अहम पदों पर काम कर चुके हैं। वह बोइंग की इंडिया यूनिट के भी हेड रह चुके हैं। इतना ही नहीं वह देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ भी काम कर चुके हैं। लेकिन जून 2020 में उनके जनरल एटॉमिक्स का सीईओ बनना भारत के लिए अहम टेक्नॉलजी हासिल करने के लिए लिहाज से बड़ा मौका था।

भारत के लिए वरदान

विवेक लाल ने भारत-अमेरिका के बीच हुए कई रक्षा सौदों में अहम भूमिका निभाई है। इन रक्षा सौदों में ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट ष्ट-17 ग्लोबमास्टर की डील, क्क81 एंटी-मरीन वारफेयर एयरक्राफ्ट और हार्पून मिसाइल सौदे शामिल हैं। जनरल एटॉमिक्स पहले से ही दोनों सरकारों के साथ मिलकर भारत को डिफेंस सेक्टर में टेक्नॉलजी सपोर्ट मुहैया कराने की दिशा में काम कर रही है। साथ ही उसने भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए कुछ देसी कंपनियों से भी पार्टनरशिप की है। मोदी की अमेरिका यात्रा में लाल ने उनसे वन-टू-वन मीटिंग की थी जिसमें भारत को प्रीडेटर ड्रोन का रास्ता साफ हुआ था। डॉ. विवेक लाल ने साल 2007 में बोइंग में टॉप पोजिशन हासिल की थी। भारत और अमेरिका के बीच डिफेंस डील में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। बोइंग में अपने पूरे करियर के दौरान उन्होंने एक से बढ़कर एक मिलिट्री डील को अंजाम दिया। इसमें भारत के साथ पी8आईआंटी पनडुब्बी रोधी युद्धक विमान से लेकर ष्ट17 मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, एंटी-शिप हारपून मिसाइल्स, अपाचे और चिनूक हेलीकॉप्टर और अन्य रक्षा सौदे शामिल हैं। इसके बाद वह लॉकहीड मार्टिन एरोनॉटिक्स में स्ट्रैटजी और बिजनेस डेवलपमेंट के वाइस प्रेसिडेंट रहे। फिर उन्हें अमेरिका की सरकार ने फेडरल एडवाइजरी कमेटी में अहम सलाहकार नियुक्त किया। विवेक लाल दो साल तक वाशिंगटन डीसी के ट्रांसपोर्टेशन डिपार्टमेंट में रहे और इस तरह उन्हें अमेरिका के साथ-साथ ग्लोबल लेवल पर एविएशन पॉलिसी को प्रभावित करने का मौका मिला। उनकी ही कोशिशों का फल रहा कि भारतीय नौसेना को अमेरिका से एंटी-सबमरीन हेलीकॉप्टर्स हासिल हुए। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अक्टूबर 2022 में लाल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया था।

विशाखापट्टनम टेस्ट में इंग्लैंड को 399 रन का लक्ष्य

टीम ने 50 रन पर पहला विकेट गंवाया, अश्विन ने डकेट को पवेलियन भेजा, स्कोर 67/1

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। भारत ने 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में इंग्लैंड को 399 रन का टारगेट दिया है। जवाब में इंग्लैंड ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 53 रन बना लिए हैं। स्टंप्स पर जैक क्रॉले 29 और रेहान अहमद 9 रन पर नाबाद रहे। अभी इंग्लैंड को जीत के लिए 332 रन और बनाने हैं। बेन डकेट (28 रन) को रविचंद्रन अश्विन ने केएस भरत के हाथों कैच कराया।विशाखापट्टनम में रविवार को मुकाबले के तीसरे दिन भारत ने दूसरी पारी में 28/0 से खेलना शुरू किया और 255 रन बनाए। शुभमन गिल ने 104 और अक्षर पटेल ने 45 रन की पारी खेली। इंग्लैंड से टॉम हार्टले ने 4 और रेहान अहमद ने 3 विकेट लिए। भारत को पहली पारी के बाद 143 रन की बढ़त मिली थी।

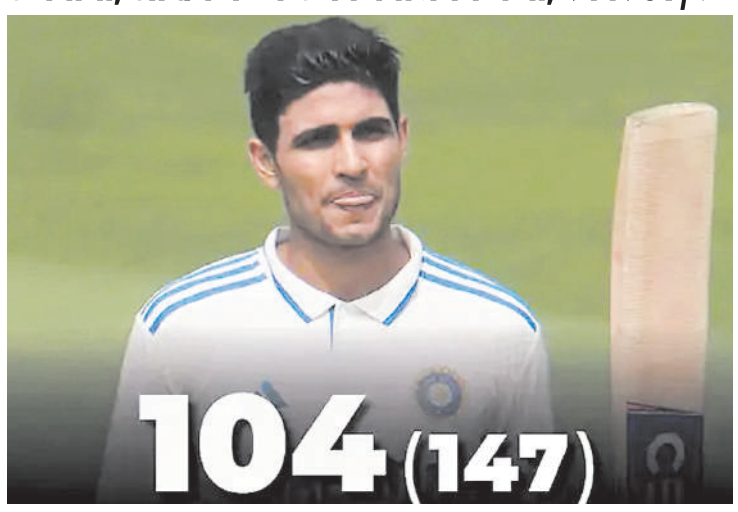

2017 के बाद नंबर-3 का घर में शतक

भारतीय टीम के नंबर-3 बल्लेबाज ने 2017 के बाद घरेलू मैदान पर शतकीय पारी खेली है। आखिरी बार चेतेश्वर पुजारा ने 2017 में नंबर-3 पर खेलते हुए घरेलू मैदान पर शतक बनाया था। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ नागपुर में 143 रन बनाए थे।

एक मैच में सबसे ज्यादा रन

शुभमन गिल ने इस मैच में कुल 138 रन बनाए। यह उनका एक मैच में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड भी है। इससे पहले गिल ने बांग्लादेश के खिलाफ चिटोग्राम टेस्ट में 2022 में कुल 130 रन बनाए थे।

शुभमन गिल ने 104 रनों की पारी में किए बड़े-बड़े कारनामे

विराट और सचिन के क्लब में हुए शामिल

शुभमन गिल टेस्ट क्रिकेट में लगातार फेल हो रहे थे। लेकिन के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच की पहली पारी में उन्हें अच्छी स्टार्ट मिली लेकिन बड़ा स्कोर नहीं बना पाए। फिर दूसरी पारी में गिल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक ठोक दिया। यह उनका टेस्ट क्रिकेट में तीसरा शतक था। 104 रनों की पारी खेलने के बाद वह आउट हुए। हालांकि इस पारी के दौरान गिल ने कई बड़े कारनामे किए। चलिए हम आपको उनके बारे में बताते हैं। शुभमन गिल की सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली के क्लब में एंट्री हो गई है। यह इंटरनेशनल क्रिकेट में उनका 10वां शतक था। गिल 24 साल से कम उम्र में 10 इंटरनेशनल शतक लगाने वाले भारत के तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं।

नंबर तीन पर पहला शतक – शुभमन गिल ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल के बाद टेस्ट में नंबर तीन पर बैटिंग शुरू की थी। तब से वह लगातार फेल हो रहे थे। इस नंबर पर खेलते हुए उन्होंने पहली बार शतक बनाया है। इससे पहले दोनों शतक सलामी बल्लेबाज के रूप में थे।

न्यूज़ीलैंड - साउथ अफ्रीका पहला टेस्ट, पहला दिन

विलियमसन-रचिन शतक बनाकर नाबाद स्टंप्स तक न्यूजीलैंड का स्कोर 258/2

माउंट माउनगानुई (एजेंसी)। यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला माउंट माउनगानुई में खेल जा रहा है। पहले मैच के पहले दिन स्टंप्स तक न्यूजीलैंड ने पहले बैटिंग करते हुए दो विकेट खोकर 258 रन बना लिए हैं।पहला दिन पूरी तरह न्यूजीलैंड के नाम रहा। टीम के स्टार खिलाड़ी केन विलियमसन और युवा खिलाड़ी रचिन रवींद्र शतक बनाकर नाबाद लौटे।

विलियमसन और रचिन का शतक – साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम को पहला झटका 2 रन के स्कोर पर लगा। अपना पहला टेस्ट खेल रहे शेफो मोरेकी ने डेवोन कॉन्वे को एलबीडब्ल्यू कर दिया। वहीं दूसरा विकेट टॉम लैथम का गिरा। वह 20 रन बनाकर डेन पैटरसन का शिकार हुए। इसके बाद विलियमसन और रचिन ने पारी को संभाला। रचिन 118 और विलियमसन 112 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों के बीच 219 रन की साझेदारी हो चुकी है। साउथ अफ्रीका की तरफ से शेफो मोरेकी और डेन पैटरसन को एक-एक विकेट मिला।

साउथ अफ्रीका से 6 प्लेयर्स ने डेब्यू किया –न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में साउथ अफ्रीका से 6 प्लेयर्स ने डेब्यू किया। इनमें कप्तान नील ब्रांड, एडवर्ड मूर, रेनार्ड वान टोन्डर, शेफो मोरेकी, रुआन डे स्वार्ट और क्लाइड फोर्च्यून शामिल रहे। बेंच पर बैठे खिलाड़ियों में भी 2 अनकैप्ड हैं।

जिन 5 प्लेयर्स ने पहले डेब्यू कर लिया था, उनमें जुबैर हम्जा, डेविड बेडिंघम, कीगन पीटरसन, डुआन ओलिवर और डेन पैटरसन शामिल रहे। इन सभी ने मिलाकर भी इस टेस्ट से पहले करियर में कुल 38 ही मुकाबले खेले थे। 15 टेस्ट के साथ पेसर ओलिवर टीम के सबसे अनुभवी प्लेयर हैं। दूसरी ओर न्यूजीलैंड से कप्तान टिम साउदी अकेले ही 96 टेस्ट खेल चुके हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

न्यूजीलैंड– टिम साउदी (कप्तान), टॉम लैथम, डेवोन कॉन्वे, केन विलियमसन, रचिन रवींद्र, डेरिल मिचेल, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सेंटनर, काइल जैमीसन और मैट हेनरी।

साउथ अफ्रीका– नील ब्रांड (कप्तान), एडवर्ड मूर, रेनार्ड वान टोन्डर, जुबैर हमजा, डेविड बेडिंघम, कीगन पीटरसन, रुआन डे स्वार्ट, क्लाइड फोर्च्यून (विकेटकीपर), डुआन ओलिवियर, शेफो मोरेकी और डेन पैटरसन।

विश्व शतरंज रैंकिंग

पहली बार टॉप 20 में पहुंचे पाँच भारतीय, भारत विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर कायम

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व शतरंज के द्वारा जारी की गयी ताजा विश्व रैंकिंग में पहली बार पाँच भारतीय शतरंज खिलाड़ी दुनिया के शीर्ष 20 में पहुँच गए है । हालांकि इस बारा कोई भी भारतीय खिलाड़ी शीर्ष 10 में जगह नहीं बना सका है पर जल्द ही शीर्ष 10 में भी कई भारतीय होंगे । भारतीय खिलाड़ियों में विश्वनाथन आनंद 2748 ईएलओ अंको के साथ 12वे , आर प्रज्ञानन्दा 2747 अंको के साथ 13वे , 2747 अंको के साथ विदित गुजराती 14वे और डी गुकेश 2743 अंको के साथ 16वे स्थान पर है जबकि 2738 अंको के साथ अर्जुन एरिगासी 18वे स्थान पर है । अन्य भारतीय खिलाड़ियों में बात करे तो पेंटाला हरीकृष्णा 2708 अंको के साथ 31वें , एसएल नारायनन 2694 अंको के साथ 42वें , निहाल सरीन 2693 अंको के साथ 43वें , 2662 अंको के साथ अरविंद चितांबरम 73वे , 2654 अंको के साथ रौनक साधवानी 83वें स्थान पर है ।2830 अंको के साथ नॉर्वे के मैगनस कार्लसन नें जुलाई 2011 के बाद से कुल 12 साल सात माह से अपने विश्व नंबर एक खिलाड़ी होने के रिकॉर्ड को कायम रखे हुए है ।

महिला वर्ग में कोनेरु हम्पी 2554 अंको के साथ तीसरे , 2503 अंको के साथ हरिका द्रोणावल्ली 11वे और 2481 अंको के साथ आर वैशाली 14वे स्थान पर चल रही है ।

वहीं टीम रैंकिंग की बात करे तो पुरुष वर्ग में भारत 2713 अंको के साथ दूसरे स्थान पर और मजबूत हुआ है जबकि यूएसए 2724 अंको के साथ पहले और चीन 2684 अंको के साथ तीसरे स्थान पर है ।

महिला वर्ग में भी भारत 2428 अंको के साथ दूसरे स्थान पर है , यहाँ चीन 2477 अंको के साथ पहले और रूस 2384 अंको के साथ तीसरे स्थान पर है ।

विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप

शेरोन ने 10 किमी ओपन वॉटर तैराकी स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

दोहा (एजेंसी)। शेरोन वैन रूवेंडाल ने विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 किमी ओपन वॉटर तैराकी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। शनिवार को कतर के दोहा में रियो 2016 में ओलंपिक स्वर्ण और टोक्यो 2020 में रजत जीतने वाली डच महिला ने स्पेन की मारिया डी वाल्डेस को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। वाल्डेस को रजत, पुर्तगाल की एंजेलिका आंद्रे को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दो साल पहले बुडापेस्ट में स्वर्ण पदक जीतने के बाद 30 वर्षीय वैन रूवेंडाल का यह दूसरा विश्व खिताब है। महिलाओं की पांच किमी ओपन तैराकी स्पर्धा बुधवार को होगी।

ये चीज यशस्वी को दूसरों से अलग बनाती है, दोहरे शतक पर बचपन के कोच का बयान

मुंबई (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह का मानना है कि खेल के प्रारूपों के बीच अनुकूलन क्षमता और सहज प्रवृति ही इस युवा बल्लेबाज को शीर्ष स्तर के अपने साथियों से अलग बनाती है। जायसवाल 22 साल और 36 दिन की उम्र में विशाखापत्तनम में इंग्लैंड के खिलाफ 209 रन बनाकर विनोद कांबली और सुनील गावस्कर के बाद टेस्ट में दोहरा शतक बनाने वाले देश के तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने।

ज्वाला ने कहा, ‘अगर आप उसका जूनियर क्रिकेट देखो। जैसे जब वह मुंबई अंडर-16 की ओर से खेल रहा था तो उसने दोहरा शतक जड़ा, मुंबई अंडर-19 के लिए भी, ईरानी कप, दलीप ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में भी दोहरा शतक जड़ा था। वह अपनी बल्लेबाजी में आक्रामक प्रकृति के कारण लंबी पारी खेलने में माहिर है।

उन्होंने कहा, ‘वह हमेशा गेंदबाज पर दबाव डालता है क्योंकि वह बाउंड्री जड़ता रहता है। उसने अपने क्रिकेट को इसी तरह तैयार किया है। अपने स्ट्रोक लगाने की काबिलियत और अपनी मानसिकता ऐसी ही बनाई है। इसे ही अनुकूलन क्षमता कहा जाता है।

ज्वाला ने कहा, ‘टी20 क्रिकेट में वह एक अलग तरह से खेलता है। टेस्ट क्रिकेट में उसका अलग दृष्टिकोण होता है। उसकी अनुकूल होने की क्षमता और सहज प्रकृति वास्तव में दूसरों से अलग है और यही उसे अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाती है।

डेविस कप

भारत ने पाकिस्तान को हराकर विश्व ग्रुप वन में किया प्रवेश

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारतीय टेनिस टीम ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ डेविस कप 2024 विश्व ग्रुप वन में प्रवेश किया। आज यहां पाकिस्तान स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने दूसरे दिन 2-0 की बढ़त के साथ शुरुआत की।

युकी भांबरी और साकेत माइनेनी ने पाकिस्तान के अकील खान और मुजम्मिल मुर्तजा की जोड़ी को दो घंटे तक चले इस युगल मुकाबले में 6-2, 7(7)-6(6) से हराया। यह 2024 डेविस कप विश्व ग्रुप वन प्ले-ऑफ मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की लगातार आठवीं जीत है। भारतीय युगल जोड़ी ने पहले सेट के पहले गेम में ही बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तानी जोड़ी की सर्विस ब्रेककर 1-0 की बढ़त ले ली।

पांचवें गेम में विपक्षी टीम की सर्विस ब्रेक करने के बाद भारतीय टेनिस खिलाड़ियों ने 4-1 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ियों ने पहला सेट 26 मिनट में 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने वापसी करने का प्रयास किया और बेहतरीन तालमेल के साथ अपनी सर्विस बरकरार रखी। दूसरे और तीसरे गेम में दोनों टीमों ने बिना कोई अंक गंवाए अपनी-अपनी सर्विस बनाए रखी। हालांकि, भांबरी और माइनेनी ने विपक्षी टीम पर अपना दबदबा बनाये रखा।

भारतीय जोड़ी ने केवल एक अंक गंवाया और शेष पांच अंक हासिल कर मैच में जीत दर्ज की और सितंबर में होने वाले डेविस कप विश्व ग्रुप वन में प्रवेश किया। उल्लेखनीय है कि डेविस कप विश्व ग्रुप वन प्ले-ऑफ के पहले दिन रामकुमार रामनाथन ऐसाम-उल-हक कुरैशी को 6(7)-7(3), 7(7)-6(4), 6-0 से हराया था। जबकि श्रीराम बालाजी ने अकील खान को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से पराजित किया। दूसरे दिन भारत ने युगल मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए 3-0 की अजेय बढ़त ले ली।

अंडर-19 वर्ल्ड कप में हो सकता है भारत-पाकिस्तान फाइनल

दोनों का सेमीफाइनल जीतना जरूरी, आयरलैंड से हारकर न्यूजीलैंड बाहर

जोहानसबर्ग (एजेंसी)। क्रिकेट प्रेमियों को एक बार फिर भारत-पाकिस्तान वर्ल्ड कप फाइनल देखने का मौका मिल सकता है, लेकिन इसके लिए दोनों टीमों को अंडर-19 वर्ल्ड कप में अपने-अपने सेमीफाइनल मैच जीतने होंगे। पहले सेमीफाइनल में 6 फरवरी को भारत का सामना मेजबान साउथ अफ्रीका से और 8 फरवरी को पाकिस्तान का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। शनिवार को इस टूर्नामेंट का सेमीफाइनल लाइनअप तय हो चुका है। भारत, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान ने टॉप-4 जगह बना ली है। सुपर-6 राउंड में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 5 रन से, आयरलैंड ने न्यूजीलैंड को छ्स्स मैथड के तहत 41 रन से और इंग्लैंड ने जिम्बाब्वे को 146 रन के अंतर से हराया।

आयरलैंड की न्यूजीलैंड पर पहली जीत – आयरलैंड ने न्यूजीलैंड पर क्रिकेट इतिहास की पहली टीम जीत हासिल की है। आयरलैंड ने कीवी टीम को डीएलएस मैथड के तहत 41 रनों से हराया।

ब्लूमफोनटेन में टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 267 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने 32.1 ओवर में 5 विकेट पर 131 रन बनाए थे, तभी बारिश आ गई। कैन हिल्टन ने 72 रनों की पारी खेली। वे प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

पाकिस्तान और इंग्लैंड भी जीते – दिन के अन्य मुकाबलों में पाकिस्तान और इंग्लैंड ने जीत हासिल की। बिनानी में पाकिस्तानी टीम ने पहले तो 155 रन का स्कोर खड़ा किया। उसके बाद बांग्लादेश को 150 रन पर ऑलआउट कर दिया। उबैद शाह प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 5 विकेट लिए।दूसरी ओर, ब्लूमफोनटेन में इंग्लैंड ने 7 विकेट पर 237 रन बनाए और जिम्बाब्वे को 91 रन पर ऑलआउट कर दिया। इंग्लिश टीम से तैजिम चौधरी अली ने 7 विकेट झटके। वे प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

सानिया मिर्जा के बेटे इजहान ने स्कूल जाना छोड़ा

पिता शोएब मलिक की तीसरी शादी के कारण क्लास में परेशान कर रहे स्टूडेंट्स

मुंबई (एजेंसी)। सानिया के तलाक और शोएब मलिक की तीसरी शादी के बाद, उनके 5 साल के बेटे इजहान मिर्जा मलिक इससे प्रभावित होते दिख रहे हैं। पाकिस्तानी पत्रकार नईम हनीफ ने हाल ही में समा टीवी को दिए इंटरव्यू में सानिया से बातचीत का दावा किया। हनीफ के मुताबिक इजहान को उसके स्कूल में इस हद तक परेशान किया जा रहा है कि उसने क्लास जाना बंद कर दिया है। नईम का कहना है कि, सानिया ने अपने बेटे इजहान की मेंटल हेल्थ के बारे में चिंता व्यक्त की, उन्होंने खुलासा किया कि उनके पिता की तीसरी शादी से जुड़ी खबरें उन्हें मेंटली परेशान कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सानिया अपने होमटाउन हैदराबाद लौट आई हैं। शुक्रवार को, सानिया ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में अपने बेटे और अपनी बहन अनम मिर्जा की बेटी दुआ की एक तस्वीर साझा की, जिसमें उन्हें ‘लाइफलाइन’ कहा।

दो हफ्ते पहले शोएब ने की तीसरी शादी – पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने दो हफ्ते पहले तीसरी शादी की। 41 साल के शोएब ने 30 साल की पाकिस्तानी एक्ट्रेस सना जावेद से शादी की। शोएब ने सना के साथ फोटो शेयर कर इसकी जानकारी दी थी। शोएब की पहली शादी आयशा सिद्दीकी से हुई थी। जिनसे तलाक के बाद उन्होंने 2010 में भारत की पूर्व टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा से दूसरी शादी की। सानिया के पिता ने कहा कि उनकी बेटी ‘खुला प्रथा’ के तहत शोएब से अलग हो गई थी।

शादी के 8 साल बाद जन्मा बेटा – सानिया मिर्जा और शोएब मलिक की शादी के 8 साल बाद 2018 में उनके बेटे इजहान का जन्म हुआ। सानिया ने अपने बेटे को जन्म देने के दौरान टेनिस से डेढ़ साल का ब्रेक लिया था। सानिया ने अपनी आत्मकथा ‘ऐस अगेंस्ट ऑड्स’ में लिखा है कि शोएब उनकी लाइफ में उस समय आए थे, जब वो अपनी प्रोफेशनल लाइफ में परेशानियों से जूझ रही थीं।

पीएसजी का साथ छोड़ रियाल मैड्रिड के साथ जुड़ेंगे किलियन एम्बाप्पे

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांस के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे ने अपना क्लब बदलने का फैसला कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार वह इस सत्र के अंत में पीएसजी का साथ छोड़ देंगे। वह रियाल मैड्रिड के साथ जुड़ सकते हैं। फ्रांस के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे अपना क्लब बदल सकते हैं। फ्रांसीसी मीडिया के अनुसार वह इस साल गर्मियों के बाद रियाल मैड्रिड से जुड़ सकते हैं। गर्मियों में पेरिस सेंट जर्मन के साथ उनका अनुबंध खत्म हो रहा है। 25 वर्षीय एम्बाप्पे ने 2024-25 सीजन में रियाल मैड्रिड के लिए खेलते दिख सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार वह लगातार रियाल मैड्रिड के अधिकारियों के संपर्क में रहे हैं।

हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि यह सौदा अभी तक पूरा नहीं हुआ है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एम्बाप्पे पहले लिवरपूल क्लब में जाने के बारे में सोच रहे थे, लेकिन बाद में उन्होंने अपना फैसला बदल दिया। अब वह अगर रियाल मैड्रिड में शामिल होते हैं तो क्लब के लिए यह अहम बात होगी। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब एम्बाप्पे को कथित तौर पर टीम छोड़ने के बारे में कई संदेह थे, जिसे उन्होंने 2018 में पीएसजी के लिए मोनाको छोड़ने के बाद से अपना घर कहा है। एम्बाप्पे को पीएसजी ने 180 मिलियन यूरो में अपने साथ जोड़ा था। उन्होंने इस क्लब के लिए 288 मैचों में 241 गोल किए हैं।

अब पीएसजी बुधवार को फ्रेंच कप के अंतिम 16 में ब्रेस्ट से अपने घरेलू मैदान में भिड़ेगा। अगले शनिवार को लीग 1 में इस क्लब का मुकाबला लिली से होगा। एम्बाप्पे पिछले कुछ समय में दुनिया के सबसे बेहतरीन फॉरवर्ड खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। 2018 फीफा विश्व कप में फ्रांस को चैंपियन बनाने के बाद उन्होंने 2022 विश्व कप में भी अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में डकैती, बिल्डर के गोदाम से लाखों रुपए का सामान लेकर भागे बदमाश

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के सेक्टर 58 इलाके में डकैती का एक मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि करीब आधा दर्जन युवकों ने एक बिल्डर के गोदाम में डकैती की वारदात को अंजाम दिया। युवकों ने गुरुवार देर रात लाखों रुपए का बिजली का सामान लूट लिया। दरअसल, बदमाशों ने गोदाम के गार्डों को बंधक बना लिया और सारा सामान पिकअप जीप में लाद कर फरार हो गए। रात भर गोदाम के दोनों गार्ड कमरे में बंद रहे। जानकारी के मुताबिक, कंपनी के मैनेजर ने बताया कि गुरुवार की आधी रात कुछ लोग दीवार कूदकर गोदाम के अंदर आए। गोदाम के अंदर घुसते ही बदमाशों ने सुरक्षा गार्ड सुरेश और विवेक को एक कमरे में बंद कर दिया। उसके बाद वे गार्ड से गोदाम की चाबियां लिए और गेट खोलकर सामान अपनी पिकअप जीप में भरने लगे। वे गोदाम से लाखों रुपए की लोहे की प्लेटें और तार चुराकर भाग गए। कंपनी के मैनेजर ने बताया कि डकैती करने आए आरोपी गोदाम में मौजूद दोनों गार्ड को एक कमरे में बंद कर दिए थे। जब अगली सुबह ड्यूटी करने दूसरे गार्ड गोदाम में पहुंचे तो उन्होंने देखा कि दोनों गार्ड कमरे के अंदर बंद हैं। इसके बाद उन लोगों ने गार्ड को कमरे से बाहर निकाला और अधिकारियों को इस बारे में सूचना दी। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 395 (डकैती), 397 (मौत या गंभीर चोट पहुंचाने के प्रयास के साथ डकैती), 342 (गलत तरीके से बंधक) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सेक्टर 56 पुलिस स्टेशन के स्राह इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने कहा कि आरोपियों के बारे में जानकारी एकत्र कर ली गई है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

महिला ने साथी यात्री पर लगाया छेड़छाड़ करने का आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। स्पाइसजेट की फ्लाइट में एक बार फिर शर्मसार करने वाली घटना देखने को मिली है। कोलकाता से बागडोगरा जाने वाली एक फ्लाइट में सवार महिला ने अपने सह-यात्री पर अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया है। पुरुष यात्री पर महिला से छेड़छाड़ का आरोप कैरियर के प्रवक्ता के अनुसार, घटना के बाद केबिन क्रू ने पुरुष यात्री की सीट बदल दी। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि 31 जनवरी को जब स्पाइसजेट की उड़ान एसजी 592 कोलकाता से बागडोगरा जा रही थी, तब एक महिला यात्री के साथ एक घटना घटी, जिसने अपने सह-यात्री पर अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया। इसके बाद केबिन क्रू ने स्थिति को संभालते हुए तुरंत हस्तक्षेप किया और साथी यात्री की सीट बदल दी। हालांकि, आरोपी सह-यात्री ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है। एयरलाइन ने कहा कि आरोपी सह-यात्री द्वारा सीआईएसएफ कर्मचारियों की उपस्थिति में माफी मांगने के बाद महिला यात्री बिना कोई लिखित शिकायत दर्ज किए बागडोगरा हवाई अड्डे से चली गई। बागडोगरा हवाईअड्डे पर पहुंचने पर दोनों यात्रियों को स्पाइसजेट सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा सीआईएसएफ अधिकारियों तक एस्कॉर्ट किया गया। महिला यात्री ने सह-यात्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस पर, आरोपी सह-यात्री ने सीआईएसएफ स्टाफ की उपस्थिति में माफी मांगी।

महाराष्ट्र पुलिस और सैन्य खुफिया विभाग ने ऑपरेशन को दिया अंजाम

नईदिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र पुलिस और सैन्य खुफिया विभाग ने संयुक्त रूप से शुक्रवार को खुले बाजार में भारतीय सेना की नई काम्बैट नकली वर्दी के निर्माण और बिक्री में शामिल दिल्ली स्थित एक गिरोह का पर्दाफाश किया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि गिरोह का सरगना दिल्ली और राजस्थान से जुड़ा हुआ है। दक्षिणी कमान, सैन्य खुफिया, पुणे द्वारा दिए गए इनपुट के आधार पर शुक्रवार को अहमदनगर में भिंगार पुलिस ने आनंद नगर, नासिक के निवासी सुरेश खत्री को गिरफ्तार किया, जिसके अहमदनगर कैंट

बागेश्वर धाम बाबा की किताब सनातन धर्म क्या है का विमोचन, मनोज तिवारी भी रहे मौजूद

नईदिल्ली, एजेंसी।
बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सनातन को लेकर एक पुस्तक लिखी है। शनिवार को दिल्ली में इस किताब का विमोचन हुआ। दिल्ली के कांस्टीट्यूशनल क्लब ऑफ़ इंडिया में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने मंच से इस पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक विमोचन के इस कार्यक्रम में परमार्थ निकेतन के संत चिन्मयानन्द जी, राज्यसभा सांसद व भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, दिल्ली बीजेपी पूर्व अध्यक्ष व सांसद मनोज तिवारी व बीजेपी नेता नीलकांत बक्शी मौजूद रहे।

किताब का नाम सनातन धर्म क्या है। बताया जा रहा है कि इस पुस्तक को लिखने में लगभग दो साल लग गए हैं। कार्यक्रम में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बागेश्वर पीठाधीश्वर ने कहा कि यह किताब कोयंबटूर के 5 दिन के एकांतवास में लिखी गई है और वह देश भर में हो रही लव जिहाद जैसी घटनाओं से आहत थे इसलिए यह किताब लिखने का उनके मन में विचार आया...बाबा बागेश्वर ने कहा कि सनातन धर्म के सब हैं और सनातन धर्म सबका है क्योंकि अकेले सनातन धर्म में भगवान कृष्ण ने कहा है कि मैं ईश्वर हूं बाकी किसी मत या संप्रदाय के प्रमुख ने अपने को या तो ईश्वर का दूत कहा है या फिर ईश्वर का पुत्र..बाबा बागेश्वर ने दावा किया कि उनके द्वारा लिखित पुस्तक पढ़ने के बाद सनातन धर्म के लाखों विरोधियों के बीच आप ललकार कर बता पाएंगे कि हमारे धर्म में यह विशेषताएं हैं ऐसे में यह पुस्तक अवश्य पढ़ी जानी चाहिए।

बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री दिल्ली के भजनपुरा में राम कथा कही। दो फरवरी को बाबा बागेश्वर धाम का दिव्य दरबार लगाया गया। कथा से एक दिन पहले दिन महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री हनुमंत कथा का पाठ किया। छठी मैया और मृदुल फाउंडेशन के सहयोग से पूर्वी दिल्ली में इसका आयोजन किया गया है।

बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री 4 फरवरी तक रोज दिल्ली के भजनपुरा क्षेत्र में स्थित करतारनगर में चौथा पुस्ता के पास होगी। कथा के लिए लगाए गए पंडाल में 70 हजार भक्तों के एक साथ बैठने की व्यवस्था की गई है। कथा करने के लिए बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री दिल्ली में हैं। बता दें कि बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की कथा में सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण बाबा के दिव्य दरबार का होता है। दिल्ली के भजनपुरा में शुरू हुई बाबा बागेश्वर धाम की कथा में दो फरवरी को दिव्य दरबार लगाया गया। दिव्य दरबार के दिन बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री भक्तों के पर्चे निकालकर उनकी समस्याओं का समाधान करते हैं। बताया जाता है कि एक कथा के आयोजन के लिए बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री 21 लाख रूपये फीस के रूप में वसूल करते हैं। कथा के लिए ली जाने वाली 21 लाख रूपए की फीस बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री दक्षिणा का नाम देते हैं।

कलर्स सागर में प्यार की मशाल लेकर आया

सागर , एजेंसी। एक बार फिर से प्यार की दुनिया खो जाइए क्योंकि भारत के अग्रणी एचजीईसी कलर्स रात 9:30 बजे से 11 बजे तक अपने प्राइम-टाइ स्लॉट को दिल जीत लेने वाली तीन प्रेम कहानि प्रसारित करके एक रोमांटिक महोत्सव में बदल दिया जिनसे दर्शकों के दिल रोमांचित हो उठते हैं। तीन अलग अलग प्रेम कहानियों से दर्शकों का नॉन-स्टॉप मनोरंज करने के वादे के साथ, पहली प्रेम कहानी 'मेरा बल थानेदार' है, जो दो विपरीत व्यक्तियों के बीच रोमांस व उतार-चढ़ाव भरा सफर है, और राजस्थान में नाबालि विवाह की पृष्ठभूमि पर आधारित है जिसमें शगुन पां (वीर) व श्रुति चौधरी (बुलबुल) मुख्य भूमिकाओं हैं। इसके बाद भारतीय इतिहास के पन्नों को फिर लिखने वाली भव्य प्रेम कहानी 'प्रचंड अशोक' है जिस अदनान खान (सम्राट अशोक) और मल्लिका सि (राजकुमारी कौर्वकी) मुख्य भूमिका में हैं। तीसरा 'कयामत से कयामत तक' है, जो पुनर्जन्म पर आधारि एक सच्ची कहानी है जिसमें करम राजपाल (राज) औ तृप्ति मिश्रा (पूर्णिमा) मुख्य भूमिका में हैं। शाश्वत प्रे का उत्सव मनाते हुए, कलर्स ने एक मशाल जलाई जिसके साथ यह 'प्यार की मशाल' के अपने अभिया को आगे बढ़ाते हुए सागर पहुंचा है, जहां यह लौ एक विजुअल प्रदर्शन के साथ दर्शकों के दिलों में प्यार क मशाल जलाएगी।

प्यार का जादू जीवंत हो उठा है क्योंकि एक अनोख मूविंग वैन (कैंटर) उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरा के प्रमुख शहरों की यात्रा करते हुए प्रेम का प्रसार क रही है। यह मंत्रमुग्ध कर देने वाला कैंटर इन तीन शो प्रदर्शित प्रेम की लौ को बढ़ाने के लिए सागर में रुका है चैनल सागर के लोगों को सोमवार 5 फरवरी को गोपा गंज, पोद्दार कॉलोनी, झांसी रोड और भगवान गंज 'प्यार की मशाल' देखने के लिए आमंत्रित करता है। इ सफल गतिविधि में भाग लेने वाले भाग्यशाली विजेता को मुंबई जाने और शो की शूटिंग का अनुभव करने क मौका मिलेगा।

सिखों की पगड़ी सिर में होने वाले फ्रैक्चर के खतरे को कम करने में करती है मदद, स्टडी में हुआ यह खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी।
पगड़ी पहनना सिखों की आस्था से जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि भारत, ब्रिटेन, कुछ कनाडाई राज्यों, न्यूजीलैंड और थाईलैंड सहित कई देशों में पगड़ी बांधने वाले सिखों को कानूनी तौर पर हेलमेट पहनने से छूट दी गई है, लेकिन इसे बांधना वैज्ञानिक रूप से भी फायदेमंद है।

बकौल रिपोर्ट, पगड़ी पहनने से खोपड़ी में होने वाले फ्रैक्चर के खतरे को बहुत हद तक कम करने में सहायता मिलती है। एक शोध में पाया गया कि खाली सिर की तुलना में पगड़ी पहनने से कपड़े की मोटी परत से ढंकी खोपड़ी के हिस्से के फ्रैक्चर का खतरा बहुत कम हो जाता है। यह भी देखा गया कि पगड़ी बांधने की शैली का सिर की चोट के जोखिम पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है।

शोध में दस्तार पगड़ी शैली को सिर के सामने के हिस्से को कुशनिंग देने में सबसे बेहतर पाया गया। वहीं, दुमाला पगड़ी शैली को सिर के किनारे को चोट से बचाने में अधिक प्रभावशाली पाया गया। इंपीरियल कॉलेज लंदन और सिख साइंटिस्ट नेटवर्क के शोधकर्ताओं ने कहा कि निष्कर्षों ने उन्हें साक्ष्य-आधारित सिफारिशें करने की अनुमति दी ताकि पगड़ी पहनने वाले सिखों को सिर की सुरक्षा में लाभ मिल सके। उन्होंने डमी सिर पर क्रैश टेस्ट करके विभिन्न पगड़ी शैलियों के प्रदर्शन की तुलना भी की।

टीम बना रही है यह योजना

शोधकर्ताओं ने कहा कि हमारे निष्कर्षों से पता चलता है कि सिख पगड़ी में सिर पर पड़ने वाले चोटों को कम करने की क्षमता होती है। हालांकि, उन्होंने पाया कि पारंपरिक साइकिल हेलमेट की तुलना में सभी पगड़ी पहनने वालों के लिए सिर में चोट लगने का जोखिम अधिक था। टीम निष्कर्ष का उपयोग कर चोट से और अधिक सुरक्षा देने के लिए पगड़ी के लिए अधिक कुशनिंग देने वाली सामग्री विकसित करने की योजना बना रही है।

जेवर की फिल्म सिटी में समाएगा पूरा भारत, योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट में दिखेगी अयोध्या से काशी घाट तक की झलक

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा और जेवर इलाके के लिए गुड न्यूज है। यूपी की फिल्म सिटी में निर्माता निर्देशक केवल आइडिया लेकर आएंगे और पूरी फिल्म बना कर वापस जाएंगे। जेवर में बनने वाली इंटरनेशनल फिल्म सिटी मुख्यमंत्री योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसे कुछ यूं बनाया जाएगा कि निर्माताओं निर्देशकों को हर तरह की सुविधा यहां मिल सके। फिल्म सिटी में अयोध्या-वाराणसी के घाट, हिमाचल के बाजार और कश्मीर की डल झील से लेकर केदारनाथ समेत सारे प्रसिद्ध मंदिरों के सेट भी बनाए जाएंगे।

अब फिल्म निर्माताओं को शूटिंग के लिए अलग-अलग जगहों पर नहीं जाना पड़ेगा। फिल्म सिटी में ही पूरा भारत मिलेगा। कश्मीर और हिमाचल के बर्फ से ढके पहाड़ों से लेकर गोवा के प्राकृतिक समुद्र तटों तक और दिल्ली की प्रमुख इमारतों से लेकर केरल की हरियाली तक एक ही स्थान पर मिलेंगे। यीडा क्षेत्र में निर्मित होने वाली इस फिल्म सिटी को विकसित करने की जिम्मेदारी प्राधिकारण ने मशहूर फिल्म निर्माता बोनी कपूर और भूटानी इंफ्रा के वेंचर बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी को सौंपी गई है। यीडा के सीईओ अरुणवीर सिंह ने बताया कि फिल्म सिटी में भारत के विभिन्न राज्यों के प्रमुख स्थलों के सेट बनाए जाएंगे। इनमें दिल्ली की प्रमुख इमारतें मसलन संसद भवन से लेकर राष्ट्रपति भवन तक, पंजाब की हरियाली, स्वर्ण मंदिर, राजस्थान के रेगिस्तान, किले और पर्यटन स्थल शामिल हैं। इसके साथ ही गुजरात के सोमनाथ मंदिर से लेकर महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों को यहां दर्शाया जाएगा। जहां पर फिल्म निर्माता और निर्देशक सहजता के साथ फिल्मों की शूटिंग कर पाएंगे। इसका सीधा लाभ फिल्म इंडस्ट्री को मिलेगा।

यूक्रेन के मोर्चे पर लड़ रहे सैनिकों की पत्नियों ने किया प्रदर्शन, विदेशी पत्रकारों समेत कई हिरासत में

मॉस्को, एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को में विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों को हिरासत में लिया गया है। हिरासत में लिए गए लोगों में कई विदेशी पत्रकार भी शामिल हैं। ये प्रदर्शन राष्ट्रपति पुतिन के चुनाव मुख्यालय के बाहर किया गया। यह प्रदर्शन यूक्रेन के मोर्चे पर लड़ रहे रूसी सैनिकों की पत्नियों और अन्य परिजनों ने आयोजित किया। इन महिलाओं की मांग थी कि उनके पतियों, बच्चों को घर वापस लाया जाए। रूस-यूक्रेन युद्ध को शुरू हुए 500 दिन बीत चुके हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में महिलाएं क्रेमलिन में इकट्ठा हुईं और फिर वहीं पर मौजूद राष्ट्रपति पुतिन के चुनाव मुख्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया। इसके बाद पुलिस ने भीड़ से कई लोगों को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए लोगों में कई विदेशी पत्रकार भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार करीब 27 लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिन्हें पुलिस वैन में डालकर कितेय-गोराड स्टेशन ले जाया गया। कई

प्रदर्शनकारियों को छोड़ दिया गया है और कई अभी भी पुलिस की हिरासत में हैं। रूस के स्वतंत्र मीडिया के अनुसार, हिरासत में लिए गए लोगों को रिपोर्ट्स लिखे जाने तक कानूनी मदद भी नहीं दी गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हिरासत में लिए गए विदेशी पत्रकारों में फ्रांस प्रेस, स्पीगल और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हैं। साथ ही जापानी टेलीविजन कंपनी फ्यूजी के प्रतिनिधि आंद्रेई जाइको भी शामिल हैं। ये विरोध प्रदर्शन मॉस्को के रेड स्कवायर के नजदीक हुए। रूस में जल्द ही आम चुनाव होने हैं और इन चुनाव में व्लादिमीर पुतिन का एक बार फिर से रूस का राष्ट्रपति बनना तय दिख रहा है। रूस में 15-17 मार्च तक चुनाव होंगे और विजेता का एलान मई में किया जाएगा। साल 1999 में अपने कार्यकाल के आखिरी दिन रूस के तत्कालीन राष्ट्रपति येल्तसिन ने व्लादिमीर पुतिन को कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया था। इसके बाद साल 2000 में हुए रूसी चुनाव में पुतिन 53 प्रतिशत वोटों से जीते और साल 2004 में उन्हें 71 प्रतिशत वोट मिले। 2008 में पुतिन के करीबी दिमित्री मेदवेदेव राष्ट्रपति बने और साल 2012 में फिर से पुतिन 63 प्रतिशत वोट पाकर राष्ट्रपति बने। साल 2018 में भी पुतिन को 76 फीसदी मत मिले।

पाकिस्तान में 8 फरवरी के बाद हो सकता है बवाल, अमेरिका ने चेताया; चुनावी हिंसा की आशंका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान में बवाल होने को लेकर चेतावनी जा की है। दरअसल पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव होने वाले हैं। पाकिस्तान चुनावी हिंसा का इतिहास रहा है। इस बार भी हिंसा की पूरी आशंका है। इसे देखते हु अमेरिका ने पाकिस्तान की यात्रा करने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए एक यात्रा परामर्श जारी किया है। इसने आठ फरवरी के आम चुनावों से पहले उनसे सावधानी बरतने क कहा तथा चुनाव से जुड़ संभावित हिंसा की भी चेतावन दी। पाकिस्तान स्थित अमेरिक दूतावास ने शुक्रवार को ए परामर्श जारी किया और अप नागरिकों से सतर्क रहने तथा उ स्थानों पर जाने से परहेज कर को कहा जहां राजनीतिक रैलि हो रही हैं। परामर्श में कहा ग है कि चुनाव के दिन आ फरवरी को मतदान केंद्रों

आसपास के इलाकों में भीड़भाड़ हो सकती है और अमेरिकी नागरिकों को वहां जाने से बचना चाहिए। दूतावास ने उल्लेख किया कि पाकिस्तान में राजनीतिक दल सक्रियता से चुनाव प्रचार कर रहे हैं, जैसे कि मार्च निकाल रहे हैं। और रैलियां कर रहे हैं। इस कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से यातायात अवरूद्ध हो सकता है, परिवहन बाधित हो सकता है और मुक्त आवागमन एवं सुरक्षा में व्यवधान पड़ सकता है। परामर्श में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान में राजनीतिक गतिविधियों को हिंसा के लिए निशाना बनाने के कुछ उदाहरण भी देखने को मिले हैं। इस हफ्ते, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में राजनीतिक दलों पर चुनाव पूर्व कई हमले हुए। परामर्श में कहा गया है कि मतदान से पहले और मतदान के दिन इंटरनेट एवं मोबाइल सेवाएं भी बाधित हो सकती हैं।

भारतीय मूल के बैरिस्टर वरुण घोष ऑस्ट्रेलियाई सीनेट में नियुक्त

मेलबर्न, एजेंसी। भारतीय मूल के बैरिस्टर वरुण घोष अगले सप्ताह ऑस्ट्रेलियाई सीनेट में अपना पद संभालेंगे और लेबर पार्टी ने आधिकारिक तौर पर उन्हें पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया (डब्ल्यूए) का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है। गुरुवार को डब्ल्यूए संसद की संयुक्त बैठक में वर्तमान सीनेटर पैट्रिक डोडसन की जगह लेने के लिए फ्रांसिस बर्ट चेम्बर्स के बैरिस्टर 38 वर्षीय घोष को चुना गया।

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की विधान सभा ने एक्स को घोषणा की,विधान सभा और विधान परिषद ने संघीय संसद की सीनेट में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने के लिए सीनेटर वरुण घोष को चुना है। समाचार वेबसाइट डब्ल्यूए टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, घोष 1980 के दशक में अपने माता-पिता के भारत से चले जाने के बाद 17 साल की उम्र में पर्थ में लेबर पार्टी में शामिल हो गए और न्यूरोलॉजिस्ट के रूप में काम करना शुरू कर दिया। ऐसा सम्मान है जिसे वह पूरी तरीके से निभाएंगे। उन्होंने एक बयान में कहा, मुझे अच्छी शिक्षा का सौभाग्य मिला और मेरा दृढ़ विश्वास है कि उच्च गुणवत्ता शिक्षा और प्रशिक्षण हर किसी के लिए उपलब्ध होना चाहिए। वरुण ने पिछले कुछ वर्षों में डब्ल्यूए व्यवसाय और विश्व बैंक के साथ अंतर्राष्ट्रीय मंच पर बैरिस्टर के रूप में काम किया है।

भोजन में प्रयुक्त प्रिजर्वेटिव का आंत के माइक्रोबायोम पर पड़ता है बुरा असर: शोध

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी।
एक शोध से यह बात सामने आई है कि भोजन में उपयोग किए जाने वाले सामान्य प्रिजर्वेटिव का आंत के माइक्रोबायोम (मानव पाचन तंत्र से जुड़े रोगाणु) पर अप्रत्याशित प्रभाव पड़ता है। एसीएस केमिकल बायोलॉजी जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, भोजन में रोगजनकों को मारने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एक सामान्य प्रिजर्वेटिव की जांच से पता चला है कि इसका लाभकारी बैक्टीरिया पर भी प्रभाव पड़ता है जिससे आंत के माइक्रोबायोम का संतुलन खतरे में पड़ जाता है।

खाद्य निर्माता अक्सर खाद्य उत्पादों को ताजा बनाए रखने के लिए उनमें प्रिजर्वेटिव मिलाते हैं। इन प्रिजर्वेटिव्स का प्राथमिक उद्देश्य उन रोगाणुओं को मारना है जो भोजन को खराब करने और सड़ाते हैं। शोध में कहा गया है, बैक्टीरिया माइक्रोबियल प्रतिस्पर्धियों को मारने के लिए बैक्टीरियोसिन्स नामक रसायन बनाते हैं। ये

रसायन भोजन में संभावित खतरनाक रोगजनकों को मारकर प्राकृतिक संरक्षक के रूप में काम कर सकते हैं। लैथिपेप्टाइड्स विशेष रूप से शक्तिशाली रोगाणुरोधी गुणों वाले बैक्टीरियोसिन का एक वर्ग है जिसका व्यापक रूप से खाद्य उद्योग द्वारा उपयोग किया जाता है और इसे लैंटीबायोटिक्स के रूप में जाना जाता है।

शिकागो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने पाया कि लैंटीबायोटिक्स के सबसे आम वर्गों में से एक में रोगजनकों और हमें स्वस्थ रखने वाले कमेंसल आंत बैक्टीरिया दोनों के खिलाफ शक्तिशाली प्रभाव होते हैं। निसिन एक लोकप्रिय लैंटीबायोटिक है जो बीयर से लेकर सॉसेज, और डिपिंग सॉस तक विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि यह गायों की स्तन ग्रंथियों में रहने वाले बैक्टीरिया द्वारा निर्मित होता है, लेकिन मानव आंत में सूक्ष्मजीव भी इसी तरह के लैंटीबायोटिक्स का उत्पादन करते हैं।

पीएचडी,पोस्टडॉक्टरल विद्वान जेनरुन जेरी झांग ने कहा कि निसिन एक प्रकार का एंटीबायोटिक है जिसे लंबे समय से हमारे भोजन को सही रखने के लिए उपयोग किया जाता है। लेकिन यह हमारे आंत रोगाणुओं को कैसे प्रभावित कर सकता है इसका अभी अच्छी तरह से अध्ययन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, भले ही यह हमारे भोजन को लंबे समय तक सही रखने में मदद कर सकता है, लेकिन यह हमारे मानव आंत के रोगाणुओं पर भी अधिक प्रभाव डा सकता है।

झांग ने अपनी टीम के साथ मानव आंत बैक्टीरिया जीनोम के एक सार्वजनिक डेटाबेस क जांच की और छह अलग-अलग आंत-व्युत्प लैंटीबायोटिक्स के उत्पादन के लिए जीन क पहचान की, जो निसिन से काफी मिलते-जुल थे, जिनमें से चार नए थे। शोधकर्ताओं ने पा कि हालांकि विभिन्न लैंटीबायोटिक्स के अलग अलग प्रभाव थे, लेकिन वे सभी रोगजनकों औ कमेंसल बैक्टीरिया को मार देते थे।

झांग ने कहा, यह अध्ययन यह दिखाने वा पहले अध्ययनों में से एक है कि आंत के कमेंस लैंटीबायोटिक्स के प्रति संवेदनशील होते हैं, औ कभी-कभी रोगजनकों की तुलना में अधि संवेदनशील होते हैं। उन्होंने कहा, वर्तमान भोजन में मौजूद लैंटीबायोटिक्स के स्तर क देखते हुए, यह बहुत संभव है कि वे हमारे पेट स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डाल सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129